

В. Н. Бенешевичъ.

ПРИЛОЖЕНІЯ

КЪ ИЗСЛѢДОВАНІЮ:

**Каноническій сборникъ XIV титуловъ со второй четверти
VII в. до 888 г.**



С.-ПЕТЕРБУРГЪ.
Типографія В. Кирибаума, Дворц. площ., д. М-ва Финансовъ.
1905.

По опредѣленію Юридическаго факультета Императорскаго С.-Петербургскаго Университета печатать разрѣшается.
6-го октября 1905 г.

Декавъ *Л. Петражицкій.*

ОГЛАВЛЕНІЕ.

	стр.
I. Схолія къ правиламъ	3—80
II. Ὁρος κανονικός	81—84
III. Αἱ ῥωμαῖαι λέξεις αἱ κείμεναι εἰς τὸ νομοκάνονον	85—86
IV. Имена отцовъ II всел. собора	87—89
V. Ἐκ τῆς διαλέξεως τοῦ ἁγίου ἀποστόλου Ἰακώβου	90
VI. Τάξις ὀνομάτων τῶν ὁσίων μητροπολιτῶν	91—92
VII. Синоптическая таблица дополненій въ ссылкахъ XIV титуловъ на правила	93—101

Ἀθανασίῳ Παπαδοπούλῳ-Κεραμει

φιλίας ἕνεκεν

ἀγιεροῦ ὁ πονήσας.

Схоліи къ правиламъ.

Большинство издаваемыхъ здѣсь схолий уже извѣстны въ печати, благодаря трудамъ Беверегія (въ *annotationes* къ правиламъ: *Συνοδικόν* т. II), Вольфа (*Anecdota sacra et profana*), P. de Lagarde (*Reliquiae... graecae*), Питра, Гергенрөтера (*Philus*, III), Красножена (Толкователи канон. кодекса восточной церкви... Москва. 1894) и друг.; но чтобы стать предметомъ научнаго изслѣдованія, этой *rudis indigestaque moles* недостаетъ многого: текстъ схолий брался изъ рукописей безъ всякой системы, съ выборомъ подѣ влияніемъ разныхъ соображеній. и притомъ цѣнность его съ точки зрѣнія филологической критики очень не высока, разъ приходится убѣждаться, что издатели всегда проявляли достаточно невниманія и неумѣнья въ чтеніи рукописей и даже часто не понимали со-всѣмъ текста, или же что они пользовались такими рукописями, которыя сами не гарантировали исправность текста. Такое положеніе дѣла грозило очень чувствительнымъ образомъ усложнить задачи и методы моего изслѣдованія, а между тѣмъ собранный мною матеріалъ не давалъ еще возможности приступить къ рѣшенію новыхъ вопросовъ во всеоружіи средствъ; поэтому я предпочелъ въ изслѣдованіи совершенно не касаться схолий къ правиламъ, но дать ихъ цѣликомъ въ приложеніяхъ въ такомъ видѣ, чтобы мое изданіе могло послужить прочной основой для научной обработки ихъ.

Слѣдующія рукописи взяты мною для изданія текста схолий:

Ath. = Atheniens. 1370 X вѣка,

L = Laurent. X 1 XIII вѣка,

L₁ = Laurent. X 10 XI вѣка,

P = Petropol. 66 X вѣка,

Patm₁ = Patm. 172 IX вѣка,

Patm₂ = Patm. 173 X вѣка,

V = Vallicell. F 10 X вѣка (первой половины),

V₁ = Vatic. 1980 + Vatic. 1981 X вѣка,

Ven. = Venet. 169 XII — XIII вѣка.

Изъ каждой взяты *всѣ рѣшительно* схоліи, за исключеніемъ лишь тѣхъ, которыя уже приведены въ самомъ изслѣдованіи при обзорѣ измѣненій въ текстѣ правилъ отдѣльныхъ редакцій; кромѣ того, опущены знаки *Σημείωσαι* (обыкновенно сопровождаетъ схоліи и подразумѣвается при нихъ), а также *ἀναγκάϊον* и *ὠραϊον* (смотр. изслѣдов., стр. 145²); но иногда для большей ясности схолій *Σημείωσαι* удержано.

Въ объясненіе внѣшняго вида изданія замѣчу, что

1) римская цифра обозначаетъ правило по обычн. счету, а если къ одному правилу нѣсколько схолій, то римская цифра ставится только при первой;

2) жирная арабская цифра—номеръ схоліи по порядку, причемъ разныя редакціи одной и той же схоліи и схоліи, обнаруживающія общность происхожденія, ставятся подъ однимъ номеромъ только съ малыми латинскими буквами сверху;

3) римской буквой передъ текстомъ схоліи обозначается основная р-сь, послѣ текста—остальные;

4) если возможно указать точнѣе отдѣльное мѣсто, къ которому схоліа относится, то оно ставится курсивомъ въ скобкахъ послѣ сигнатуры основной р-си передъ самымъ текстомъ, а если къ одному и тому же мѣсту правила есть нѣсколько схолій, то это мѣсто ставится курсивомъ въ скобкахъ сейчасъ же послѣ римской цифры, всегда передъ жирной арабской, и къ нему относятся всѣ слѣдующія далѣе схоліи, пока не встрѣтятся или другое правило или указаніе на другое мѣсто того же правила;

5) если мнѣ самому не удалось списать весь текстъ схоліи, то или указывается посторонній источникъ его, или онъ берется изъ другой р-си, или, наконецъ, просто дѣлается ссылка на существующее уже изданіе; если же не удалось отмѣтить варианты, то при соотвѣтствующей римской буквѣ за текстомъ ставится справа звѣздочка;

6) мои собственныя вставки поставлены въ скобкахъ ()

Забываясь объ исправности текста, я ни одной р-си не прочелъ менѣе двухъ разъ, а особенно трудную V пришлось даже восемь разъ свѣрять. Нѣкоторую помощь оказали и существующія уже

изданія текста отдѣльныхъ схолій; вводитъ же эти изданія и въ критическій аппаратъ не представлялось ни безопаснымъ въ виду указанныхъ въ началѣ особенностей ихъ, ни необходимымъ въ виду скромной цѣли моего собственнаго изданія.

Глубокоуважаемый А. И. Пападопуло-Керамевсъ очень внимательно просмотрѣлъ корректуру всѣхъ листовъ и провѣрилъ сомнительныя мѣста по Р и V; но, конечно, единственнымъ отвѣтственнымъ лицомъ за всѣ вообще несправности работы остаюсь я самъ.

Κὼς Ἐκ τῶν διατάξεων.

III. 1. V Ὅμοιον τῷ προκειμένῳ, διόπερ οὐδὲ ἐκεῖνο ὡς οὐδὲ τοῦτο ἐγκριτέον.

XII. 2. V (къ ἀρχόντων καὶ βασιλέων κρείτους εἰσὶν οἱ 5 ἱερεῖς). Οἱ τῷ ὄντι ἱερεῖς, ἀλλ' οὐχ ἡμεῖς οἱ μέχρι ψιλῆς προσηγορίας.

XXIII. 3. V (къ χειροθειεῖν) Ὑπουργεῖν τῇ χειροτονίᾳ τῶν πρεσβυτέρων καὶ διακόνων, ἢ τὸ τοὺς πιστοὺς σφραγίζεῖν βαπτίζεῖν τε καὶ ἀγιάζεῖν.

Κὼς Ἀποστολικῶν правилῶν.

10 I. 4. I Ζήτει τῶν ἐν Νικαίᾳ κανόνα δ', τῶν ἐν Ἀντιοχείᾳ κανόνα ιθ', τῶν ἐν Λαοδικείᾳ ιβ', τῶν ἐν Καρθαγένῃ μθ'.

III. 5. V (къ χιθρῶν) Χιθρα¹ πάντα τὰ νεαρά ὄσπρια καὶ τῶν 15 σιτανίων καρπῶν διαφέροντα ὑπὸ τοὺς σιτανίους δὲ τελοῦσι καρπὸς κριθαί τε καὶ ζεαί. διάφορος δὲ καὶ ἡ ζεαί. Ζεαὶ γὰρ καὶ τὸ γυμνόκριθον²

ὀνομαζόμενον καὶ ἡ σίκαλις οὐ πολλοῖς ἐκφωνουμένη. ὑπὸ τοὺς σιτανίους καὶ ἡ ὄλυρα, ἣν καὶ βρόμον φασί, καὶ ἡ ὄρυζα καὶ ὁ ἔλυμος. L.

V. 6. V Μὴ ἐκβάλλειν μὲν ἐπετράπη, χρῆσθαι δὲ ἐπισκόποις 20 μὲν οὐδ' ὄλως μεθεῖται, πρεσβυτέροις δὲ καὶ διακόνοις συγκεχώρηται μὲν, οὐ μὴν γε κατὰ ἀφειμένον καὶ ἀδεές. L.

XII. 7^a. V Συστατικὰ γράμματα, ἃ φασιν ἀπολυτικά, συσιτῶντα αὐτῷ ἀπρόσσκοπον τὴν ἱερωσύνην· τί δὲ συστατικὰ εἰρηλικῶν διαφέρει, εἰρήσεται³ ὅτε καιρός. L.

7^b. Ven. Συστατικὰ γράμματα εἰσί, ἃ καὶ ἀπολυτικά λέγεται, τὰ συσιτῶντα αὐτὴν τὴν ἱερωσύνην ἀπρόσσκοπον.

¹ χιθρὰ VL. ² γυμνωθὲν κριθόν. L. ³ εἰρησοί L.

XVII. 8. Ven. Ζήτηι τῆς ἐν Νεοκαισαρείᾳ συνόδου κανόνα ζ', τῆς ἐν Λαοδικείᾳ κανόνα α', τῆς ζ' κανόνα γ', τοῦ μεγάλου Βασιλείου κανόνα δ' καὶ ιη' καὶ νγ'.

XX. 9. V Διττόν τὸ τῆς ἐγγύης πράγμα· λέγεται γὰρ ἐγγύη καὶ ¹ τὸ ἀπὸ τινός τινα οἰκειώσασθαι ² καὶ ἀναλαβεῖν ³ τοῦ μὴ ⁵ ἀποδρᾶναι ⁴ χάριν, εἰς δ' ⁵ πάλιν ἀποδοθῆ τῷ παραθεμένῳ ὑπὸ τοῦ ἀναλαβομένου· ⁶ δ' γίνεται ἐπὶ ὑποπτον ἢ τὸ ἐκδιδόμενον πρόσωπον καθ' οὗ ἡ ἐγγύη. λέγεται καὶ ἄλλως πάλιν ἐγγύη τὸ πρὸς συνθήκην τινὰ καὶ ὁμολογίαν κατακλείειν ⁷, ὡς εἰ τόδε ⁸ ἀπάντησαι τόδε τι πάσχειν, ὡσπερ εἰ τις διατείνοιτο, εἰ ὕσει εἰς αὔριον τοῦδὲ τίνος ⁹ ἀξιοῦσθαι. τὴν μὲν οὖν πρώτην ἐγγύην οὐ μόνον οὐκ ἀπόβλητον ἀλλὰ καὶ ἐπαινετὴν ἴσμεν καὶ τοῖς σπουδαιστόταις ¹⁰ τῶν πατέρων ἐν λόγῳ· τί γὰρ ¹¹ σπουδαιότερον τοῦ τὴν ψυχὴν ὑπὲρ τῶν ὁμογενῶν καὶ φυλετῶν θεῖναι; τὴν δὲ ἐτέραν ¹² τῶν σφαλερῶν ἄγαν καὶ ἀποβλήτων καὶ πρὸς οὐδὲν ἕτερον ἢ πρὸς ἀποκλήρωσιν καὶ τύχην καὶ (τὸ τούτων αἵσιστον) ¹⁵ μαντεῖαν ἀποκλίνουσαν, ὃ καὶ βλαβερώτατον πάντῃ ¹³ καθέστηκεν. τί γὰρ εἰ πονηρῶ δαίμονι συνεργούμενον τὸ ἐγγυηθῆν οὕτως ἐπισυμβαίη βλάβης ἕνεκεν τῶν ἐγγυωμένων; τοῦτο ¹⁴ ἀπαγορεύει ἡ παροῦσα ἱερὰ διάταξις ὡς σφαλερὸν καὶ μᾶλλον ἐθνικῇ κληθόνι ἀνήκον, οὐχὶ χριστιανικῇ ¹⁵ εὐσεβείᾳ. δεικνυσι τὸ τοῦ ἔργου θεομισῆς ὁ κριτής· Ἰερφάε ²⁰ καὶ τὸ κατ' αὐτὸν ἐπὶ τῇ φιλάτῃ πάθος, ὅπερ εἰ καὶ μὴ τίνος πρὸς ἐγγύην βιαζομένου ¹⁶, ἀλλ' οὖν τὸ ¹⁷ πρὸς τὴν αὐτοῦ γνώμην κατεγγυηθῆν ἐπὶ τοῦτο πρὸς βίβη κακοῦ, ὡς καὶ τοῖς ἄλλοις φυλάξασθαι τοῖς μετέπειτα πολὺν λόγον παρασχέιν. L Ven.

10. Ven. Ἐν τῇ δ' πράξει ¹⁸ τῶν ἐν Χαλκηδόνι ¹⁹ πραχθέντων καὶ ²⁵ ἡ ἀγία σύνοδος καὶ οἱ συνεδρεύοντες αὐτοῖς ²⁰ ἐνόμοσαν αὐτοῖς ἄρχοντες διελάλησαν τοὺς Αἰγυπτίους ἐπισκόπους ἐγγύας προσεδρίας παρασχεῖν, ἢ τούτων ἀποροῦντας ²¹ ἐξωμοσίᾳ ²² καταπιστευθῆναι. ὅσα μένοι ²³

¹ καὶ προπ. Ven. ² οἰκειώσας L. ³ ἀναλαβῶν L. ⁴ ἀποδρᾶν L; ἀποδρᾶσι Ven. ⁵ ἵνα Ven. (BM. εἰς δ'). ⁶ ἀναλαβανόμενου L. ⁷ in m. τοῦ προφήτου Νασοῦμ Ven. ⁸ τόδε τι Ven. ⁹ τόδε τίνος L. ¹⁰ παλαιστόταις Ven. ¹¹ γὰρ καὶ Ven. ¹² δευτέραν Ven. ¹³ πάντων L. ¹⁴ τοῦτο οὖν Ven. ¹⁵ χριστιανῶν L Ven. ¹⁶ ἐβιαζομένου Ven. ¹⁷ τὸ προπ. Ven. ¹⁸ Ὁ ἐν τῇ διαπραξίᾳ L. ¹⁹ Καλκηδόνι Ath. ²⁰ αὐτὴν Ath.; αὐτὴ L. ²¹ передъ ἀποροῦντας L BMSKOB. что-то. ²² ἐξωμοσίᾳ P L. ²³ τοῖς βставл. L.

πολιτικοῖς νόμοις ¹ περὶ τούτου εἴρηται, εὐρήσεις ² ἐν λδ' κεφ. τοῦ θ' τίτλου ³ τοῦ παρόντος βιβλίου. ⁴ P Ath. V₁ L.

XXII. 11. V Ἀκρωτηριάσαι νῦν τὸ τὴν αἰδῶ ἀποτεμεῖν. L.

XXV. 12. V Ὅτι ἀφορισμὸς ⁵ καὶ τὸ ἐν ἐπιτιμίῳ γενέσθαι ⁵ τοῖς ἐκβάλλουσι τῶν θείων περιβόλων καὶ πρὸς τὴν τῶν μετανοούντων καθιστώσι χώραν. L Ven.

13. Ven. Ἰδοὺ ἐνταῦθα κωλύει κατ' αὐτὸν ⁶ ἀφορίζεσθαι τινὰ καὶ καθαιρεῖσθαι. τὸ αὐτὸ λέγει καὶ ὁ ἅγιος Βασίλειος ἐν τῷ γ' καὶ κ' ⁷ καὶ λβ' αὐτοῦ κανόνι. ⁸ Ath. V₁ L.

10 XXVII. 14. Ven. Ζήτηι τὸ κς' κεφ. τοῦ θ' τίτλου.

15 15. V Εἰς ἑαυτὸν ⁹ δηλονότι ἀμαρτάνοντας καὶ τὴν εἰς ἑαυτὸν ἐκδίχησιν φόβῳ τοῦ ¹⁰ μὴ καὶ ἐτέρους τὰ ὅμοια εἰς αὐτὸν πλημμελεῖν προδιοριζόμενον· ὃ καὶ ὑπεναντίον τῷ νόμῳ τῷ κελεύοντι ¹¹ παρέχειν καὶ τὴν λοιπὴν σιαγόνα τούτῳ, ὅς ἐξ αὐθαδείας ἡμῖν κατὰ κόβρης ¹² ἦγεγκεν ἀκατασχέτῳ θυμῷ τὴν πληγὴν· οὗτος ¹³ ἔνοχος τῷ νῦν ¹⁴ ἱερῷ νόμῳ, ¹⁵ ἀλλ' οὐκ ἐκεῖνος, ὅς τὸν εἰς ἱερὰ παρανομοῦντα σώφρονι μάστιγι καλῶς γε ποιῶν σωφρονίζει, ἔχων τε τὸν κύριον αὐτὸν ¹⁶ σύμφωνον τῷ ἔργῳ, ὀπηνίκα τῷ ἐκ σχολίου φραγελλίῳ ¹⁷ τοὺς ἱεροκαπήλους ἀπήλασεν τοῦ νομικοῦ ἱεροῦ, καὶ τὸν ἐπιστρέφειν τοῖς φοβουμένοις ¹⁸ τὸν κύριον καὶ φυλάσσειν αὐτοῦ τὰ μαρτύρια προσευχόμενον ¹⁹. καὶ δὴ καὶ αὐτοὺς τοὺς ἐκκλησιαστικούς νομοφύλακας, οὓς ἐκδικούς καλοῦσιν ²⁰, ἄνωθεν ἐκ πατέρων ἐκδικεῖν τὰ τοιαῦτα τεταγμένους. L Ven.

XXIX. 16. Ven. Ἰδοὺ ἐνταῦθα δύο ἐπιτίμια ἐπήγαγε τῆς καθαιρέσεως καὶ τῆς ἀκοινωνησίας. ²¹ P Ath.

25 17. V Ὅση κατὰ τῶν τοιούτων αὐστηρία· καίτοι γε ἀλλαχοῦ “οὐκ ἐκδικήσεις δις ἐπὶ τὸ αὐτὸ” ἐπέσκηψαν ²².

¹ νόμοις προπ. L. ² ἡ ῥήσις L P. ³ τοῦ θ' τίτλου προπ. L. ⁴ τοῦ θ'... βιβλίου προπ. V₁. ⁵ ἐστὶ βставл. Ven. ⁶ καὶ κατ' αὐτῶν Ath.; κατὰ τούτων L. ⁷ λς' V₁ (BM. γ' καὶ κ'). ⁸ καὶ λβ' αὐτοῦ κανόνι L (BM. ἐν τῷ γ'... κανόνι). ⁹ Ven. αὐτόν. ¹⁰ Ven. ἀμαρτάνοντας, οὓς καὶ τύπτει διὰ τοῦ ἐντεῦθεν φόβου τὸ. ¹¹ Ven. προδιοριζόμενος ὑπεναντία ποιῶν τῷ κελεύοντι νόμῳ. ¹² Ven. βставл. ληφθεῖς. ¹³ Ven. ὁ τοιοῦτος οὖν. ¹⁴ L ναφ (BM. νν); Ven. προπ. νν. ¹⁵ Ven. в тавл. τούτῳ. ¹⁶ Ven. ἔχων αὐτόν τε τὸν κύριον. ¹⁷ Ven. φραγελλίῳ. ¹⁸ Ven. γινώσκουσιν. ¹⁹ ψαλομъ CXVIII 79. ²⁰ Ven. λέγουσιν. ²¹ ἀκοινωνίας Ath. ²² сравн. Апост. 25.

XXX. 18. Ath. Ἰδοὺ¹ ἐνταῦθα δύο² ἐπιτίμια³ ἐπήγαγεν, τὸν⁴ ἀφορισμὸν καὶ καθαίρεσιν.⁵ P V₁ L.

XXXI. 19. V Ὡς ὃ γε κατεγνωκῶς ἀθῶος καὶ ἄξιος ἐπαίνου. L.

XXXIII. 20^a. Ven. Συστατικὴ ἐπιστολὴ ἐστὶν ἡ κινήθεισῶν τινῶν κατηγοριῶν καὶ εἰς συκοφαντίαν ἀπελεγχθεισῶν τὸ ἀνεπιλήπτον τοῦ ἐπιφερομένου προσμαρτυροῦσα. εἰρηνικὴ δὲ ἐστὶν ἡ ἀνευ σκανδάλου τινὸς τοῦ ἐπικομιζομένου ἐγχειριζομένη ὑπὸ τοῦ προέχοντος πρὸς τινὰς ἀποφέρεσθαι.

(20^b. V κτ̄ Антиох. 7).

21. V Ὅτι οὐδὲ τοῖς αἰρετικοῖς τὰ ξενοδόχα⁶ ἢ ἀποστολικὴ ἀποκλείει φιλανθρωπία σπλάγγνα.¹⁰

XXXIV. 22. P Ὅτι ἕκαστος ἐπίσκοπος τὰ ἐπιβάλλοντα ἑαυτῷ⁷ ποιεῖ⁸ ἐν τῇ ἐπαρχίᾳ αὐτοῦ. Ath. V₁ L.

23. P (κτ̄ ὁ πατήρ) ὁ θεὸς διὰ κυρίου ἐν ἀγίῳ πνεύματι. Ath.

XXXV. 24. V₁ Καὶ τῶν ἐν Ἀντιοχείᾳ ἰγ' καὶ κβ'.

XXXVI. 25. V Οἷοι οἱ κληρικοί διδακτικοὶ ὀφείλουσιν εἶναι. L.¹⁵

XXXVII (κτ̄ ὑπερβερειαίου δωδεκάτη). 26. V₁ Τοῦτο ἡρμήνευσεν ὁ κ' κανὼν τῶν ἐν Ἀντιοχείᾳ οὕτως: "εἰδοῖς ὀκτωβρίαις, ἦτις ἐστὶ δεκάτη ὑπερβερειαίου". καὶ ὁ μα' τὰ ὅμοια καὶ τῶν ἐν Ἀντιοχείᾳ ὁ κδ' καὶ ὁ κε'. (изъ Pitra I 39).

27. V Τοῦτέστιν κατὰ Ῥωμαίους ὀκτωβρίῳ ἐννάτῃ.²⁰

XXXVIII. 28. V Ἀργὸς οὗτος σήμερον ὁ ἱερὸς νόμος. L.

XLI. 29. V Ἀναγκαῖαι χρεῖαι⁹ διατροφαὶ καὶ ἐνδύματα, ὡς καὶ ὁ μακάριος φησι Παῦλος: "ἔχοντες διατροφὰς καὶ σκεπάσματα τούτοις ἀρκεσθησόμεθα"¹⁰. L Ven.

XLVII. 30. Ven. "Ἄνωθεν"¹¹ ἀντὶ τοῦ ἐξ ἀρχῆς καὶ κατὰ τὸ ὀλόκληρον¹². τοῦτο δὲ λέγει, ἐπειδὴ¹³ τινες τῶν ἀπὸ¹⁴ αἱρέσεων ἐπι-στρεφόντων βαπτίζονται μὲν οὐχὶ τελείως, μυρίζονται δέ, ὡς¹⁵ καὶ τοῦ θεοῦ μυρισμοῦ μέρους ὄντος τοῦ¹⁶ βαπτίσματος. μὴ βουλόμενος

¹ καὶ вставл. P. ² καὶ V₁. ³ конца со слова ἐπήγαγεν вт̄ L нѣтъ. ⁴ ἐπάγει καὶ P (вм. ἐπήγαγεν τόν). ⁵ καὶ καθαίρεσιν проп. P; καὶ τὴν καθαίρεσιν καὶ τῆς κοινωνίας V₁ (вм. ἐπήγαγεν... καθαίρεσιν). ⁶ cod. ξεδόχα. ⁷ αὐτῷ Ath. ⁸ ἕκαστον ἐπίσκοπον... ποιεῖν V₁. ⁹ Ἀναγκαῖαι χρεῖαι Ven. ¹⁰ Ven. добавл. ἐν τῷ τέλει τῆς πρὸς Τιμόθεον α' (= I Тимоѳ. VI 8). ¹¹ Ἄνωθεν проп. VL. ¹² καὶ κατὰ τὸ ὀλόκληρον проп. VL. ¹³ ἐπεὶ VL. ¹⁴ ἀπὸ проп. L. ¹⁵ οὗν вставл. VL. ¹⁶ τοῦ проп. VL

οὗν ὁ κανὼν¹ ὑπὸ ἔγκλημα κείσθαι τὸν ἢ ὀρθῶς μὲν βαπτισθέντα. διὰ τινὰ δὲ περιπέτειαν τῷ θεῷ αὐτὸς ἀγιαζόμενον² μυρισμῷ, ἢ καὶ τὸ ἀτελὲς τῶν βεβαπτικῶτων βάπτισμα διὰ τούτου τελειούμενον, προστίθῃσι τὸ "ἄνωθεν". LV.

5 XLVIII. 31. V Οὐ τὸν ἐκβαλόντα τὴν ἑαυτοῦ κωλύει τὴν ἀπολελυμένην ἀναλαβεῖν, ὡσπερ καὶ τὸν ἄλλην, ἀλλὰ πάντα τὸν ἀπολελυμένην εἰσοικιζόμενον κωλύει: ὁ γὰρ ἀπολελυμένην γαμήσας, ὁ κύριός φησι, μοιχᾶται.

L. 32^a. V "Μιᾶς μυσσεως" ἀντὶ τοῦ τρεῖς καταδύσεις ἐν ἐνὶ βαπτίσματι, ἐπιφημιζοντα ἐκάστη καταδύσει ἐν τῶν τῆς ἁγίας τριάδος προσώπων, πατρὸς υἱοῦ καὶ πνεύματος ἁγίου.

32^b. Ven. Τρία βαπτίσματα ἀντὶ τοῦ τρεῖς καταδύσεις³. V₁ P.

33^a. Ven. Ἐως ὧδε κρατεῖ ἡ τοῦ θεοῦ ἐκκλησία.

33^b. V₁ Ἐως ὧδε ἡ Ῥωμαίων κρατεῖ ἐκκλησία. P.

15 LI. 34. V Καὶ ἐνταῦθα πολλὴ ἀποτομία.

LII. 35. V Ἀληθῆς ἐπιστροφή ἢ τοῦ κακοῦ ἀπαλλοτρίωσις καὶ τοῦ πάθους ἀπαλλαγὴ, ὡς ὃ γε μὴ οὕτως οὔτε ἀπὸ ἀμαρτίας ἐπι-στρέφει, οὔτε δεκτέος.

LIII. 36. P (κτ̄ κεκαυτηριασμένος) Μὴ ἔχων ὑγιῆ τὴν συνειδήσιν.

20 LV. 37. V Ἐξ αὐθαδεῖας δηλονότι καὶ ἀλαζονείας, ἀλλ' οὐκ ἄξια ὕψεως ὀράσαντα⁴ Ven.

LVIII. 38. V Παιδεύσει δὲ ἦτοι ράβδῳ ἢ ἀγάπῃ ἢ γάρ τοι παιδεία διττὴ.

LIX. 39. V Εἰ δὲ μὴ μόνον οὐκ ἐπιχορηγῆ, ἀλλὰ καὶ τὰ πρὸς τὸ ζῆν αὐτὸν ἐφόδια ἀποστερῆ, τί ἂν πάθοι;

25 LXV. 40. V Πολλὴ κἀνταῦθα ἀστηρία.

LXVI. 41. Ven. Εἰ δὲ μὴ φονεῦση κρούσας, τί, καὶ μάλιστα εἰ μὴδὲ ἅπαξ ἀλλὰ πολλάκις κρούσει, τοῦ κζ' κανόνος τὸν καὶ ἀπλῶς τύπτοντα, κἂν μὴ πατάξῃ, καθαιρουντος; ἐστὶν οὖν εἶπεῖν, ὡς οὐκ ἐναντιοῦνται: ἄλλο γὰρ τὸ ἐκόντα καὶ σὺν αὐθαδεῖα τύπτειν, καὶ ἄλλο τὸ μάχη συντυχόντα καὶ ἐκ περιστάσεως, ἢ καὶ ἀμυνόμενον, εἰς τὸ πολ-
 λάκις κρούσαι συνενεχθῆναι.

¹ δὲ VL (вм. οὗν ὁ κανὼν). ² ἀνακαινιζόμενον VL (вм. αὐτὸς ἀγιαζ.). ³ ἐκάστη καταδύσει ἐνὸς τῶν τῆς τριάδος προσώπων ἐπιφημιζομένου друг. рук добавл. P. ⁴ πράξαντα Ven.

LXVIII. 42^a. Ven. "Οτι παρὰ τῶν αἰρετικῶν χειροτονηθέντας ἀναχειροτονεῖ οὗτος ὁ κανὼν, τὴν χειροτονίαν αὐτῶν μὴ δεχόμενος.

42^b. L "Οτι τοὺς παρὰ τῶν αἰρετικῶν χειροτονηθέντας ἀναχειροτονεῖ ὁ κανὼν, οὐ μὴν καὶ πάντας ἀναβαπτίζει. ἀλλ' ὅτι οὗς καὶ μύρω χρίει, ζῆται τῆς ζ' συνόδου κανόνα 4ε' καὶ τὸν ζ' τῶν ἐν 5 Κωνσταντινουπόλει.

LXXX. 43. Ven. "Ορα, ποίους λαϊκοὺς ὁ ἀποστολικὸς οὗτος κανὼν οὐ βούλεται παραυτὰ χειροτονεῖσθαι· καὶ σκόπει, ὅτι ὁ μὲν β' τῶν ἐν Νικαίᾳ ἔπεται τούτῳ, ὁ δὲ ι' τῶν ἐν Σαρδικῇ μάχεται οὐ δι' ὄλου, ἀλλὰ μερικῶς, ὅτι μὴδὲ πάντα κωλύει λαϊκόν, ἀλλ' ὠρισμένως πλούσιον καὶ σχολαστι- 10 κοὺς ἀγοραίους.

LXXXI. 44. L "Ο ὀρθὸς λόγος... διαγράφουσι φύσιν. (= Hergenröther, Monumenta ad Photium, 11—12).

VXXXV. 45. V Πρόρρησις ἐναργεστάτη ἢ γάρ τοι παρόρασις τούτων καὶ τῆς μετὰ ἀλλήλων ἀνυποκρίτου συναφείας ἀπεστέρησεν καὶ 15 τοῦ γνωρίσματος τοῦ χριστιανισμοῦ, τῆς ἀγάπης ἠλλοτρίωσεν καὶ πρὸς τὸν βέβηλον τρόπον ἀποδιωθήσατο.

Κτ̄ pravidlamъ Никейскаго (I всел.) собора.

II. 46. V (κτ̄ ψυχικόν η ἀμαρτήμα). Οὐ τὸ πρὸ τοῦ ἁγίου φησὶ βαπτίσματος (λυτικὸν γάρ τοῦτο πάντων τῶν πρώην), ἀλλ' εἰ τῷ πρὸ 20 τοῦ ἁγίου βαπτίσματος πονηρῷ ἐπιτηδεύματι καὶ μετὰ ταῦτα ἐνέχοιτο πονηρᾶ συνηθεία κρατούμενος οἷον εἰ ὕβριστῆς φέρε, ἢ ἀλαζών, ἢ ὀξύθυμος, ἢ τοῖς ἀπὸ γενεᾶς χριστιανοῖς ἐπιγιγνόμενα μέμφιν φέρει καὶ μετρίαν ἐπιτίμησιν, οὐ μέντοι καὶ ἐκβολὴν τῆς ἱερᾶς ἀξίας. καὶ τούτου μάρτυς τοῦ λόγου καὶ Παῦλος ὁ ἱερός, ὃς καθιστᾶν ἐκέλευσεν 25 ἱερεῖς μὴ πλήκτας, μὴ παροίνους, μὴ τέκνα ἀνυπότακτα κεκτημένους· διὰ τοῦτο καὶ οὐδὲ σωματικὸν εἶπεν ἀμαρτήμα, ἀλλὰ ψυχικόν, ὡς τῶν σαρκικῶν ἐκπλυνομένων πάντη, τῶν δὲ ψυχικῶν μὴ βραδίως ἀπαλειφομένων διὰ τε τὸ λανθάνον καὶ τὴν ἐκ βραθυμίας πονηρὰν γνώμην.

47. Ven. Σκόπει ¹ ὅπως τὸ "νεόφυτον" ἢ ἐν Νικαίᾳ σύνοδος 30 ὀρθῶς νοεῖ ² καὶ ἀκολούθως ³ τῷ τῶν ἀποστόλων π' κανόνι, καὶ

¹ Σημείωσαι L1. ² νοεῖ проп. L1. ³ дальше слова до οὐχ ὡς стерлись в L1.

οὐχ ὡς ἡ Ῥωμαϊκὴ ἄνοια καὶ ἀμαθεία ¹ κατὰ τὸν ι' τῆς ἐν Σαρδικῇ κανόνα. L1.

IV. 48. Ven. "Οτι πάντως τρεῖς χειροτονοῦσιν.

49. Ven. "Οτι τὸ κῆρος ² ὁ μητροπολίτης ἔχει. L.

5 V. 50. Ven. Τὸν ιβ' τῶν ἁγίων ἀποστόλων.

51. V "Οτι οὐ δεῖ τὸν ὕψ' ἐτέρου δεσμούμενον ὕψ' ἐτέρου ἀπολύεσθαι· ὁ τρώσας γάρ, κατὰ τὴν θύραθεν παροιμίαν, καὶ λίσεται ³.

52. V "Αν δὲ καὶ ὁ δικαίως ἐκβαλὼν ἐπίσκοπος ὑπερόριος καταστῆ τοῦ ἑαυτοῦ ἐπισκοπείου, ἄρα τῷ εἰς τοσοῦτον ἐπηρεάσαντι 10 ὑπολείπεται συγγνώμη ἀμεταμελήτη μόνον καὶ ἐχομένῳ τῆς πράξεως, δι' ἣν καὶ ἀπελήλαται τῆς τοῦ θεοῦ ἐκκλησίας, ὡς παραβάτης καὶ καταφρονητῆς τῶν ἱερῶν διατάξεων; οἱ δὲ παρ' οὐδὲν θέμενοι ταῦτα, ἀλλὰ καὶ δεξάμενοι καὶ τοῖς θεοῖς σκηνώμασιν ἀδιόρθωτον ἐνοικίσαντες, πόσων σκίπτρων ἀξιοί, πόσης τῆς μελλούσης τιμωρίας.

15 VI. 53. Ven. "Οτι οὐδεὶς χωρὶς γνώμης τοῦ μητροπολίτου γίνεται ἐπίσκοπος.

54. Ven. Πότε ἢ τῶν πολλῶν γνώμη κρατεῖ ἐπὶ χειροτονίᾳ.

55^a. L "Η ρχγ' νεαρὰ λέγει περὶ τοῦ πατριάρχου Ἱεροσολύμων.

55^b. Ven. "Η ρχγ' νεαρὰ πατριάρχην λέγει τὸν Ἱεροσολύ- 20 μων ⁴. V1 Ath.

56. L1 "Οτι κοινὰ λέγει τὰ προνόμια τῶν ἀρχιερατικῶν τριῶν τέως θρόνων δεῖν εἶναι, ἀλλ' οὐκ ἐξαιρέτοις πρεσβείους παρὰ τὸν Ἀλεξανδρείας καὶ Ἀντιοχείας φουσιῶσθαι τὸν Ῥώμης.

VII. 57^a. Ven. Τινὲς ἐνταῦθα λέγουσιν μητρόπολιν ⁵ εἰρῆσθαι ⁶ 25 Καισάρειαν αὕτη ⁷ γάρ χρηματίζει μητρόπολις πρώτη τῆς ⁸ Παλαιστίνης, ἧς ἔστι ⁹ καὶ ἡ ἁγία πόλις· καὶ ἡ νεαρὰ δὲ ¹⁰ διάταξις ¹¹ ἢ περὶ τοῦ ἀνθυπάτου Παλαιστίνης τὴν Καισάρειαν λέγει μητρόπολιν τῆς ¹² Παλαιστίνης. V1 Ath.

30 57^b. L Τινὲς ἐνταῦθα μητρόπολιν λέγουσιν ¹³ εἰρῆσθαι Καισάρειαν τὴν Φιλίππου· αὕτη γάρ χρηματίζει μητρόπολις πρώτη Παλαιστίνης, ἧς ἔστιν

¹ дальше иной конецъ въ L1: καὶ τίνας κωλύει μὴ θά[τ]τον εἰς ἐπισκοπήν ἀνιέναι. ² ἄπαν вставл. L. ³ Corpus paroemiographor. graecor., II 763. ⁴ φησὶ τῶν Ἱεροσολύμων V1; τὸν ἐν Ἱεροσολύμοις Ath. ⁵ μητρόπολιν λέγουσιν V1 Ath. ⁶ αἰρεῖσθαι V1. ⁷ αὕτη Ath. ⁸ τῆς проп. V1; πρώτης Ath. ⁹ ἔστιν ὡς V1. ¹⁰ δὲ проп. Ath. ¹¹ словами καὶ νεαρὰ διάταξις окончив. V1. ¹² πρώτης Ath. ¹³ cod. λέγει.

καὶ ἡ τῆς Αἰλίας πόλις, τουτέστιν ἡ ἀγία τῶν Ἱεροσολύμων πόλις, ἥς λέγει τὸν ἐπίσκοπον τιμᾶσθαι ὡς πατριάρχην, τῇ μητροπόλει σωζομένου τοῦ οἰκείου ἀξιώματος, ὡς μηδὲν ἐντεῦθεν βλαπτομένης τὸ σύνολον. ὡς καὶ ἡ προγεγραμμένη διέξειςι νεαρά.

VIII. 58. Ven. Ἐν τῇ ἀρχῇ σχεδὸν τῶν τῆς ἐν Νικαίᾳ β' συνόδου 5 πρακτικῶν ὁ κανὼν οὗτος ἀνεγνώσθη· καὶ ἐπεὶ ἐζητήθη, πῶς νοητέον τοὺς χειροθετούμενους, Ταράσιος ὁ ἀγιώτατος πατριάρχης εἶπεν, ὅτι ἐπ' εὐλογίας ἐνταῦθα ἡ χειροθεσία λέγεται καὶ οὐκ ἐπὶ χειροτονίας¹.

59. V₁ Ὅτι χειροθετοῦνται² οἱ λεγόμενοι Καθαροί. L₁.

60. V₁ Ὅτι ἀναγκάζονται οἱ Καθαροὶ καὶ διγάμοι κοινωνεῖν 10 καὶ τοῖς ἐν τῷ διωγμῷ παραπεσοῦσιν³.

61. V₁ Ὅτι οὐ δεῖ ἐν μιᾷ πόλει δύο ἐπίσκοπους εἶναι.

62. V Ὅρα, ὅτι οὐ σαφῶς φησὶν ἀναχειροτονεῖσθαι αὐτούς.

X. 63. V (ἐκ οὐ προκρίνει) Ἀντὶ τοῦ οὐ φέρει κατάκριμα.

XI. 64. V (ἐκ οὐ πιστοί) Οὐ γὰρ καὶ οἱ κατηγούμενοι οὕτως. 15

65. V Πάνυ κατάλληλον τῇ νῦν καταστάσει τῶν πραγμάτων.

XII. 66. Ven. Ὡς⁴ οὐκ ἔστιν ὑπερβῆναι βαθμὸν τὸν⁵ ἐν μετανοίᾳ, ἐξ οὗ ἡ ποιότης τοῦ ἀμαρτήματος ἀρχὴν λαβοῦσα ἀφορίζεται τὴν 20 μετάνοιαν τῷ ἡμαρτηκότι. V.

XIII. 67⁶. V₁ Καὶ τοὺς πρὸς τῇ ἐξόδῳ γενομένους τοῦ βίου, εἰ 20 δέονται καὶ ἱκετεύουσιν, ἀφέσεως τυχεῖν, πρὸ ὀφθαλμῶν ἔχοντες εἰς ἣν ἀπίασιν κρίσιν, λογιζόμενοι ἂν πείσονται δεσμῶται καὶ κατάδικοι παραδοθέντες, πιστεύοντες δὲ εἰ λυθεῖεν ἀνεσιν ἔξειν καὶ κουφισμὸν τῆς ἐκεῖ τιμωρίας (ἀληθῆ γὰρ εἶναι καὶ βεβαίαν τὴν εὐδοκίαν τοῦ κυρίου), καὶ τούτους ἐλευθέρους παραπέμπειν, τῆς φιλοπρεποῦς ἐστὶν φιλανθρωπίας. εἰ μέντοι μετὰ τοῦτο ἐπιμένουσιν τῷ βίῳ, δεσμεύειν μὲν αὐτίς 25 καὶ ἐπαχθίσειν⁷ ταῖς ἀμαρτίαις οὐκ ἀκόλουθόν μοι φαίνεται· τοὺς γὰρ ἅπαξ ἀφειμένους καὶ τῷ θεῷ συνστάντας καὶ πάλιν τῆς θείας χάριτος κοινωνοὺς ἀποφανθέντας καὶ ὡς ἐλευθέρους πρὸς τὸν κύριον ἀπεσταλμένους, μηδενὸς ἐν τῷ μεταξὺ ὑπ' αὐτῶν ἐτέρως γενομένου⁸, πάλιν ἀνθυπάγειν τοῖς ἀμαρτήμασιν ἀλογώτατον. εἴτα τῷ μὲν θεῷ τῆς ἡμε- 30

¹ Ник. II собора дѣяніе I (Coll. Reg. XIX 76, 77). ² χειροτονοῦνται L₁.
³ cod. τοὺς.. παραπεσόντας. ⁴ Σημειωτέον ὡς V. ⁵ βαθμὸν ὑπερβῆναι τῶν V. ⁶ сравн. прелѣдованія стр. 290. ⁷ cod. ἐπαχθίζει. ⁸ cod. γενομένους.

τέρας κρίσεως ἄρους δώσομεν φυλαχθησομένους ὑπ' αὐτοῦ, ἑαυτοῖς δὲ τούτους οὐ τηρήσομεν, κατεπαγγελόμενοι μὲν τὴν χρηστότητα τοῦ κυρίου, ἀφαιρούμενοι δὲ τὴν ἑαυτῶν. εἰ μέντοι φαίνονται τις μετὰ τὸ ράϊσαι πλείονος ἐπιστροφῆς δεόμενος, ἐκοντὶ συμβουλευόμεν ταπεινοῦν καὶ κακοῦν 5 (καὶ) συστέλλειν ἑαυτόν, εἰς τε τὸ ἑαυτῷ συμφέρον ἀφορῶντα καὶ τὸ πρὸς τοὺς λοιποὺς εὐπρεπὲς καὶ πρὸς τοὺς ἔξωθεν τὸ ἀνεπίληπτον καὶ πειθόμενος μὲν ὀνήσεται, εἰ δὲ ἀπειθοίη καὶ ἀντιλέγοι, τότε δὴ τούτῳ ἔγκλημα ἔσται πρὸς ἀφορισμὸν δεύτερον.

68. V₁ (ἐκ μετὰ δοκιμασίας) Δοκιμασίαν¹ λέγει τὴν δεδο- 10 μένην τοῖς ἱερεῦσι τοῦ δεσμεῖν καὶ λύειν² ἐξουσίαν. Ven.

69. Ven. (ἐκ κοηцу) Ἄχρῖς ἂν πληρωθῆ ὁ ὀριθεὶς ὑπὸ τῆς 20 μεγάλης συνόδου χρόνος.

XIV. 70. V Οὐδὲ τοὺς κατηγούμενους ἀμαρτάνοντας ἀνεπιτιμήτους ἑᾶν ἐδοκίμασαν, καίτοι τοῦ ἀγίου βαπτίσματος ἱκανοῦ πάντα ῥύπον φυγι- 15 κὸν ἀποπλύναι· ἀλλ' ὅμως ἐπεὶ τοῖς χριστιανοῖς ἐνηριθμῆθησαν καὶ πρὸς τὴν οὐράνιον τάξιν ἐπολιτογραφῆθησαν, οὐκ ἀπολύτῳ τῷ βίῳ ἐδόκει καὶ πρὸ τῆς εἰσόδου τοῦ νομφώνος διαβιοῦν, οὐδὲ συνηθείᾳ πονηρᾷ τῷ μετὰ ταῦτα εὐεφόδους λυμαίνεσθαι ἐπαγγέλματι. χαλεπὸν γὰρ συνηθεία ἐμπαθῆς εἰς ἀνατροπήν, οὐχ ἦττον ἢ ποταμῷ βία ἐξ ὑπερδεξίου πολλῶν 20 τῷ ῥεύματι ἐφορμώντος καὶ κατακλύζοντος. ἄλλως τε δὲ καὶ εἰ κατηγούμενοι, ἀλλ' οὐκ ἐπὶ τῷ προκειμένῳ ἀμαρτήματι (ἄρνησις γὰρ καὶ οὗ ἔλαβον ἀρραβῶνος τῆς πίστεως ἀποβολὴ καὶ ἀθέτησις) καὶ τῷ πολιτικῷ νόμῳ προέχονται, ὅς ἐν τοῖς συμβολαίοις μέγα τὸν ἀρραβῶνα πρὸς τὴν ἐξῆς ἠγούμενος πράξειν οὐκ ἀτίμητον ζημίαν ἔῃ τὸν πρὸς 25 ἀθέτησιν ἀπιδόντα τοῦ συναλλάγματος μετὰ τὴν τοῦ ἀρραβῶνος ἐπίδοσιν.

XV. 71. Ven. Οὗτος παντελῶς ἀναρρεῖ τὰς μεταθέσεις οὐ τῶν ἐπισκόπων μόνον, ἀλλὰ καὶ τῶν πρεσβυτέρων καὶ διακόνων, ὅπερ οὐδ' ὄλως φυλάττεται· ὁ δὲ τῆς ἐν Σαρδικῇ α' κανὼν, ἀποσιωπήσας πρεσβυτέρους καὶ διακόνους, τῶν ἐπισκόπων οὐ μόνον παντελῶς εἵργει τὴν 30 μετάθεσιν, ἀλλὰ καὶ ἀκοινωνησίᾳ τούτους ὑποβάλλει· ἀποτρέπει δὲ τοῦτο προβαίνειν καὶ ὁ κα' κανὼν τῆς ἐν Ἀντιοχείᾳ.

XVI. 72. V₁ Ὁ ἀναχωρῶν τῆς ἰδίας ἐκκλησίας ἢ οἰκείως ἢ ὕφ' 30 ἑτέρου ἀναστατούμενος ἢ αἰκοθεν κινούμενος ἀναχωρεῖ.

¹ Εὐδοκίαν Ven.

² λύειν καὶ δεσμεῖν Ven.

73. V Περὶ τοῦ μὴ ἄνευ γνώμης τοῦ ἐπισκόπου, ὅφ' ὄν τις προετέτακτο κληρικός, ἐξεῖναι ἐτέρω ἐπισκόπῳ χειροτονεῖν τοῦτον, ὡς ἄξιος ἱεροῦ τάγματος ἔδοκιμάσθη μὲν, οὐχ ὑπὸ τὴν ἐξουσίαν δὲ τοῦ αὐτὸν δεδοκιμαχότος τελεῖ.

XVII. **74.** Ven. (κβ ἐκ μεταχειρίσεως) Ἡ αὐτὸς δι' ἑαυτοῦ τοκίζων ἢ ¹ ἐτέρω ὑποτιθέμενος τὸ ἀργύριον αὐτοῦ τοκίζειν, ὡς ἂν μὴ αὐτὸς διαγιγνώσκοντο τοῦτο ποιῶν. V.

75. V Κάνταῦθα αὐστηρία πολλή.

XVIII. **76.** Ven. Ὁ ὀκτωκαιδέκατος κανὼν τοὺς διακόνους κωλύει διδόναι τοῖς πρεσβυτέροις κοινωνίαν καὶ πρὸ τῶν ἐπισκόπων ἄπτεσθαι ¹⁰ τῆς εὐχαριστίας ², καὶ πῶς δεῖ μεταλαμβάνειν αὐτοὺς καὶ μὴ καθῆσθαι μεταξύ τῶν πρεσβυτέρων. V₁ Ath.

77. V Σημεῖωσαι τὸ μὴ μεταξύ πρεσβυτέρων καθῆσθαι διάκονον.

XIX. **78.** Ven. Περὶ τῶν ἐξ αἰρέσεων μετελθουσῶν ³ διαλέγεται ὁ παρῶν κανὼν, καὶ λέγει μὴ σχεῖν ⁴ αὐτὰς χειροτονίαν. V₁. ¹⁵

(κβ διακομισσῶν τῶν ἐν τῷ σχήματι ἐξετασθεισῶν) **79.** V Τῶν διακομισσῶν, οὐ μέντοι καὶ χειροθεσίας ἀξιωθεισῶν.

80. V Οὐ τῶν ἐχουσῶν χειροθεσίαν, ἀλλ' οὕτω λεγομένων. ὡσπερ καὶ νῦν διὸ καὶ ἠκριβολογήσατο.

Кβ правиламъ Анкирскаго собора.

I. **81.** Ven. (κβ ὁμιλεῖν) Λόγους διδασκαλίας ποιεῖσθαι τῷ λαῷ πῶς γὰρ ἂν ἐτέροις ὑπόθιντο ⁵ τὰ βέλτιστα, αὐτοὶ παρασφαλέντες τοῦ κρείττονος; V.

IV (= V ὀβυχн. сч.). **82.** V (κβ κοινωνησάτωσαν χωρὶς προσφορᾶς) Σκόπει, ὅτι ⁶ τὴν κοινωνίαν οὐ τὸ μετασχεῖν τοῦ ἀγαθοῦ ²⁵ φησιν, ἀλλὰ τὸ τοῖς πιστοῖς συνίστασθαι ⁷. Ven.

V (= VI ὀβυχн. сч.). **83.** V (κβ μετὰ ἡν μεγάλην ἡμέραν) Ἡτοι τὴν τοῦ κυρίου ἀναστάσιμον, λέγω δὴ τὸ ἄγιον πάσχα, ἢ τὴν κυρίαν ⁸ ἡμέραν τῆς συνόδου, καθ' ἣν καὶ πέρασ λαμβάνει ⁹ τὰ διοικηθέντα. Ven. ³⁰

¹ Ἡ αὐτὸς δι' ἑαυτοῦ τοκίζων ἢ προπ. V. ² κοινωνίας V₁. ³ Περὶ τῶν αἰρέσεων V₁. ⁴ ἔχειν. V₁. ⁵ πῶς γὰρ ἐτέροις ὑποθόινεν V. ⁶ ὡς Ven. ⁷ συστῆναι Ven. ⁸ κυριακὴν Ven. ⁹ καὶ ἐμμελεν πέρασ λαβεῖν Ven.

IX (= X ὀβυχн. сч.). **84.** V Περὶ διακόνων μετὰ τὴν χειροτονίαν γημάντων.

X. **85^a.** Ven. Δοκεῖ μάχεσθαι οὗτος ὁ κανὼν τῷ κς' τῶν ἀποστόλων τάχα δὲ οὐ μάχεται· οὗτος μὲν γὰρ περίστασιν εἰσάγει τὴν περὶ τὴν ⁵ κατάστασιν, ἐκεῖνος δὲ ἀπεριστάτως ὀρίζει. ὁ δὲ τῆς ε' συνόδου ε' ἀντίκειται φανερά.

85^b. L₁ Ὅς ¹ δοκεῖ τοῖς ἀποστολικαῖς ἐναντιοῦσθαι κανόσιν ἢ οὐχί; περίστασιν γὰρ οὗτος τὴν περὶ τὴν κατάστασιν εἰσάγει, ὁ δὲ ἀπεριστάτως ὀρίζει, εἰ μέντοι καὶ ἀντίκειται (ἢ ε') σύνοδος.

XII. **86.** L₁ Τί λέγει· εἰ μετ' ἐπιτροπῆς ἔξεστιν αὐτῶν.

XII (= XIII ὀβυχн. сч.). **87.** V Σημεῖωσαι φοβερὸν.

XIII. **88.** Ven. Ζήτε· τῶν ἐν Νεοκαισαρεία κανόνια γ' καὶ τῶν ἐν Λαοδικεῖα κανόνια κζ', ὡς κωλύει γίνεσθαι χωρεπισκόπους.

XIV (= XV ὀβυχн. сч.). **89.** V Ἀπολαβεῖν τὴν τιμὴν δηλονότι τοὺς κακῶς ὠνησαμένους.

XIX. **90.** L₁ Οἱ ἐφεξῆς τῶν ἄλλων συνόδων κανόνες βαρύνουσι τὸν παραπεσόντα τὸ ἐπιτίμιον

XIX (= XX ὀβυχн. сч.). **91.** V Ἐνταῦθα ἡ μοιγὸς ἑπτὰ ἔτεσιν ἐπιτιμᾶται.

XX (= XXI ὀβυχн. сч.). **92.** V Αἰ τὰ φθόρια ποιῶσαι δεκαετία.

93. V (κβ κατὰ τοὺς βαθμοὺς τοὺς ὠρισμένους) Τὸν τοῦ προσκλαίοντος, τοῦ ἀχρωμένου, τοῦ ὑποπίπτοντος, τοῦ συνεστῶτος.

XXI (= XXII ὀβυχн. сч.). **94.** V Ὁ ἐκούσιος φόνος μέχρι τοῦ βίου παντός.

XXII (= XXIII ὀβυχн. сч.). **95.** V Ὁ ἀκούσιος πενταετία.

XXIII (= XXIV ὀβυχн. сч.). **96.** V Οἱ καταμαντευόμενοι πέντε.

XXIV (= XXV ὀβυχн. сч.). **97.** V Εἰς τοὺς συνεστῶτας, ἀλλ' οὐκ εἰς τὴν κοινωνίαν τοῦ ἀγαθοῦ.

Кβ правиламъ Неокесарійскаго собора.

I. **98.** L₁ Τί λέγει τῆς τάξεως μετατιθεσθαι.

III. **99.** V Τοῦτον ἐξηγούμενος τὸν κανόνα ὁ μακαριος Βασίλειος, ὁ τῆς καθ' ἡμᾶς Καισαρείας φωστήρ, ἐν ταῖς πρὸς Ἀμφιλόχιον κανο-

¹ cod. Ὁς.

νικαῖς ἐπιστολαῖς οὕτω φησὶ ¹ περὶ τριγάμων καὶ πολυγάμων, καὶ δείκνυσιν, ὅτι πολυγάμους οἱ πατέρες τοὺς τριγάμους οὐκ ἄλλους φασίν. Ven.

IV. **100.** Ven. Καλῶς εἶπεν “προθῆται”· ἐὰν γὰρ μὴ ² μέχρι φιλήσας προθέσεις ἔσται, ³ ἀλλὰ ⁴ καὶ τὸ σπουδῆς ⁵ ἐχόμενον ἔπραξεν, ὑπόκειται σωφρονισμῶ, καθὼς διαγορεύει ὁ σ’ ⁶ κανὼν τοῦ ἁγίου 5 Βασιλείου. V₁P.

V. **101.** Ven. Κατηγουμένους λέγει πιστους βαπτίζεσθαι μέλλοντας. οὗτο δὲ τούτων εἶδη· οἱ μὲν γὰρ ἄρτι προσέρχονται, διὸ καὶ ὡς ἀτε- 10 λείστεροι μετὰ τὴν ἀκράσιν τῶν Γραφῶν καὶ τῶν Εὐαγγελίων εὐθὺς ἐξίσασιν· οἱ δὲ ἤδη προσῆλθον καὶ γεγόνασιν τελειότεροι τῶν ἄρτι προσ- 10 εργαζομένων, ὅθεν καὶ τὴν ἐπὶ τοῖς κτηγουμένοις εὐχὴν ἀναμένοντες τὸ γόνου κλίνουσιν ἐν ταύτῃ.

102. V Ἐοίσασιν οἱ μακάριοι πατέρες καὶ τοὺς κτηγουμένους διὰ τῶν βαθμῶν ἄγοντες τῶν μετανοούντων οὕτω τῷ πληρώματι τῶν 15 πιστῶν ἀποκαθιστᾶν (ὥσπερ που καὶ Γρηγόριος ὁ μέγας ἐπισημαίνεται φάσκων “ὣως ἔτι κτηγουόμενος εἶ, ἐν προθύροις εἶ τῆς ἐκκλησίας· εἴσω 15 γενέσθαι σε δεῖ, εἰς τὰ ἅγια παρακύψαι” ἧ), ἐπεὶ οὖν τὸ γόνου κλίνειν, ὃ ἐπὶ τὸ ἀπορκιζέσθαι γινόμενον καὶ ἴσον δὴ τῷ προσκλαίειν καὶ εἰσαγω- γικώτερον τοῦ ἀκροῶσθαι. διὰ τοῦτο τὸν μὲν ἀμαρτάνοντα συγγνώμης 20 ἀξιοῖ· ἐπὶ χρόνους ε’, τὸν ἀκροῶμενον δὲ ὡς τελειοτέρας ἤξιωμένον τά- 20 ξεως ἐμβάλλει· οἱ γὰρ γευσάμενοι θεοῦ διὰ τῆς ἀκροάσεως καλῶν ῥη- μάτων καὶ παραπεσόντες ἀσύγγνωστοι κατὰ τὸν μακάριον Παῦλον καὶ 15 θεραπείας ἐπιπονωτάτης δεόμενοι ⁸: “δυνατοὶ γὰρ δυνατῶς ἐτασθήσονται” ⁹. εἰ οὖν οἷα ἔτι κτηγουόμενοι ἀσύγγνωστοι, τί ἂν οἱ πιστοὶ πράξειαν, εἰ 25 συνειδῶσι ἐπὶ τὸ ἄνετον πάντες τοῦ βίου καὶ χοιρῶδες παρακαλοῦνται;

VII. **103.** V Οἱ δὲ τοῖς τετραγάμοις οὐ μόνον συνεσιπῶμενοι. ἀλλὰ καὶ συνευδοκοῦντες πίνος ἄξιοι;

XI. **104.** V Ἄλλὰ νῦν καὶ πεντεκαίδεκα ἐτῶν χειροτονοῦσιν.

XV. **105.** Ven. Οὕτως ὀνομάζει τὴν ἐν ταῖς ἀποστολικαῖς Πράξεσι 30 φερομένην ἐκλογὴν τῶν ζ’ διακόνων. ζῆται τὸν ις’ τῆς ζ’ συνόδου κανόνα.

¹ ἐν τῷ δ’ αὐτοῦ κανόνι φησὶν οὕτως (βμ. ἐν ταῖς πρὸς... φησι) Ven ² ἐν ἄρχῃ (βμ. ἐάν· γὰρ μὴ) PV₁. ³ ἔσται προπ. V₁. ⁴ ἂν γὰρ (но по скобленному) P. ⁵ σπουδῆν V₁. ⁶ σ’ добавл. изъ V₁P. ⁷ S. Gregorii Naz. in sanctum baptsma § XVI (Migne XXXVI 380 A). ⁸ Евр. VI 5—6. ⁹ Премудр. Солон. VI 7.

106. L₁ Ὡς οὐκ ἀκριβώσαντός ἐστι τὸν νοῦν τῶν Πράξεων τὸ οὕτως νοεῖν τοὺς ζ’ διακόνους· διὸ σοφῶς αὐτῶν διορθοῦνται τὴν ἄγνοιαν.

Ἐκ κανόνων Ἀντιόχεια καὶ συνοδῶν.

II. **107.** P (ко второй половине) Περὶ τῶν κοινωνούντων ταῖς 5 ἀκοινωνήτοις.

III. **108.** L₁ Ἀκριβέστερον διείληφεν τῶν ἄλλων.

IV. **109.** Ven. Οὗτος ὁ κανὼν ἐμφαίνει, ὅτι καὶ τὰ ὑπὸ συνόδου κρινόμενα ἀναψηλαφᾶται ὑπὸ ¹ ἐτέρας συνόδου· τὸ ἐναντίον δὲ κεῖται ἐν τῷ ιε’ κανόνι ταύτης τῆς συνόδου ². P.

10 VI. **110.** V Χρειῶδες τοῦτο τῇ νῦν τῶν μελαγχολησάντων εὐπληξία.

VII. **20^b.** V Εἰρηνική ἐστὶν ἐπιστολή ἢ ἄνευ τινὸς σκανδάλου τοῦ ἐπικομιζομένου ἐγχειριζομένη ὑπὸ τοῦ προέχοντος πρὸς τινὰ ἀπο- 15 φέρεσθαι· συστατικὴ δὲ ἢ κινήθεισών τινων κατηγοριῶν καὶ εἰς συκοφαν- τίαν ἀπελεγθεισῶν τὸ ἀνεπίληπτον τῷ ἐπιφερομένῳ προσμαρτυροῦσα.

VIII. **111.** V (кв̄ ειρηνικὰς) Ἄς καὶ ἀπολυτικῆ φασιν.

15 IX. **112.** P Ὅτι ὁ κανὼν οὗτος ἀπαραλλάκτος ἐστὶ τῷ ἔκτῳ τῶν ἐν Νικαίᾳ. L₁.

X. **113.** V Εἰ ἐπισκόπου δηλονότι ἔχοι ἀξίωμα· χωρεπισκόπῳ γὰρ φιλεῖ οὐ μετόν, πλην ἀναγνώστου καὶ ὑποδιακόνου καὶ ἐπορισταῦ.

20 XIII. **114.** Ven. Ὅτι ὁ παραβάς ἤδη καθήρηται. V₁P.

XV. **115.** P Ὅτι συμφώνως ὑπὸ πάντων τῶν ἐπισκόπων τῆς συ- νόδου τῆς ἐπαρχίας κατακριθεῖς ³ οὐκέτι δύναται παρ’ ἐτέροις δικάζεσθαι, ἀλλὰ μένει ἡ ψῆφος βεβαία. V₁.

XVI. **116.** Ven. Ὅτι δύναται γενέσθαι, ἐὰν ἡ τελεία σύνοδος ψηφισται. 25 XVII. **117.** L₁ Οὗτος καὶ τῆς τιμῆς μετέχειν αὐτόν φησιν. οἱ δὲ πρὸ αὐτοῦ κανόνες τὸν τοῦ πρεσβυτέρου τάξιν ἐπέχειν.

XIX. **118.** P Τοῦτο εἶρηται ἐν ⁴ τῷ σ’ κανόνι τῶν ⁵ ἐν Νικαίᾳ. V₁.

XX. **119.** L₁ Ἡ σ’ σύνοδος ἅπαξ γίνεσθαι σύνοδον διωριστο καὶ ἢ ἐν Καρθαγένῃ δὲ διὰ τὰς τῶν ἀθροισμένων συντριβάς.

30 XXI. **120.** P (кв̄ κατὰ τὸν ἡδὴ πρότερον ἐξενεχθέντα ὄρον) Τὸν ις’ ⁶ κανόνα τὸν ⁷ ἐν Νικαίᾳ αἰνίττεται. Ven. L₁.

¹ παρὰ P. ² ταύτης τῆς συνόδου προπ. P (но друг. рука добав. эти слова). ³ ἐπισκόπων κατὰ τῆς ἐπαρχίας κριθέν ὑπὸ V₁. ⁴ καὶ V₁. ⁵ τὸ V₁. ⁶ ις’ L₁ переправл. въ ιε’. ⁷ τῆς Ven.; Tῷ ις’ κανόνι τῶν V₁.

Ἐκ πρᾶξιμας Λαοδικιῦσκαγο собора.

- I. **121.** L₁ Βαθμόν· ἔπραξε δὲ τοῦτο καὶ ἡ οἰκουμενικὴ σύνοδος ἡ β΄.
- III. **122.** L₁ Σύμφωνος τῶν πρὸ αὐτοῦ. ὁ μέντοι τοῦ ἀγίου Βασιλείου κανὼν τὸν νεοφώτιστον εἰς ἐπισκοπὴν προσελθεῖν οὐκ ἐκόλωσεν.
- V. **123.** V (κτ̄ ἐπὶ παρουσίᾳ ἀκροουμένων) Τουτέστι μεγάλη 5 ἐκφωνουμένων φωνῇ τῶν εὐχῶν.
- VI. **124.** V Οὐπω τούτου ἐκτεθέντος τοῦ κανόνος, Βασίλειος ὁ μέγας Οὐάλεντα τῷ πληρώματι παρεδέχετο τῶν πιστῶν.
- VII. **125.** L₁ "Ὅτι Ναυατιανοὺς ἦτοι Καθαροὺς οἱ ἔμπροσθεν κα-
νόνας ἀναβαπτίζουσι, οὗτος δὲ χρῖει μόνον. 10
- VIII. **126.** V (κτ̄ τοὺς ἀπὸ... Φρυγῶν) Τοὺς ἀπὸ Μοντανοῦ καὶ Πρισκίλλης.
- XII. **127.** P "Ὅτι δεῖ δόκιμον εἶναι τὸν ἐπίσκοπον τῇ πίστει καὶ τῷ ὀρθῷ βίῳ. L₁.
- XV. **128.** V (κτ̄ εὐλογιῶν) Ἦτοι ξενίων. 15
- XV. **129.** V (κτ̄ διφθέρας) Ὁ νῦν φελόνιόν φασι.
- XIX. **130.** P "Ὅτι τρεῖς εὐχαὶ εἰσιν¹ τῶν πιστῶν. L₁.
- 131^a.** V (κτ̄ εἰρήνην) Τὸν ἀσπασμὸν φησι εἰρήνην.
- 131^b.** V (κτ̄ тит. III гл. 5, гдѣ сдѣлана ссылка на одно только правило—Лаод. 19) Εἰρήνη νῦν ὁ ἐπὶ τῇ θείᾳ λειτουργίᾳ ἀσπασμός. 20
- 132.** L₁ (κτ̄ εἰρήνην δίδόσθαι) Περί τῆς εἰρήνης πῶς φησι δίδοσθαι.
- 133.** L₁ Τίσιν ἔξεστιν εἰσιέναι εἰς τὸ θυσιαστήριον.
- XXVI. **134.** V (κτ̄ тит. IV гл. 2, гдѣ имѣется въ виду одно только Лаод. 26). Ἦσαν τινες ἀπὸ τῶν ἱερῶν ἀποστόλων ἐπορκισταὶ 25 καθεσταμένοι, ὧν ἔργον περιεῖναι τοὺς νοσοῦντας, μάλιστα τοὺς πνεύμασι χευμαζομένους, καὶ ἀπορκίζειν εὐχαῖς ἱεραῖς καὶ ἀποτροπιασμοῖς· καὶ ὅτι τοῦτο ἀπὸ τῆς βίβλου τῶν Πράξεων διὰ τῶν υἰῶν τοῦ Σκευᾶ μαθεῖν ἔνεστι καὶ ἀπὸ τῆς Ἰακώβου τοῦ ἀδελφοθέου ἐπιστολῆς, ὅς ἐπὶ τοῦ νοσοῦντος προσκαλεῖσθαι φησι τοὺς πρεσβυτέρους τῆς ἐκκλησίας² 30 καὶ τὸ ἀκεσώδονον ἐνεργεῖν ἔλαιον³, ὡς ὄντων δηλαδὴ καὶ ἐτέρων τῶν ἐπεύχεσθαι τοῖς κάμνουσι δυναμένων· τοῦτο γὰρ διὰ τοῦ ἀφωρισμένως

τοὺς πρεσβυτέρους εἰπεῖν νοεῖν δίδωσιν. ἐπεὶ οὖν τοῦτο οὐ βούλεται, οὐδὲ τούτους ὁ ἱερὸς κανὼν ἀνευ χειροθεσίας τὴν διακονίαν μετιέναι.

XXXV. **135.** Ven. (κτ̄ ἀγγέλους) Μέμνηται μὲν καὶ ὁ θεὸς Ἐπιφάνιος ἐν τοῖς Παναρίοις αἰρέσεώς τινος τῶν Ἀγγελικῶν λεγομένης, 5 εἶτε διὰ τὸ ἑαυτοῦ φησι σεμνύνειν ὡς τάξιν ἀγγέλων μετὰ τὴν πολιτείαν ἐπέχοντας, εἶτε διὰ τὸ ληρεῖν ὑπ' ἀγγέλων ἐκτίθεσθαι τὸν κόσμον· προσφύτερον δὲ ἔστι μάλιστα τῷ κανόνι τῷδε τὸ ἐν τῇ πρὸς τοὺς Κολοσσαεῖς ἐπιστολῇ παρὰ τοῦ ἀποστόλου Παύλου δηλωθέν, ἐν ᾧ φησι: "μηδεὶς ὑμᾶς καταβραβεύετω θελὼν ἐν ταπεινοφροσύνῃ καὶ θρησκείᾳ τῶν 10 ἀγγέλων, ἃ μὴ ἐώρακεν, ἐμβατεύων"¹. ἦσαν γάρ τινες διδάσκοντες μὴ δεῖν λέγειν ἡμᾶς διὰ Χριστοῦ προσάγεσθαι τῷ θεῷ καὶ πατρὶ (μείζων γὰρ ἢ καθ' ἡμᾶς φασιν ὁ Χριστός); ἀλλὰ δι' ἀγγέλων ἄρνησις γὰρ τοῦτο ἔοικεν τῆς θείας οἰκονομίας ἐν προσοχίᾳ ταπεινοφροσύνης.

XXXVI. **136.** V Περί ἀστρολόγων.

XL. **137.** V (κτ̄ ἀνωμαλίαν) Ἀνωμαλίαν νόσον φησὶν ἢ τινα ἄλλην 15 ἠναγκασμένην βιωτικὴν περίστασιν.

XLV. **138^a.** V Ἄλλὰ τοὺς ἐξ ἀρχῆς τῆς νηστείας, ὡς εἶναι τὴν ἄσκησιν καὶ γυμνασίαν αὐτῶν τελείαν, ἀλλὰ μὴ ἀποσχεδιασμένην².

138^b. Ven. Ὡς ἐκείνων μόνων ὄντων δεκτῶν τῶν ἐξ ἀρχῆς αὐτῆς 20 τῆς τεσσαρακοστῆς νηστευόντων, οἷα τῆς ἀσκήσεως τελείας οὔσης καὶ οὐκ ἀπεσχεδιασμένης.

XLVIII. **139.** V (κτ̄ χρίσματι) Τὸ θεῖον μύρον φησί.

XLIX. **140.** V Καλῶς εἶπερ τι ἄλλο καὶ τοῦτο τοῖς θεοφόροις ἔδοξε πατράσι· ταπεινώσεως γὰρ ὁ καιρὸς καὶ τῶν ἐκάστῳ πεπλημμελημένων 25 τὴν ἐπιγνωμοσύνην φέρων, ὅτε καὶ ἀναξίους ἑαυτοῦς ἠγεῖσθαι καὶ τοῦ πρὸς ὕψος ἀφορᾶν οὐρανοῦ ὁ σώφρων λογισμὸς ὑποβάλλεται, μὴ ὅτι γε πνευματικῆς εὐφροσύνης πύμπλασθαι.³ ἐν δὲ τοιοῦτῳ καιρῷ οὐκ ἂν εἴη ἀκόλουθον ἀφεμένους τῶν περὶ ἃ ἡ σπουδὴ, πρὸς ἕτερα⁴ ἀποκλίνειν εὐφραινομένους οὐ προσηκόντως καὶ αἰθριάζοντας ἐν στυγνότητι· 30 ὡς κλοιῷ κάμπτειν τὸν τράχηλον καὶ σάκκον ἐπὶ τὴν ὄσφον περιάπτειν καὶ σποδὸν ἐπὶ κεφαλῆς καταπάσσειν, τὰ τῆς ἀληθοῦς νηστείας ἐπασχοῦντας γνωρίσματα· μόγις γὰρ ἂν οὕτω προκαταρτισθεῖσιν ὁ μόσχος τυθείη

¹ εἰσιν εὐχαὶ L₁. ² до сихъ поръ есть въ Barber. 578. ³ Ιακωβα V 13--16.

¹ Колосс. II 18. ² вмѣсто ἀπεσχεδιασμένην. ³ ὅτε καὶ ἀναξίους... πύμπλασθαι Ven. проп. ⁴ πρὸς ἐορτάς Ven.

ὁ σιτευτός καὶ πρὸς ἀξίαν βρωθείη, τὸ τῆς οὐ σβεννουμένης ἐφόδιον εὐφροσύνης οὐδ' ἀπολήγειν ἢ διαπνεῖσθαι πεφυκυίας τροφῆς. ἢ ἐπιούσιος δόσις καὶ τοῦ παρέχοντος ἀξία τῆς ἀγαθότητος· καὶ ὅτι ταῦτα οὐκ οἶμαί τινα ἐπ' οὐδενὶ χρησίμω περιέλκειν τινὰ ἐμποιῆσαι τῷ λόγῳ ἢ τοῦτον, ὅς τὴν κατὰ τὸν ἄσφωτον υἱὸν παραβολὴν ἀγνοῶν προηγουμένην ἔχουσαν τὴν ταπεινώσιν καὶ πᾶσαν τὴν δι' ἀτίμου ἀγωγῆς αὐτοῦ ψήφω ἐκεῖνου τοῦ τῆς πατρῴας ἐστίας ἑαυτῶν ἡλλοτριωκός ἀξιοπάθειαν αὐτοσχεδιάζει τὴν πνευματικὴν εὐφροσύνην. μιγνύειν τὰ ἄμικτα κακῶς ἄγαν ἐπιχειρῶν καὶ τὸν ἐπιτήδειον προαρπάζων εἰς ἀφροσύνης παράστασιν ¹ πίστις τοῦ λόγου τὸ ἐπειδὴν μὴ οἶόν τε τὸ τῆς νηστείας ἐνεργεῖν ταπεινὸν μὴ τοῦτο κωλύσαι ², ἀλλ' ἐν σαββάτῳ καὶ τῇ ἀναστασίμῳ προτρέπειν καὶ θύειν τὸ ἄθυτον θυμα καὶ τῆς ἀπ' αὐτοῦ θυμηδίας κορέννυσθαι. τὰς μὲν οὖν θυσίας καὶ διὰ τοῦτο ἀπάγει ὁ τῶν πατέρων θεῖος χορὸς καὶ ὅτι, πολέμου συγκροτουμένου ἡμῖν (προσευπορείσθω γὰρ καὶ τοῦτο ³ πρὸς ⁴ ἀντιπάλους τοῦ ἐν ἡμῖν κρείττονος), οὐχ ὅσιον τὴν τῆς εἰρήνης θυσίαν ἐπιτελεῖν μεταξὺ ἔργου ⁵ ἔχομένους καὶ ὡσπερ ἄλλο τι τῶν κατὰ πόλεμον πραγμάτων ταύτην μεταχειρίζεσθαι, ἢ τῷ τέλει καὶ τῇ ἐκχειρίᾳ εἴωθεν παραγίνεσθαι ⁶. ἀλλὰ τοῦ μὲν ἄρτου ἐπαινετῶς μάλα μετέχειν καὶ τοῦ ποτηρίου τοῖς οὐ κατὰ κατήλους μετέχουσιν ἀνεῖται εἰς ἀντίληψιν δοκῶ μοι καὶ κραταίωμα τῶν πονουμένων τὴν μέντοι θυσίαν ἀναβάλλεσθαι ⁷ τέως δεδοκίμασται κράτιστον, ἐπεὶ καὶ στρατιώτης χρήσαι' ἂν ἄρτω καὶ κρέασι πολέμου καιρῶ, ἐώλοις μέντοι καὶ οὐ προσφάτοις καὶ νεαροῖς, ὅτι μηδὲ σχολὴν ὁ πόλεμος παρέχει ἄρτοποιαῖς προσκεῖσθαι καὶ ζωοθυσῖαις ἐκδίδεσθαι. Ven.

L. **141.** V Σκόπει, ὅτι ξηροφαγεῖν πᾶσαν τὴν ἀγίαν ἐπιτρέπομεθα τεσσαρακοστὴν. ²⁵

LV. **142.** V (κτ̄ ἐκ συμβολῆς συμπόσια) Τὰ ἐξ ἑράνου φησί. ἑράνος δὲ ἐστίν, ὅταν ἀπὸ συλλογῆς ἦτοι συνεισφορᾶς καὶ συντελείας πολλῶν ἅμα γίνηται τι, πάντων κοινωδούντων τῇ ἐπιδόσει ταύτη.

LVII. **143.** L₁ "Ὅτι τὸν χωρεπίσκοπον ἢ ἐν Λαοδικεῖα σύνοδος κωλύει. ³⁰

¹ καὶ πνευματικῆς ἀγαλλιάσεως ἐμπιπλαμένου παρὰ καιρὸν Ven. (BM. δεόν ὡς κλοιῷ κάμπτειν... εἰς ἀφροσύνης παράστασιν). ² οὐ κωλύσαι τὸ θεῖον Ven. (BM. μὴ τοῦτο κωλύσαι). ³ προσευπορείσθω γὰρ καὶ τοῦτο Ven. переставл. послѣ κρείττονος. ⁴ πρὸς τοῦς Ven. ⁵ ἔργου μεταξὺ Ven. ⁶ καὶ ὡσπερ ἄλλο τι... παραγίνεσθαι. Ven. προπ.

Κτ̄ pravidlamъ II вселенскаго собора.

II. **144.** Ven. "Ὅτι οὐ δεῖ ἐπίσκοπον ἄλλοτρία ἐκκλησίᾳ ἐπιβαίνειν. L₁P.

145^a. P "Ὅτι ὁμοφωνεῖ καὶ οὗτος ὁ κανὼν τῷ ς' τῶν ἐν Νικαίᾳ. L₁Ven. ⁵

145^b. L "Ὅμοφωνεῖ καὶ οὗτος τῷ ς' τῶν ἐν Νικαίᾳ, ἀπαγορεύει δὲ χειροτονεῖν ἐπισκόπους ἄλλοις ἐπισκόποις ὑποκειμένους· δίδωσι δὲ καὶ διὰ τοῦ γ' κανόνος τὰ πρεσβεῖα τῷ Κωνσταντινουπόλεως.

146. P Περὶ τῶν ἐν ταῖς βαρβαρικαῖς ἔθνεσιν ἐκκλησιῶν.

III. **147.** Ven. Τὸ "μετὰ" τοῦ χρόνου δηλωτικὸν ἐστίν ¹, οὐ τῆς τιμῆς, ἐπεὶ πῶς ἔξει τὰ κατὰ τὴν ² τιμὴν πρεσβεῖα ὁ κατ' αὐτὴν δευτερεύων ³; οὕτως οὖν ⁴ καὶ ἡ ἀγία δ' ⁵ οἰκουμένη συνόδος τὸν κανόνα τοῦτον ἐνόησεν, ἐν τῷ κη' αὐτῆς κανόνι ἐπικυρώσασα ἴσοις πρεσβεῖοις ⁶ τὸν Κωνσταντινουπόλεως τιμᾶσθαι θρόνον· τὸ δὲ ἰσάζειν ἅμα καὶ δευτερεύειν τῇ τιμῇ ἀσύμβατόν τε καὶ ἀδιανόητον. L. ¹⁵

148. V Περὶ τοῦ τῆς Κωνσταντινουπόλεως ἐπισκόπου.

VI. **149.** V Περὶ κατηγορουμένων ἐπισκόπων.

150. Ven. Ποίων κατηγορῶν ⁷ ἐπισκόπου οὐκ ἐξετάζεται πρόσωπον. PL₁.

151. Ven. Ἡ ἐπιφερομένη τῷ ἐπισκόπῳ μέμφις ἢ ἰδιωτικὴ ἐστίν, ἢ ἐκκλησιαστικὴ L₁. ²⁰

152. Ven. "Ὅτι αἰρετικὸς οὐ κατηγορεῖ ἐπισκόπου περὶ ἐκκλησιαστικοῦ πράγματος.

153. Ven. Ποίους οἶδεν ὁ κανὼν αἰρετικούς.

154. Ven. Ὁ κατηγορεῖν ⁸ ἐπισκόπου βουλόμενος ἢ ὑπὸ μέμφιν ⁹ καὶ ἀδεκτός, ἢ ἄμεμπτος καὶ δεκτός ὑπάρχει, ἢ αἰρετικός, ἢ ἐκβεβλημένος, ἢ προκατεγνωσμένος. P.

155. Ven. Ὁ κατήγορος ⁹ ὑπὸ μέμφιν ὑπάρχων ¹⁰ ἢ αἰρετικός, ἢ ἀποβεβλημένος, ἢ ἀκοινωνήτος, ἢ προκατεγνωσμένος, ἢ προκατηγορημένος. L₁. ³⁰

¹ Ὅτι τὸ «μετὰ τὸν Ῥώμη» χρόνος ἐστὶ δηλωτικὸν L₁. ² τὴν προπ. L₁. ³ ὁ κατὰ τὴν τιμὴν ὁ δευτερεύων τῇ τιμῇ L₁. ⁴ δὲ L₁. ⁵ καὶ L₁. ⁶ ἐνόησεν τοῦτον τὸν κανόνα ἴσοις πρεσβεῖοις ἐπικυρώσασα L₁ (BM. τὸν κανόνα... πρεσβεῖοις). ⁷ κατηγοριῶν P. ⁸ κατηγορῶν P. ⁹ κατηγορῶν L₁. ¹⁰ здѣсь кончается школа въ L₁.

156. Ven. Πῶς δεῖ κατηγορεῖν ἐπισκόπων καὶ ἐπὶ τίνων. PL₁.

157. Ven. Τί δεῖ ποιεῖν τοὺς ἐπαρχεώτας ἀδυνατοῦντας κρῖναι. L₁.

158. Ven. Ὅτι ὁ κατήγορος τοῦ ἐπισκόπου ἴσῳ ὑπόκειται κινδύνῳ, ᾧ καὶ ὁ ἐπίσκοπος μὴ δυνήθῃς ἐπεξελεθεῖν. L₁.

VII. 159. V (κτ̄ концу) Βαθμοὶ τῶν κατηγορουμένων. 5

160. Ven. Ζήτηι τῆς σ' συνόδου κανόνα ια'.

161^a. Ven. Ποῖοι χρίονται καὶ ποῖοι βαπτίζονται.

161^b. L₁ Τίνες μύρω τῶν ἐξ αἱρέσεως χρίονται καὶ τίνες ἀναβαπτίζονται.

162. Ven. Ὅτι Φρύγες οἱ Μοντανισταί. 10

163. Ven. Ποῖοι ἐξ αἱρέσεως ἐπισιρόφροντες χρίονται μόνον. Ἄρειανοί. Μακεδονίανοί. Σαββατιανοί. Ναυατιανοί. Τεσσαρεσκαίδεκατίται Ἀπολιναρισταί. Ποῖοι ἐξ αἱρέσεως ἐπιτιρόφροντες βαπτίζονται. Εὐνομιανοί. Μοντανισταί. Σαβελλιανοί. Γαλάται καὶ λοιποί. L₁.

Κτ̄ правилу пер̄ псевδοκατηγόров. 164. V Οἱ δὲ καὶ ἐτέρους 15 ἀναγκάσαντες ψευδορκοῦντας κατηγορεῖν ἐπισκόπων τίνος ἄξιοι; ἀλλὰ καὶ οἱ τούτους παραδειξάμενοι ἐπίσκοποι ἄρα ἂν ἢ ἐπίσκοποι ἔτι, ἢ συγγνώμης τινὸς ἐντὸς δίκαιοι καταστήναι;

165. V₁ Ὅλον καὶ τουτο καὶ τὸ πρὸ τούτου ἐπιτιμίου καὶ σωφρονισμοῦ πλήρες. 20

Κτ̄ правиламъ III вселенскаго собора.

VIII. 166. Ven. Ὅτι ¹ καὶ οὗτος ὁ κανὼν φυλάττει ἐκάστη ἐκκλησία τὰ ἑαυτῆς ² δίκαια ³. LL₁ Ath.

167. Ven. Ὅτι ⁴ οἱ Κύπριοι δι' ἑαυτῶν ⁵ τὰς χειροτονίας ποιοῦνται ⁶. LV₁P ⁷. 25

168. V (κτ̄ εἰ δέ τις μαχόμενον ὑποιν...) Ὅτι τοὺς τύπους καὶ τὰ ἐξ ἀρχῆς ἔθη οὐ παρασαλευτέον.

IX (= посл. κт̄ Памф. соб.). 169. V (κτ̄ ἐκ πολλῆς ἄγαν ἀπραγμοσύνης ἀπειρηκῶς...) Συνοπακούεται τὸ πατρὸς.

170. V (κτ̄ παραιτήσεως... προσεκόμισε βιβλίον) Καὶ ποῦ 30

¹ Ὅτι проп. L. ² αὐτῆς Ath. ³ Ath. добавл. διέλεθε ὄλον. ⁴ Παριστᾶ δὲ καὶ ὅτι L. ⁵ δι' ἑαυτᾶ L. ⁶ ποιοῦσαν L. ⁷ в P другой рукою. ⁸ cod. γραφή.

οἱ νῦν ῥαδίως παραιτούμενοι, καὶ ταῦτα μηδεμιᾶς ὑπόουσης προφάσεως εὐλόγου ἢ περιστάσεως;

171. L Περιὶ λιβελλου παραιτήσεως ἢ σύνοδος αὐτῆ γράφει ⁸ πρὸς τὴν ἐν Παμφυλία σύνοδον διαλέγεται καὶ μέμφεται μὲν μετρίως τὸν 5 παραιτησάμενον ὡς ὀλίγων, συγγνωμονεῖ δὲ τοῖς ἀντ' αὐτοῦ χειροτονησασιν ἕτερον, ἐπεὶ περ ἐκεῖνος οὐ περὶ τῆς πόλεως, φησίν, οὐδὲ περὶ τῆς ἐκκλησίας ἐφιλονεῖται, ἀλλὰ περὶ μόνῃς τῆς τιμῆς· ἢ γὰρ ἂν ἀπέλα(βεν) καὶ τὴν ἐκκλησίαν ὡς οἶμαι, καθὰ δὴ καὶ τὴν τιμὴν ἔδεε γάρ φησι ἔχουσθαι τῆς ἀρχῆς καὶ τοῖς πόνοις ἀναπαοῦθεσθαι. πλατύτερον 10 δὲ γε περὶ τοῦδε διελέχθη ὁ ταύτης τῆς συνόδου προεδρεύσας, ὁ μακάριος Κύριλλος, ἐν τῇ πρὸς Δόμονον ἐπιστολῇ, ἐν ἧπερ οὐκ εὐχερῶς φαίνεται λιβελλοὺς δεχόμενος.

Κτ̄ правиламъ IV вселенскаго собора.

II. 172. V (κτ̄ концы) Περιὶ τοῦ τοῖς ἀτόποις συναιρουμένου καὶ 15 μεσιτεύοντος.

IV. 173. V (κτ̄ срединѣ) Περιὶ ἀπειθείας μοναχῶν.

VI. 174. V Περιὶ ἀπολελυμένως ἄνευ βαθμοῦ χειροτονουμένων.

VII. 175. V Περιὶ τῶν λαϊζόντων κληρικῶν ἢ μοναχῶν.

176. L₁ Νῦν οὐκ εὐαγῶς οὐ φυλάττεται.

IX. 177. Ven. Ὅτι οὐ δύναται κληρικὸς πρὸς ¹ κοσμικὰ δικαστήρια 20 ἔρχεσθαι. P ².

178^a. Ven. Περιὶ τῶν πράγμα ἐχόντων πρὸς ἐπίσκοπον ἢ κληρικόν.

178^b. V₁ Περιὶ τῶν πράγμα ἐχόντων κληρικῶν πρὸς ἐπίσκοπον.

179. Ven. Περιὶ τῶν ὑπόπτως ³ ἐχόντων τοὺς ἰδίους ἐπισκόπους 25 ἢ μητροπολίτας κληρικῶν ⁴. V₁.

180. P Ζήτηι σχολίον [εἰς τὴν ἀρχὴν τῆς] ⁵ Ἰερεσου.

X. 181. Ven. (κτ̄ διὰ δούξης κενῆς ἐπιθυμίαν) Ἡ αἰτία.

182. Ven. Περιὶ κληρικοῦ μετατεθέντος ἀπὸ ἐκκλησίας εἰς ἐκκλησίαν. P ⁶.

¹ ἐπὶ P. ² в P ὅτα σχολія другой рук. и слова ст̄гρια ἔρχεσθαι не дописаны. ³ ἐπόπτως V₁. ⁴ κληρικῶν проп. V₁. ⁵ середина σχολіи неразборчива. ⁶ в P другой рук.

XI. **183^a.** V Εἰρηλικῶν γραμμάτων διαφορά καὶ συστατικῶν.

183^b. Ven. Σημειῶσαι διαφορὰν εἰρηλικῶν καὶ συστατικῶν ἐπιστολῶν.

XII. **184.** V Ὅτι ἔξεστι βασιλεῖ καινίζειν ἐξ ἐπισκοπῆς μητρόπολιν.

185. V (κ̃ σ̃φ̃ζομένων τῆ κατὰ ἀλήθειαν μητροπόλει τῶν οικειῶν δικαίων) Οὐχὶ καὶ τοῦ προεστῶτος ὑποτασσομένου. ἀλλὰ μηδὲν τῶν τῆς ἐνορίας τοῦ προτέρου μητροπολίτου παρασπωμένης καὶ τῷ νέῳ προσκυρομένων.

186. Ven. Περί τῶν ¹ τιμηθειῶν ὀνόματι μητροπόλεως ² ὑπὸ βασιλέως ἐκκλησιῶν ³. P ⁴. 10

XVI. **187.** V Περί παρθένων ἐκκλησιαστικῶν γαμουμένων.

XVII. **188.** V (κ̃ ει δὲ καὶ ις ἐκ βασιλικῆς ἐξουσίας ἐκαινίσθη πόλις) Καὶ τοῦτο ἄδειαν καινίζειν δίδωσι βασιλεῦσιν.

189. V (κ̃ ἀγροικικὰς παροικίας ἢ ἔγγωριούς) Ἀγροικικὰς ⁵ τὰς ἐπὶ τῶν ἐσχατιῶν ἰδρυμένας, ἅς καὶ μονοικίᾳ φασὶ νῦν ⁶, ἐγγω- 15 ρίους δὲ τὰς ἐν μέσοις ⁷ ἀγροῖς ἢ κώμαις. Ven.

190. V Οὐ μάχεται δὲ ταῦτα τοῖς ἐν Ἐφέσῳ ἀγίοις πατράσι, μηδὲως κανόνισσασιν ἐπιτηδᾶν ἕτερον ἐπίσκοπον τῆ μὴ προσηκούση παροικία, ἀλλ' εἰ καὶ τετόλμηται τοιοῦτον, ἀναμφιλέκτους τῷ προδεσπόζοντι ἀποκαθιστᾶν, εἴγε οὗτοι οὐ μόνον οὐκ ἀποκαθιστᾶν, ἀλλὰ καὶ διαδι- 20 κάζεσθαι κελεύουσιν καὶ πρὸς ἀποδείξεις χωρεῖν ἄλλο γὰρ παρ' ἐκείνοις, ἄλλο παρὰ τοῖς παροῦσιν τὸ ἀμφισβητούμενον· οἱ μὲν γὰρ περὶ τῶν ἤδη κατηρτισμένων λαῶν καὶ ὑφ' ἑτέρῳ ἐπισκόπῳ τελούντων, εἴτα ὑπὸ τοῦ πλεονεκτηῖν εἰωθότος ἀρπαζομένων τὰ ὀρισθέντα ἀπεφήναντο πό- 25 λεῶν φημι ἢ κωμῶν· οἱ δὲ νῦν περὶ ἀγρῶν, ὧν εἰκόσ μηδὲ τοσοῦτον λόγον εἶναι παρὰ τῷ ἐπισκόπῳ τῷ προκατειληφότι. διὰ τὸ ἀχρεῖον καὶ μικροπρεπὲς παρορωμένων.

191. V₁ Ὅτι τὸ αὐτὸ φησὶν ὁ 9^ο κανὼν.

192. L₁ Περί ἐξάρχων. τίνες δὲ καὶ πόσαι διοικήσεις ὑπὸ τὸν Κωνσταντινουπόλεως, ἀνάγνωθι κανόνα κη'. 30

¹ τῶν π̃ροπ. P. ² μητροπόλεως ὀνόματι P. ³ ἐκκλησιῶν доавл. изъ P. ⁴ вл P друг. рук. вся σχολія. ⁵ μὲν λέγει вставл. Ven. ⁶ νῦν φασὶ Ven. ⁷ cod. ἐμέσοις.

193 V (κ̃ τ̃οῖς πολυτικοῖς ἢ δημοσίοις τύποις) Πολιτικοῖς, τοῖς κατὰ τὴν ἐξουσίαν τῶν ἄρχων ἐν αὐταῖς κοσμικῶν τεταγμένων, ὥστε ἐφ' ὅσον ἐπιτρέπεται ἀφώρισται τῷ ἄρχοντι, ἐπὶ τοσοῦτον παρατείνεσθαι καὶ τὸν ὅρον ταῖς ἐκκλησιαστικαῖς ἐπικρατεῖαις· δημοσίοι δὲ αἱ κατὰ 5 τοὺς φόρους συντάξεις, αἷς τὸ ὑφ' ἓνα λόγον τελεῖν περιγράφει τὸ ἡμοδέσποτον.

194. Ven. Ἐξάρχους καλεῖ ἐκείνους, ὑφ' οὓς τελοῦσιν οἱ μητρο- πολῖται· εἶεν δ' ἂν οὗτοι οἱ πατριάρχαι, ὑφ' ὧν καὶ κρίνεσθαι τὰς κατὰ τῶν μητροπολιτῶν κινουμένας βούλεται δίκας, ἢ ὑπὸ τοῦ Κωνσταντινουπόλεως, 10 ἐξαιρέτῳ προνομίῳ τοῦτον ἢ σύνοδος τὸν θρόνον τιμήσασα. ὅτι δὲ ἐξάρχους λέγει τοὺς τῆς πρώτης καθέδρας ἐπισκόπους. οἳ οἱ εἰσὶν οἱ πατριάρχαι, τεκμηριῶ καὶ ὁ τῆς ἐν Καρθαγένῃ λθ' κανὼν ἀπαγορεύων. μὴ δεῖν λέ- γων αὐτοὺς ἔτι τῆ τοῦ ἐξάρχου προσηγορία καλεῖσθαι. εἰ δὲ λέγει τις, ὡς ὁ ἔκτος τῆς ἐν Σαρδικῇ κανὼν ἐξάρχον καλεῖ τὸν μητροπολίτην, 15 ἀληθεύσει μὲν, οὐδὲν δὲ ἀξιόλογον ἔρει πρὸς τὸ παρὸν ζήτημα· αὐτὸς γὰρ οὗτος ὁ προκείμενος τῆς ἐν Καλχηδόνι κανὼν, λέγων τὸν παρὰ τῶν μητροπολιτῶν ἀδικούμενον δικάζεσθαι παρὰ τῷ ἐξάρχῳ, δείκνυσιν ἕτερον ὄντα τὸν ἐξάρχον παρὰ τὸν μητροπολίτην. εἰ δὲ ὑποτρέχει τις 20 λογισμὸς, μήποτε τοὺς παρὰ τῶν πατριαρχῶν ἐπὶ τινὰς ἐκκλησιαστικὰς διοικήσεις πεμπομένους ἐξάρχους (οὕτω γὰρ ὀνομάζονται κατὰ τὸ νῦν ἐπιχωριάζον ἔθνος) ὁ κανὼν σημαίνει, οὐδεμίαν οὐδὲ οὕτως εὐρίσκει χώραν ὁ λογισμὸς· πρῶτον μὲν γάρ, διὰ τί τῶν ἄλλων θρόνων ἐχόντων ἐξάρχους ὁ Κωνσταντινουπόλεως οὐχ ἕξει; ἔπειτα καὶ τὰ ἐναντία κα- 25 τασκευασθῆσεται τῶν σπουδαζομένων τοῖς ἀντιλέγουσιν, ἐξαιρουμένου κἀντεῦθεν τοῦ Κωνσταντινουπόλεως· εἰ γὰρ οἱ ὑπὸ ¹ τοὺς ἄλλους θρό- νους ἐπίσκοποι καὶ κληρικοὶ πρὸς τοὺς μητροπολίτας ἀμφισβητοῦντες μέλλοιεν τὰς ἐκκλησίας ποιεῖσθαι πρὸς τοὺς ὑπὸ τῶν πατριαρχῶν αὐτῶν στελλομένους ἐξάρχους, ἢ πρὸς τὸν Κωνσταντινουπόλεως πατριάρχην, ἄρα ὁ Κωνσταντινουπόλεως μόνος ἔχει προνόμιον τοὺς τῶν ἄλλων πατρι- 30 αρχῶν ἐπισκόπους καὶ κληρικοὺς καὶ μητροπολίτας κρίνειν καὶ λύειν αὐτῶν τὰς ἀμφισβητήσεις. ἔπειτα δὲ καὶ τρίτον ἄτοπον, τὸ τοὺς ἄλλους πατριάρχας παντελῶς εἶργεσθαι τοῦ κρίνειν τοὺς αὐτοῖς ὑποκειμένους

¹ cod. ἀπὸ.

καὶ μάλλον εἶναι μείζονα τὴν αὐθεντίαν τῶν ἐξάρχων αὐτῶν, εἴπερ ἢ αὐτοὶ μέλλουσι δέχεσθαι τὰς ἐκκλητίους ἢ ὁ Κωνσταντινουπόλεως.

Ὅπως παντὶ τρόπῳ τὸ προνόμιον ἐξηρημένον τῷ Κωνσταντινουπόλεως σφίζεται διὰ τε τοῦ παρόντος ιζ' κανόνος καὶ διὰ τοῦ θ'.

XVIII 195. V (κτ̄ φαιριάζοντες) Ἐταιρίας συνιστάντες, ἀλληλοβοηθείας κατασκευάζοντες. 5

XXI. 196. V Περί ἱεροκατηγόρων.

XXII. 197 V Περί τῶν ἀρπαζόντων κληρικῶν τὰ τῶν ἐξοδευόντων ἐπισκόπων διαφέροντα.

XXIV. 198. V (κτ̄ началу) Ὡς τὰ γε μὴ κατὰ γνώμην τοῦ ἐπισκόπου μὴ μένειν. 10

XXV. 199. V₁ Ὅτι ὁ μὲν κανὼν ἐντὸς γ' μηνῶν φησιν, ἡ δὲ διάταξις ἕξ μηνῶν ¹ λέγει. Ven.

XXVI. 200. V₁ Περί ἐκκλησιαστικῆς προσόδου καὶ περὶ οἰκονόμων.

XXVIII (κτ̄ μητροπόλεως μόνους). **201.** V Τὸ "μόνους" πρόσκειται, ἐπειδὴ οἱ ἀπὸ Μακεδονίας καὶ πρὸς τοῖς Ἰλλυριοῖς ² καὶ ἐπὶ τῆς ³ Θεσσαλίας καὶ Ἀττικῆς καὶ Πελοποννήσου καὶ Παλαιᾶς Ἡπείρου καὶ τῶν ταύτην ⁴ ἐθνῶν ὑπὸ Ῥώμην τὸ ⁵ τηρικαῦτα ἐτέλουν. Ven. 15

202. L Τὸ πλέον. τὸ "μόνους" πρὸς ἀντιδιαστολήν ἐτέθη τῶν ἐπισκόπων· κατ' οὐδὲν γάρ φησι ἐπικοινωνήσει ταῖς ἐκείνων χειροτονίαις ὁ Κωνσταντινουπόλεως. 20

203. Ven. (κτ̄ τὰ ἴσα πρεσβεῖα) Τὰ ἴσα φησίν. ὥστε τὸ ἐφεξῆς εἰρημένον "δευτέραν μετ' ἐκείνην", καὶ εἴ που ἄλλοθεν γέγραπται τὸ δευτερεύειν, οὐ τῇ τιμῇ τῶν πρεσβεῖων χρῆ νοεῖν (οὕτω γάρ ἂν αὐτὸς ἐαυτῷ διεμάχεται ὁ κανὼν), ἀλλὰ τὸ δεύτερον τῷ χρόνῳ ἀκουστέον καὶ τὸ ἀληθὲς οὕτως ἂν ἔχει, καὶ ὁ κανὼν ἔξει τὸ μὴ ἀναιρεῖν ἑαυτὸν, εἴπερ δὴ ἡ βασιλεία εἰς ἴσον ἄγει τὰς δύο καθέδρας, ἡ ζημιωθεῖσα ταύτην κατὰ τὸν ἱερὸν τοῦτον κανόνα ἐζημιώθη δηλονότι καὶ τὴν ἰσότητα. 25

204. P (κτ̄ ὑπὸ τοῦ προειρημένου ἁγίου. θρόνου τῆς κατὰ ΚΠ...) Ζήτει ἐκάστου, Ἐφέσου καὶ ἄλλων. 30

205. L Ἐνταῦθα τὴν ἀφορμὴν ἔλαβον οἱ πατέρες ἀπὸ τοῦ β' καὶ γ' κανόνος τῶν ρν'· πλέον δὲ τι δεδώκασιν τῷ Κωνσταντινουπόλεως θρόνῳ,

¹ ἐντὸς ἕξ μηνῶν Ven. ² Ven. καὶ Ἰλλυρίων. ³ Ven. προπ. ἐπὶ τῆς. ⁴ Ven. ταύτης. ⁵ Ven. ὑπὸ τὸν Ῥώμη.

τὰς χειροτονίας τῶν ἐν ταῖς ἐπαρχίαις μητροπολιτῶν, ἐκουσίως αὐτῷ χειρίσαντες ἑαυτοῦς, πρότερον ὑπὸ τῶν τῆς ἐπαρχίας ἐπισκόπων καὶ τῶν ¹ ἐπὶ τούτῳ προσκεκλημένων πλησιοχώρων ἐπισκόπων κατὰ τὸ - ² τοῦ σ' κανόνος τῆς ἐν Σαρδικῇ συνόδου χειροτονουμένων.

XXIX (= изъ дѣянїя о Фотїи и Евстафїи). **206.** V (κτ̄ словамъ Анатолія) Ὡστε ἀναντιρρήτως ³ ἐπίσκοποι μὲν οἱ ἀναίτιως ἐχθληθέντες, ἵνα μὴ διὰ δικαιοσύνην λέγω, ἀνάξιοι δὲ καὶ μυρίας καταδίκης ⁴ ὑπεύθυνοι οἱ τοῖς θρόνοις τούτων ἐπεισφθαρέντες.

207. L₁ (κτ̄ словамъ Паскасіна и Лукїнсія) Ὅτι ἕτεροι καὶ ¹⁰ νόνεις καὶ ποιοῦσι τοῦτο ἐκ προστάγματος συνοδικῆς ψήφου.

Κτ̄ pravidlam̄ Σαρδικσкаго собора.

въ заглавіи. **208.** L (κτ̄ ἐν Σαρδικῇ) Ἡ Σαρδικὴ πόλις ἐστὶ Μυσίας τῆς νῦν Βουλγαρίας, ἧτις ἐγχωρίως Τράλιτζα λέγεται.

въ предисловіи. **209.** L (послѣ τὰ ὑποτεταγμένα) Οἱ πατέρες σὺν ¹⁵ I. **210.** V (κτ̄ началу словъ Осїя) Περί τοῦ μὴ τὴν ἥττονα παραιτεῖσθαι καὶ πρὸς μείζονα ἐπιπηδᾶν παροικίαν.

211. Ath. Σχόλιον. Καλῶς καὶ ἀξίως τῆς τῶν ὀρισάντων ἱερότητος ὁ ἱερὸς καὶ ἅγιος κανὼν τὰς μεταθέσεις ἐχώλυσε· καὶ γὰρ τὴν ἀνίερων ἐπιθυμίαν τῶν τὴν μετάθεσιν ἐπιζητούντων καὶ πρὸς τὴν παράλογον μετάθεσιν ⁵ τῶν τῇ ἐπιθυμίᾳ τούτων κατανευόντων ἀπηγόρευσε τοῦτο (τὸ) πρᾶγμα ὁ ἱερὸς κανὼν καὶ τὸ ἐπιτίμιον ὤρισεν βάρυ καὶ φρικτόν. μετάθεσιν δὲ τὴν κατὰ χρείαν ἐκκλησιαστικὴν γινομένην καὶ ἀντιμισθίαν τῶν πόνων καὶ τῶν ἰδρώτων, οὓς οἱ πολλάκις μετατεθέντες ὑπὸ τῆς ἐκκλησίας ὑπέμειναν, οὔτε ὁ κανὼν ἀποκωλύει, οὔτε τὸ πρᾶγμα ²⁵ ἐστὶ κατακεκριμένον. καὶ ἵνα τὰ λοιπὰ εἰσα πάντα, ὅσα ἐξ ἀρχῆς καὶ ἀπὸ τῆς τοῦ κανόνος θέσεως τοιαῦτα γέγονεν, αὐτὸν εὐρίσκομεν τὸν κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν καὶ θεὸν τὴν τοιαύτην φιλοτιμίαν ἥτοι μετάθεσιν χαριζόμενον· πρωτόκλητος γὰρ ἀποστόλων αὐτοῦ καὶ μαθητῆς Ἀνδρέας, ἀλλ' ὁ ἀδελφός, ὃν ἐκεῖνος προσήγαγε τῷ σωτῆρι, κορυφαῖός ³⁰ ἐστὶ τῶν ἀποστόλων καὶ θεμέλιος τῆς ἐκκλησίας, καὶ τὰς κλεῖς τῆς βασιλείας τῶν οὐρανῶν ἐμπιστεύεται. οὐχ ἀπλῶς οὕτως, ἀλλὰ διὰ τὸ ἔντονον

¹ cod. τῷ. ² два слова не разобраны мною. ³ cod. ἀναντιρρή ⁴ слѣдвало бы ожидать: μυρίας καταδίκαις. ⁵ cod. κατανεύειν.

καὶ διανεστικὸν ¹ καὶ γοργὸν καὶ παρρησιαστικὸν τῆς γνώμης Παῦλος ὁ ἀγιώτατος ἀπόστολος, καίτοι μὴδὲ ἰδὼν ἐν σαρκί τὸν Χριστὸν καὶ θεὸν ἡμῶν, τοσαύτης ἔτυχεν παρὰ τοὺς ἄλλους φιλοτιμίας καὶ (ἵνα οὕτως εἴπω) μεταθέσεως, ὥστε καὶ εἰς τρίτον οὐρανὸν ἤρπάγη καὶ τὰ ἄρρητα ἐκεῖ ἐξε- 5
παιδεύθη μυστήρια ². διὰ τί; ὅτι ἔμελλεν, ὡς αὐτὸς φησι, καὶ κοπιᾶν 5
ὕπερ τοὺς ἄλλους καὶ ἐξ ἀνατολῆς μέχρι δυσμῶν κηρύσσειν τὸ εὐαγγέλιον ³.

II. 212. V Τίς ὄρισταὶ καταδίκη τοῖς αὐθαδῶς ἐπιτηδῶσιν τοῖς ἐκκλησιαστικοῖς θρόνοις.

213. Ven. Ἐόνον καὶ ἐναντίον τοῖς κανόσι τὸ μὴδὲ ⁴ ἐν τῇ ἐξόδῳ 10
κοινωνίας ἀξιοῦσθαι ⁵. Ath. P ⁶.

III. 214^a. L Πότε δύναται ἐπίσκοπος ἀπὸ τῆς ἰδίας ἐπαρχίας εἰς ἕτεραν διαβαίνειν.

214^b. L₁ Ὅτι οὐ δύναται ἐπίσκοπος ἀπὸ τῆς ἰδίας ἐπαρχίας εἰς 15
ἕτεραν διαβαίνειν καὶ διὰ τί.

215^a. L Ὅτι οὐ δύναται ἐπίσκοπος πρὸς συνεπισκοπον διαδικα- 15
ζόμενος ἀφ' ἑτέρας ἐπαρχίας ἐπισκόπους ἐπικαλεῖσθαι ἐπιγνώμονας·
τοῦτο γὰρ ὕβρις. ἐκκλήτου δὲ παρακολουθούσης, ἀνανεοῦται ἢ κρίσις,
αὐτῶν τῶν κρινάντων ἐξαιτουμένων διὰ γραμμάτων ἀπὸ τοῦ πατριάρχου
δοθῆναι τῆς ἐκκλήτου τοὺς διαγνώμονας ἐκ τῶν γειτονούντων ἐπισκόπων·
ἐφ' ὧν, εἴ καὶ πάλιν καταδικασθῇ, τὰ ἅπαζ̄ κεκριμένα μὴ ἀναλύεσθαι. 20
ταῦτα περὶ τυχόντων, ἐπὶ δὲ καθαιρέσει χώρα πάλιν ἐκκλήτου καὶ
χρεία καὶ πατριαρχικῆς ἀκροάσεως.

215^b. L₁ Ὅτι οὐ δύναται ἐπίσκοπος ἀπὸ ἑτέρας ἐπαρχίας λαμ-
βάνειν ⁷ ἐπίσκοπον ἐπιγνώμονα. V₁.

216. V₁ (κτ̄ βτοροῦ ὁλοβινῆ) Ποῦ φησι τὴν ἐκκλησίαν γυμνά- 25
ζεσθαι καὶ ἀνανεοῦσθαι τὴν δίκην καὶ πῶς.

IV. 217^a. Ven. Ἐκ τούτου τοῦ κανόνος εἴρηται τὸ Ῥωμαϊκῆς 30
ἀλαζονείας· καὶ τοῦτον ὡς τῆς ἐν Νικαίᾳ συνόδου πάλαι προβαλλόμενοι
ὕπὸ τῆς ἐν Καρθαγένῃ συνόδου ἐάλωσαν κακουργίας οἱ τότε τῶν Ῥω-
μαίων προεδρεύοντες, ὡς αὐτὸ δηλοῖ τὸ συνοδικὸν προσίμιον τῆς ἐν
Καρθαγένῃ. πλὴν οὐδὲ οὗτος αὐτοῖς ὁ κανὼν πλέον τι χαρίζεται τῶν
ἄλλων κανόνων, κἄν ἀλόγως τοῦτο δοκῶσιν· οὐ γὰρ ἀπλῶς πάντα καθ-

¹ διαλεκτικόν? ² Κορ. XII 2—4. ³ сравн. Римл. XV 18—19; ⁴ μήτε Ath.
⁵ ἀξιοῦσθαι κοινωνίας P Ath. ⁶ другоῦ рукоῦ в P. ⁷ καλεῖν. V₁.

αιρεθέντα φησὶν ἄδειαν ἔχειν ἐκκλητον διδόναι τῷ Ῥώμῃς (οὕτω γὰρ 5
ἂν ἦν ἀντικρὸς πολεμουσα τῇ οἰκουμενικῇ συνόδῳ ἢ ἐν Σαρδικῇ), ἀλλὰ
τὸν ὑπὸ τῶν γειτνιαζόντων ἐπισκόπων καθηρημένον, καὶ πάλιν τὸν ὑπὸ
τῆς αὐτῆς ἐνορίας· οὕτε γὰρ μητροπολίτου συνέλευσιν, οὕτε ἐξάρχου
5 ἦτοι πατριάρχου συμπαρουσίαν συμπεριλαμβάνει· ὥστε, ἔνθα ἂν τις
τούτων παρῆ καὶ οὐδὲ ὑπὸ τῶν γειτνιώντων οὐδὲ ἐν τοῖς γειτινώσιν ἢ
τοῦ ἐπισκόπου κατάκρισις συστῆ, οὐδεμία ὑπὸ τοῦ Ῥώμῃς ἀναψηλά-
φησις ἔσται, οὕτε τῷ προκειμένῳ κανόνι περιληφθήσεται· οὗτος γὰρ
προδήλως περὶ μόνων τῶν ἐν τῇ Δύσει ἐκπεφώνηται, διότι καὶ ὁ Ὅσιος
10 καὶ οἱ σὺν αὐτῷ ἐκθέμενοι τοὺς κανόνας ἐκ τῶν μερῶν ἐκεῖνων ἦσαν·
ἐν γὰρ τῇ Ἀνατολῇ οὐδαμῶς μέχρι νῦν συνήθεια τοιαύτη κεκράτηκεν.

217^b. V₁ Πρόδηλον περὶ τῶν ἐν Δύσει ἐπισκόπων... οὐ κεκράτηκεν.
V. 218. Ven. Ὁ παρῶν κανὼν τοῦ πρὸ αὐτοῦ δοκεῖ ἀπόκρισις 15
εἶναι. V₁.

219. V₁ Τί φησι περὶ τῶν ὀφειλόντων ἀποσταλῆναι πρεσβυτέρων 15
ἐκ προσώπου τοῦ πάπα.

VI. 220. (κτ̄ ἐξάρχου τῆς ἐπαρχίας.) Ven. Τίνα καλεῖ ἐξάρχον.
221. L₁ Ὅτι οὗτος ὁ κανὼν οὐχ ὡς ἢ δ' σύνοδος τὸν πατριάρ-
χην, τὸν μητροπολίτην δὲ καλεῖ ἐξάρχον.

222. Ven. (κτ̄ срединѣ) Ἐόνον καὶ ἐναντίον τοῖς ἄλλοις κανόσιν. V₁P¹.

223. V (κτ̄ концы) Περὶ καινουργήσεως ἐπισκοπῆς
VII. 224. V (κτ̄ сирαιопедон) Στρατόπεδον, ἐν ᾧ τόπω βασι-
λεὺς διατρίβει, εἰώθασιν οἱ παλαιοὶ καλεῖν.

225. V (κτ̄ προσῆγον ἐστὶν τοῖς πένησιν καὶ τοῖς λαϊκοῖς 25
ἢ ταῖς χήραις συναίρεσθαι καὶ ἐπικουρεῖν) Καὶ ποῦ νῦν τοῦτο,
μακάριε Ὅσιε;

226. V (κτ̄ ἐπειδὴ πολλάκις...) Ἐπισημαντέον, ὅτι πᾶσιν ἀπρο-
φασίστως τὸν ἐπίσκοπον ἐπικουρητέον, μὴδὲν φιλοκρινούοντα ² περὶ τοῦ
εἰ ἀδίκως ἢ δικαίως ὁ ἐπικουρίας δεόμενος πάσχει.

227. L₁ Περὶ τῶν προσφευγόντων τῇ ἐκκλησίᾳ φόβῳ περιορισμοῦ 30
ἢ ἑτέρας μωρίας.

IX. 228. Ven. Σκόπει, ὅσοι κανόνες (μικροῦ σύμπαντες) ταύτης τῆς
συνόδου μερικὰς καὶ οὐ καθολικὰς κανονίζουσι πράξεις καὶ μόνας ἐκεῖ-

¹ другоῦ рукоῦ в P. ² еод. φιλοκρινούοντα.

νας, αἱ τῆ ἐνορία τοῦ Ῥωμαϊκοῦ ἀνήκουσι θρόνον· ὥστε, εἴ τις ἐθέλοι σῶζεσθαι καὶ τιμᾶσθαι τούτους, οὐκ ἂν αὐτοὺς εἰς καθολικὸν ἐκβίασαιτο **σχῆμα** (οὐδὲ γὰρ αὐτὰ τὰ πράγματα ἐσ̃), ἀλλ' ἐξ ὧν περὶ τοῦ Ῥώμης οὗτοι διορίζουσι, δύνανται καὶ ἕκαστος τῶν λοιπῶν τεσσάρων πατριαρχῶν ὑπὲρ τῶν εἰς τὴν ἰδίαν τῆς πατριαρχίας ἐνορίαν πραττομένων κεχρησθαι αὐτοῖς· οὐ γὰρ ὑπὸ τὸν Ῥωμαϊκὸν θρόνον ἀπάσας ἀναφέρουσι τὰς διοικήσεις (τοῦτο γὰρ ἀδύνατον καὶ ξένον τῶν ἐκκλησιῶν), ἀλλ' ἐξ ὧν τὰ ἐν τῆ Ῥωμαϊκῇ ἐνορίᾳ διοικούμενα εἰς τὴν τοῦ Ῥώμης προέδρου ἀναφέρουσι γνώμην, ἐκ τῶν αὐτῶν ἐστὶν ἐννοεῖν, ὅτι καὶ τὰς ἐν ἐκάστη τῶν ἄλλων πατριαρχῶν διοικήσεις εἰς τὴν τοῦ οἰκείου πατριάρχου ἀναγεσθαι διδόσιν κρίσιν· οὕτω γὰρ καὶ ἡ ἐν Βενετάλοις σύνοδος τὸν κανόνα τοῦτον ἐνόησεν.

X. 229. Σχόλιον. ¹ Ὅτι τοὺς πλουσίους καὶ τοὺς ἀπὸ τῆς ἀγορᾶς σχολαστικούς ὁ κανὼν οὗτος κωλύει. διὸ οὐδὲ δοκεῖ καθόλου μάχεσθαι τοῖς ἀποστολικοῖς κανόσι καὶ ταῖς οἰκουμενικαῖς συνόδοις, αἷς ἢ ἀπὸ λαϊκῶν τῶν μὴ προσφάτως πιστευσάντων ἀκώλυτός ἐστι πρόσδος παντελῶς εἰς τὴν τῶν ἐπισκόπων τιμῆν· τὸ μέντοι γε “νεόφυτον” ἀλόγως ἅμα καὶ ἐναντίας τοῖς πρὸ αὐτοῦ κανόσιν ἐνόησε· νεόφυτος γὰρ καὶ τῶ θεῖφ ἀποστόλῳ καὶ τοῖς ἄλλοις ἡμῶν πατέρας καὶ τοῖς κανόσιν οὐχ ὁ νῦν εἰς κλῆρον ² παραγγέλλων, ἀλλ' ὁ τὴν χριστιανῶν πίστιν ἄρτι περιλαμβάνων καὶ νοεῖται καὶ λέγεται. πλὴν καὶ ἐπισκόποις ὅτι οὗτος ὁ κανὼν οὐχὶ ἐπισκόπους μόνον μὴ γίνεσθαι ἀπὸ λαϊκῶν ἀνοήτως προσδιορίζεσθαι συγχωρεῖ, ἀλλ' οὐδὲ πρεσβύτερον ἢ διάκονον, ἕπερ ταῖς ἀπανταχῆ ἐκκλησίαις ὁρᾶται ἀπρόσδεκτον, πλὴν εἴ μὴ τις πάλιν ἐπὶ μόνων τῶν ἀπ' ἀγορᾶς πλουσίων καὶ σχολαστικῶν τὸν κανόνα διαλαβεῖν λέγει. βοήθειαν ³ αὐτῷ ἐπινοῶν τινα. ἄλογος δὲ ⁴ παντελῶς καὶ ἡ τῆς παραιτήσεως αἰτία· διὰ γὰρ τὴν δοκιμασίαν τῶν τρόπων δεῖν φησιν παραλαμβάνεσθαι τὸν χρόνον, ὥσπερ οὐ κακὸν (?) τὸν λαϊκὸν ἐξετάζομενον δοκιμῆν παρασχεῖν βίου. καίτοι εἰ μὴ δυνατὸν δοκιμασίαν βίου ⁵ δοῦναι λαϊκόν, οὐδ' ἀπλῶς εἰς κλῆρον ὅλως χρῆ παραγγέλλειν τοῦτον· ἀδύνατον γάρ, ὡς ἡ ἀνοια ⁶

¹ у Pitra нѣтъ слова: *σχόλιον*, которое взято изъ Hergenröther, Photius III 118⁴⁵. ² εἰς κληρικὸν Pitra, εἰς κληρικούς Hergenröther въ томъ же сл.; я предпочелъ чтение по Amerbach. (у Bevereg., 200), такъ какъ сравн. ниже въ строкѣ 30; εἰς κλ... παραγγέλειν. ³ Pitra: βοήθη. ⁴ Pitra: [ὡς] ἄλογος και. ⁵ βίου добавл. нзъ Hergenr. ⁶ такъ Hergenr.; а у Pitra: πρόνοια.

βούλεται, δοκιμῆν βίου λαϊκοῦ λαμβάνειν· ἀδόκιμον δὲ πῶς ἂν τις εἰς τάξιν ἄγοι κληρικῶν; ὥστε ἢ ὅλως ἀπείργει τὸ παρὸν νοήμα, μηδένα καθίστασθαι κληρικόν, ἢ τάναντία ὧν ἐπαγγέλλεται κατασκευάζει, τοὺς ἀνεξετάστους βίους τῶν λαϊκῶν κληρικῶν ὑποβάλλεσθαι τάξει ἀξιούων, εἴ μὴ τι ἄρα νομεῖται δεῖν τοὺς εἰς κληρικούς μέλλοντας εἰσιέναι κληρικούς ¹ χρηματίζειν πρότερον· εἰς τοῦτο γὰρ ἡ ἀνοια τελευταῖ. (πзъ Pitra II 649 по Monac. 122 л. 113). Ven.*

230. V Καὶ ποῦ οἱ νῦν σχεδιάζοντες τοὺς ἱερούς βαθμούς, μᾶλλον δὲ ἐπὶ πολλῇ συγγνώσει τῶν ἀτόπων καὶ ἀσελγῶν τὸ τῆς ἱερωσύνης ἄχραντον παρεχόμενοι;

XI. 231. V Ὅτι οὐ χρῆ ἐπίσκοπον τῆς ἑαυτοῦ παροικίας ἄνευ εὐλογωτάτης αἰτίας ἐπὶ τρεῖς ἐβδομάδας ἀπολιμπάνεσθαι.

232. V₁ Τί φησιν ἐπὶ λαϊκοῦ μὴ κοινωνοῦντος ἐπὶ τρεῖς κυριακάς.

XII. 233. V Ἐνταῦθα σαφέστερον περὶ τῶν τριῶν ἐβδομάδων.

XIII. 234. V Εἰ ἐπὶ τῶν ἱερωμένων οὕτω, τί ἐπὶ τῶν λαϊκῶν;

XIV. 235. Οὗτος ὁ κανὼν ἐναντίας τοῖς πρὸ αὐτοῦ καὶ συγχύσεως καὶ σκανδάλων αἰτιος· τὸ μὲν γὰρ καταδικασθέντα ὑπὸ τοῦ ἐπισκόπου τὸν κληρικὸν ἐπὶ τὸν κοινὸν ἀνατρέχειν μητροπολίτην ἀκόλουθον καὶ κανονικόν· τὸ δ', ἂν μὴ παρῆ ἐκεῖνος, εὐθέως ² εἰς ἕτερον καταφεύγει καὶ κύριον καὶ ἐξεταστὴν ποιεῖν τοῦ ἐπισκόπου αὐτοῦ τὸν μηδέποτε ἐξουσίασαντα αὐτοῦ (ἡ γὰρ τῆς πράξεως ἕτασις δηλονότι τὸν πεπραχότα συνεξετάζει καὶ ὑπόδικον ποιεῖ) πῶς οὐ παράλογον καὶ παρκετικὸν θορόβου καὶ παραχῆς καὶ τῆς εὐταξίας λυμαντικόν; (πзъ Pitra II 649 по Monac. 122 л. 311). Ven.*

XV. 236. V Περὶ τοῦ, ὅτι οὐ δεῖ ἐπίσκοπον ἐκ τῆς μὴ προσηκούσης αὐτῷ παροικίας λαμβάνειν κληρικὸν ἐπὶ πρόχειρῆσει βαθμοῦ ἄνευ γνώμης τοῦ παρ' ᾧ ἐστὶ κληρικός.

XXI. 237. V (κ̃ъ началу словъ Гауденція) Μακάριος εἶ, ἄγιε τοῦ θεοῦ, καὶ αἰωνία ἐν ἀγαθοῖς ἡ τιμία μνήμη σου.

Κτ̃ ραβιλαμ̃ Καρϑαγενскаго собора 419 г.

въ дѣянїи 419 г. **238.** (послѣ предисловія, передъ словами Аврелія) Σχόλιον περὶ τῆς Ἀφρικῆς. Ἰστέον, ὅτι τῆς Ἀφρικῆς μούραι

¹ такъ Hergenr.; а у Pitra: κληρικόν. ² по Hergenröther (l. с. 118⁴⁶): εὐθύς, и далѣе: καταφευγείν π̃ ἐξετάσις (BM. ἕτασις).

είσιν ὀκτώ· πρώτη μὲν, ἦν ἡ Ἀλεξάνδρεια καὶ ἡ Πεντάπολις Λιβύης καὶ ἡ προσαγορευομένη Ἐρημος Τριπολίτις συμπληροῦσι· δευτέρα δὲ ἡ τοῦ Βυζακίου· τρίτη δὲ ἡ τῆς Καρχηδόνας, ἡ καὶ Προκονσουλαρία ἦτοι Ἀνθυπατικὴ καλουμένη. εἶτα Νουμιδίαι δύο, Παλαιά τε καὶ Νέα. ἔπειτα Μαυριτανίαι τρεῖς, Καισαρηνσία ἡ καὶ Καισαρειανὴ καλουμένη 5
παρὰ τοῦ τῆς μητροπόλεως αὐτῆς ὀνόματος, Σιτιφηνσία, ἧς ἡ μητρό-
πολις Σιτιφῆνσα, Τιγγιανὴ ἡ τὴν μητρόπολιν ἔχουσα Τίγγιν. (изъ Bevereg., II, annot., 202). Ven. *

239. Ven. (κτῶν Φαυστίνου ἐπίσκοπος Πικένου τοῦ λαοῦ τοῦ Ποιεντίνου) Σχόλιον. Πικένος πόλις Ἰταλίας, λέγεται δὲ καὶ θηλυκῶς 10
Πικενος, ὡς Ἀρίμηνον καὶ Ἀρίμηνο· ὁ οἰκῆτωρ Πικένος καὶ Ἀρι-
μηνός, ὡς τοῦ Αἰκάνου Αἰκάνος. Ποτεντία πόλις Ἰταλίας, λέγεται δὲ
καὶ Ποτεντός· ὁ πολίτης Ποτεντίνος, ὡς Πικεντία Πικεντός, Πικεντίνος.

240. V (κτῶν ροуамῶν Фаустина: *ινὰ μὲν τάξει καὶ κανόνι*
κρατιοῦνται, ινὰ δὲ συνήθειά εἰυπώθη) Ὅτι καὶ ἡ συνήθεια 15
ἐγγράφου δόναμιν ἀποφέρεται.

241. P (κτῶν ροуамῶν Даниїла нотарія) Σχόλιον ¹. Οὐκ ἔστι τῆς
ἐν Νικαία συνόδου ὁ κανών, ἀλλὰ τῆς ἐν Σαρδικῇ πέμπτος· ὅθεν καὶ
οἱ τῆς παρούσης συνόδου ἔφεσαν αὐτὸν ἀγνοεῖν, καθὰ δηλοῦσιν αἱ περὶ
τούτου αὐτῶν ² ἀποφάσεις. Ven. 20

242. L₁ (κτῶν ροуамῶν Зосимы) Ὅρα τὸ ψεῦδος ἐκ θυρῶν τῆς Ῥω-
μαϊκῆς ἅμα κακουργίας καὶ ἀλαζονείας.

243. P (послѣ Аурѣлиος ἐπίσκοπος εἶπεν· Ἀναγνωσθήτω...) 25
Σχόλιον. Τὰ λοιπὰ τοῦ κομμονητωρίου.

244. Ven. (κτῶν Ἀλύπιος ἐπίσκοπος Ἀδαγαθέων πόλεως) 25
Τῶν τῆς Ἀδαγαθῆς πόλεως οἰκητόρων.

245. L₁ (κτῶν ροуамῶν Алипія) Ἀδύνατον γὰρ ἦν τὸ πεπλασμέ-
νον ὡς γεγενημένον ἐν ταῖς γνησίαις εὐρεῖν.

246. Ven. (κτῶν ροуамῶν Осія) Τῆς ἐν Σαρδικῇ συνόδου κανών ιδ'.

247. Ven. (κτῶν Αὐγουστίνου ἐπίσκοπος τῆς ἐκκλησίας Ἰπ-
πῶνος τῆς Νουμιδικῆς χώρας) Ἰππῶνες εἰσὶ δύο τῆς Νουμιδίας
πόλεις, ὁ μὲν Βασιλικός, ὁ δὲ Διάρρυτος ἐπονομαζόμενοι. 30

¹ σχόλιον προπ. Ven.

² τούτων Ven. (ВМ. τούτου αὐτῶν).

IV. 248^a. Ven. Ἐντεῦθεν παρὰ Ῥωμαίοις ἐκράτησε τὸ μηδὲ
πρεσβυτέρους νομίμοις ὀμιλεῖν γάμοις· ἐκδηλότερον δὲ καὶ διὰ τῶν
ἐφεξῆς γίνεται κανόνων, ὡς ἡ σύνοδος αὕτη τὸν ἐνθεσμον γάμον τῶν
πρεσβυτέρων καὶ διακόνων ἐκώλυσε, ἀντιφθεγομένη τοῖς συγχωροῦ- 5
σιν ἔχεσθαι τοὺς ἱερωμένους τῶν ἤδη συστάντων νομίμων γάμων. ἔστι
δὲ εἰπεῖν, ὅτι οὐχ ἀπλῶς τοῦτό φασιν, ἀλλὰ κατὰ τὸν καιρὸν μόνον
τῆς ἱερουργίας καὶ τῆς ἄλλης ἱεραῖς ὑπηρεσίας ἀπέχεσθαι τῶν γαμετῶν
αὐτῶν αὐτοὺς βούλονται, ὅπερ ὅσιον καὶ τῷ θείῳ Παύλῳ καθόλου
προδιατυπωθέν.

248^b. V Ὅτε δηλονότι ταῦτα ψηλαφᾶν καιρός, οὐ διὰ παντός·
ἀντιφθέγγεται γὰρ τοῦτο τοῖς συγχωροῦσι τοὺς ἱερωμένους τῶν ἤδη
νομίμων γάμων ἀντέχεσθαι.

249. Ven. Ζήτηι τὸν κέ' κανόνα καὶ τὸν ο' καὶ τὸν ιγ' τῆς ε'
συνόδου.

V. 250. V₁ Περὶ ἀπληστείας.

VI. 251. Ven. (κτῶν ροуамῶν Аврелия) Ζήτηι τὸν μγ' κανόνα.

252^a. Ven. Τοῦτο τῆς Ῥωμαϊκῆς ἔστι ἴσως αἷτιον παραφυλακῆς·
κρατεῖται γὰρ παρ' αὐτῶν. ἀλλ' ἡ κορῶν καθιέρωσις καὶ παρορᾶται,
εἰ καὶ μὴ παρὰ πάντων, μήποτε δὲ χρίσματος ποιήσας. οὐχὶ τὸ χρίειν 20
φησὶ τοὺς ἄρτι φωτιζομένους, ἀλλὰ τὸ ἱερουργεῖν αὐτὸ τὸ ἅγιον μύρον·
τοῦτο πανταχοῦ κεκράτηκεν ὑπ' οὐδενὸς πρεσβυτέρου τελεσειουργηθῆναι
τολμώμενον. σκόπει δέ, ὅτι οὐκ ἔστι πρεσβύτερον μετανοοῦντι συγγινώσκειν,
οὐδὲ ἀπολύειν τὸν ὑπὸ ἐπιτίμιον ὄντα ἄνευ τῆς γνώμης τοῦ κατὰ τὸν
τόπον ἐπισκόπου.

252^b. V (κτῶν ροуамῶν Фортуната) Ὅτι οὐκ ἐξὸν πρεσβυτέρῳ με-
τανοοῦντι συγγινώσκειν, ἀλλ' ἐπισκόπῳ.

252^c. V (κτῶν ροуамῶν всѣхъ) Σκόπει, ὅτι ὑπὸ ἐπιτίμιον ὄντα
τινὰ ἀπολύσαι οὐκ ἐξὸν πρεσβυτέρῳ ἄνευ τῆς τοῦ ἐπισκόπου γνώμης,
τοῦ κατὰ τὸν τόπον δηλονότι καθεστῶτος.

IX. 253. V (κτῶν ροуамῶν Августина) Ὅτι οἱ τοὺς ὑφ' ἐτέρου ἀφο-
ρισθέντας δεχόμενοι καὶ αὐτοὶ τῷ ἴσῳ ἐγκλήματι ἐνέχονται.

X. 254. V (κτῶν κερωρισμένων) Ἀντὶ τοῦ ἰδιαζόντως.

XI. 255. V (κτῶν ροуамῶν Феликса) Περὶ τοῦ πόσοι ἐπίσκοποι ἐξε-
τάσαιεν ἐγκλήμα ἐπισκόπου, καὶ πόσοι πρεσβυτέρου, καὶ πόσοι διακόνου.

256. V (κτ̄ словам̄ всѣхъ еп̄. въ концѣ) "Ότι οἱ τὰ ἑαυτῶν ἀρνούμενοι ἰδιόχειρα καθαιροῦνται.

XV. **257.** V (κτ̄ ἐκλήπιτες) Ἐκμισθωταί, ἤτοι ὑποβάλλοντες ἑαυτοὺς ἀλλοτριῶς τέλεσιν ἐφ' ὠρισμένῳ λόγῳ· οἷόν τι ποιῶσι καὶ οἱ δημοσιῶναι καὶ τελῶναι. οὗς νῦν κουμερκιάρους φασίν.

258. V "Ότι εἴκοσι καὶ πέντε ἐτῶν δεῖ τὸν διάκονον εἶναι τῷ καιρῷ τῆς χειροτονίας.

259. Ven. Τίνες οὐκ ὀφείλουσιν θεώρια κοσμικὰ ἢ ἑκτελεῖν ἢ θεωρεῖν. VI.

XVIII. **260.** P Ὁ κανὼν περιέχει· "Ἰνα οἱ χειροτονούμενοι διδάσκωνται τὰ τῶν συνόδων. "Ἰνα τοῖς σώμασι τῶν νεκρῶν ἢ εὐχαριστία μὴ δοθῇ. "Ἰνα τοὺς τελευτήσαντας μὴ βαπτίζωμεν. "Ἰνα καθ' ἕκαστὸν ἐνιαυτὸν σύνοδος γένηται. Ath.

261. P "Ότι τοῖς σώμασι τῶν τελευτησάντων οὐ δίδεται εὐχαριστία.

262. P "Ότι οὐ δεῖ βαπτίζειν τοὺς τελευτήσαντας.

263. V (κτ̄ началу) "Ότι μέχρι τοῦ ἐλεγχθῆναι τὸ ἔγκλημα οὐκ ὀφείλει ὁ κατηγορούμενος ἱερεὺς ἀτιμοῦσθαι.

264. V (κτ̄ концы) Τοῦτο καὶ οἱ ἑκατονπεντήκοντα καὶ οἱ χιλ' ὠρισαν πατέρες.

XIX. **265.** V (κτ̄ концы) Προεῖρηκε γάρ, ὅτι εἰ μετακαλούμενος ἐκτὸς ἀσχολίας ἐντὸς μηνὸς μὴ ἀπαντήσῃ, ἔνοχος ἔσται, καὶ ὅτι τὰ πρόσωπα τῶν κατηγορούντων ἀνεπίληπτα δεῖ εἶναι.

XXV. **266.** Ven. Ζήτει τὸν δ' κανόνα καὶ τὸν σ'.

XXVI. **267.** V Περὶ τῶν ἀλόγως ἐκποιουμένων τὰ ἐκκλησιαστικά.

XXX. **268.** V Ἐὰν δὲ ὁ πρὸς κατηγορίαν βιαζόμενος βασιλεὺς ἢ τί προστάσσετε, ἄγιοι πατέρες;

XXXVII. **269.** Ven. Ἐένον. περὶ ἀπαρχῆς μέλιτος καὶ γάλακτος τί φησιν ὁ κανὼν². PV₁.

270. V Σημείωσαι· φοβερόν.

XXXIX. **271.** Ven. Ἐένον καὶ ἐναντίον τοῖς ἄλλοις. P

XLI. **272.** Ven. Ζήτει τῆς ἐν τῷ τροῦλλῳ συνόδου κανόνα κθ'.

273. Ven. Ἐένον. τί φησιν, ἐν ἧ ἡμέρᾳ ἐπιτελεῖται τὸ κυριακὸν δεῖπνον, καὶ εἴ τις δειλινὸν τελευτήσῃ.

¹ ἢ проп. VI. ² οὗτος добавл. VI.

(κτ̄ παράθεσις) **274^a.** Ven. Παράθεσις ἰδία τῶν εὐχῶν πρὸς τὸν θεὸν σύστασις καὶ οἷον οἰκείωσις τοῦ τελευτήσαντος. οἱ δὲ τὴν ἐκκομιδὴν ἤτοι τὸ ἐξόδιον εἶπον.

274^b. V Ἀντὶ τοῦ ἐκκομιδῆ, ἐξόδιον ἤτοι παραστάσιμον.

275. Ath. "Ότι τοῦτο νῦν μᾶλλον δὲ ἐκ παλαιοῦ ἀκοῆ ἔστιν φορητόν, πολλῶ δὲ μᾶλλον οὐδ' ἢ πράξις οἷδεν θεμιτόν· οὐδεὶς γάρ οὐδαμῶ ἐν οὐδεμιᾷ ἡμέρᾳ μετὰ βρῶσιν ὁράται τὰ θεῖα μυστήρια ἤτοι τὴν εὐχαριστίαν ἱερουργῶν. ὥστε ἔξεστιν συνιδεῖν, ὅτι πολλὰ καὶ τῶν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ παλαιῶν ἐθῶν κατὰ προκοπὴν ἐντελεστέραν εἰς τὸ εὐσεβέστερον ἐκαινίσθη.

XLIII. **276.** V (κτ̄ ἀμίδος) Τοῦ προπυλαίου.

XLVII. **277.** V₁ Περὶ τῶν παθῶν τῶν ἀγίων μαρτύρων.

XLVIII. **278.** V (κτ̄ - μονοτονίας) Μονότονος ὁ αὐθάδης καὶ ἰδιόρρυθμος.

XLIX. **279.** L (κτ̄ словам̄ Аврелия: Ὁ ἀρχαῖος τύπος φυλαχθήσεται...) Ὁμοφωνεῖ τῷ δ' κανόνι τῶν ἐν Νικαίᾳ.

LX. **280.** V κτ̄ словам̄ Аврелия: πρεσβύτερος πρὸς ἐπισκοπὴν δυσχερῶς εὐρίσκειται ἐπιτιθέμενος "Ότι μὴ πᾶς πρεσβύτερος ἤδη καὶ εἰς ἐπισκοπὴν ἄξιος προβιβάζεται.

LVI. (κτ̄ ἀποδουρθεῖη) **281^a.** Ven. Ληφθεῖη, ἀποσπασθεῖη, ἀλλοτριωθεῖη.

281^b. V Ἀντὶ τοῦ ἀποσπασθεῖη, ἀφαιρεθεῖη, ἀλλοτριωθεῖη.

282. V (κτ̄ πολλὰ ἐκκλησιαῖα οὕτως ὑπάρχουσιν ἔρημοι, ὡς μηδένα διάκονον, καὶ ἀγρόματιον, ἔχειν εὐρίσκεισθαι) Εἰ μὴ πολλὴ ἀκρίβεια ἐσκοπεῖτο, οὐκ ἂν ἦν τσαύτη ἀπορία τῶν χειροτονουμένων.

LVIII (κτ̄ οἱ ναοὶ αὐτῶν οἱ ἐν τοῖς ἀγροῖς καὶ ἐν ἀποκεκρυσμένοις τόποις χωρὶς υἱος εὐκοσμίας καθεστῶτες παντὶ τρόπῳ κελευσθῶσι καισιραφῆναι). **283^a.** V Ὡς οἱ γε μετ' εὐκοσμίας οὐχ οὕτως. ἢ τοῦτο μὲν οὐδὲν εἰς παραίτησιν τοῦ κακοῦ, ἀλλ' ἐκ παντὸς ἐκριζωτέον, μηδὲν εἰς φειδῶ τοῦ κάλλους συντελοῦντος αὐτοῖς. ἀλλὰ καὶ τοὺς δοκοῦντας λανθάνειν δι' ἀπρέπειαν καὶ ἐν ἀγροῖς συναναιρετέον· οὐ γὰρ τῷ κάλλει φθονοῦντες τὰ ἑλληνικὰ ἐδαφίζομεν, ἀλλὰ τῆς πλάνης καὶ ἀπωλείας τὰ ὑπομνήματα ὀλοθρευόμεν.

283^b. Ven. "Ὅτι οὖν τοὺς μετ' εὐκοσμίας οὐ καθαιρετέον, (ἀλλ') ἐκ παντὸς ῥιζωτέον, μηδὲν αὐτοῖς συμβαλομένου πρὸς φειδῶ τοῦ κάλλους. καὶ οὐ τούτους καταστρεπτέον μόνον (τοῦτο γὰρ πρόδηλον), ἀλλὰ καὶ τοὺς ἐν ἀγροῖς ὄντας καὶ δοκοῦντας λανθάνειν δι' ἀπρέπειαν συναιρετέον· οὐ γὰρ τῷ κάλλει φθονοῦντες τὰ ἑλληνικὰ ἐδαφίζομεν, ἀλλ' ἀπλῶς τῆς 5 πλάνης καὶ ἀπωλείας ὑπομνήματα ὀλοιδρεύομεν.

LIX. **284.** V (κτ̄ αἰτίαν ἀποστολικῶ δικαίῳ τῶ ταῖς ἐκκλησίαις ἐπιχειμμένῳ γυμνάσαι) Τουτέστιν, εἰ μὴ ὑπ' ἐκκλησιαστικοῖς ἀρέσκοιντο κρίνεσθαι.

LXIII. **285.** V (κτ̄ κοινῶ) Σκόπει, ὡς τῷ θελήματι τοῦ βαπτι- 10 ζομένου ἐπιτρέπει τὸ ἐπιτήδευμα.

LXVII. **286.** Ven. Ζήτει τὸν ξθ' καὶ τὸν πη' περὶ Μαξιμιανιστῶν.

LXIX. **287.** Ven. Ζήτει τὸν πη' κανόνα.

288. Ven. (κτ̄ τοῦτων κοινωνίαν) Τῶν Μαξιμιανιστῶν δηλονότι.

LXX. **289.** V (κτ̄ κατὰ τοὺς ἰδίους ὄρους) 'Ἠνίκα τι ἱερο· 15 διαπράττοντο.

290. V (κτ̄ ὄπερ εἰ' μι) ποιήσαιεν... ἀποκηνηθῶσι τὰξεως) Καὶ τίς αὐτοὺς ἐλέγξει δυνήσεται;

LXXIV. **291.** Ven. "Ὅτι ἐντὸς ἐνιαυτοῦ φησιν ἐναντίως τοῖς 20 ἄλλοις. P.

LXXV. **292.** P Καὶ τοῦτο ἐναντίον μὲν, ὠραῖον δὲ. Ath.

LXXVI. **293.** P Ξένον ἐπιτίμιον. Ath.

LXXXVI. **294.** V (κτ̄ κοινῶ заглавіа: τοὺς μειαγενεσιτέροις χειροιονηθέντας μὴ τολμαῶν ἑαυτοὺς προιμαῶν τῶν προτέρων) Τοῦτο μέχρι νῦν ἐν 'Ρώμῃ φυλάττεται. 25

295. V (κτ̄ κοινῶ словъ Валентина) Τοῦτο περὶ τῶν μὴ ἐν τάξει καθισταμένων θρόνων ἐκ τῶν ὑπεσταλμένων τῷ κανόνι τούτῳ ἐξηκριβώσαμεν.

XСIII. **296.** Ven. (κτ̄ срединѣ κομμονητόριον τοῖς ἀδελφοῖς Θεασίω...) Περὶ τοῦ νόμου τοῦ κωλύοντος αἵρετικὸν χειροτονεῖν. P. 30

297. Ven. 'Ὡς βιβλίον α' τοῦ κώδικος τίτλ. ε' διατ. β' καὶ γ' καὶ η' καὶ κ'. τῶν δὲ βασιλικῶν βιβλ. α' τίτλ. α' κεφ. ιζ' καὶ ιη' καὶ κβ' καὶ κη'.

298. Ven. Βιβλ. α' τοῦ κώδικος τίτλ. ε' διατ. δ' καὶ ε'. τῶν δὲ βασιλικῶν βιβλ. α' τίτλ. α' κεφ. ιθ' καὶ κ'.

XCVII. **299.** Ven. (κτ̄ κοινῶ) Πριμωσσός, ὡς Βηρωσσός, ὄνομα κύριον. καὶ Κερωσσός ὄνομα πόλεως.

5 CI. **300.** L₁ Τίς ἦν ἡ διχόνοια.

СIII. **301.** Ven. Ζήτει τοῦ γ' τίτλου κεφ β'.

302. Ven. 'Ἰκεσίας μὲν λέγει τὴν ὄλην λειτουργίαν, προοίμια δὲ τὰς ἄχρι τῶν θείων εὐαγγελίων ψαλμωδίας καὶ ἀναγνώσεις τῶν ἱερῶν Γραφῶν· παραθέσεις δὲ τὰς ἐπὶ τοῖς κατηχουμένοις εὐχάς, δι' ὧν πα- 10 ρατίθενται τῷ θεῷ ἐπιθέσεις δὲ χειρὸς τὰς μετὰ τὴν ἐπὶ τοῖς μετανοοῦσιν εὐχὴν γινομένας αὐτοῖς εὐλογίας τῆ τοῦ ἐπισκόπου χειρὶ.

303. Ven. Ζήτει τὸν ἐν Λαοδικεῖα κανόνα ιθ'.

CVIII. **304.** V (κτ̄ заглавію, гдѣ упоминаются Пелагіи и Келестій) 'Ἔοικε τῶν Δονατιστῶν εἶναι τοὺς ταλαιπώρους τούτους ἀνθρώ- 15 πους, καὶ τούτους πάλιν οὐκ ἄλλους, ἢ τοὺς Μασσαλιανούς ἦτοι Εὐχίτας ὑπάρχειν, ἐπεὶ καὶ ἡ Μασσαλία τῶν ἀντιπέρας ἐστὶ Λιβύης πρὸς τοῖς μέρεσι 'Ρώμης τῆς ἐπὶ Θύμβριδι. Ven.

CIX. **305.** V "Ὅτι ὁ Ἀδὰμ θνητὸς ἀπὸ θεοῦ οὐκ ἐγένετο.

CX. **306.** P Τὸ λεγόμενον ὠραῖον.

20 CXII. **307.** V (κτ̄ ἡ ἀγάπη ἐκ θεοῦ ἐσιν) Οὐαὶ ἡμῖν, μακάριοι πατέρες· τὴν γὰρ ἀγάπην ἡμῶν μὴ ἐχόντων (ἐψύγη γὰρ ἀφ' ἡμῶν τῷ πληθυνθῆναι τὴν ἀνομίαν¹), τί ἂν ἄλλο περιλείπεται, ἀλλ' ἢ τοῦ γλυκυτάτου ἡλλοτριῶσθαι Χριστοῦ; εἴπερ κατὰ τὸν μακάριον Ἰωάννην "ὁ τὸν ἀδελφὸν μὴ ἀγαπῶν ψεύστης ἐστίν"². οὐδεὶς δὲ ψεύστης ἐν 25 τῇ ἀληθείᾳ ἔστηκεν, ὃ ἐστὶ θεός. ἀλλὰ καὶ ἔριδος ἐν ἡμῖν οὐσης καὶ διχοστασίας, οἷς τὸ κατ' ἀνθρώπους προσευπορεῖται περιπατεῖν³, τὸ τῆς Χριστοῦ χάριτος πνεῦμα μακρὰν ἀφ' ἡμῶν καὶ τὸ γνῶρισμα τῶν ἑαυτοῦ μαθητῶν· καὶ τί τὸ ἐνεῦθεν; τὸ πονηρὸν τοῦτο συμπέρασμα μὴ εἶναι Χριστοῦ. τί γὰρ φησι Παῦλος; "εἰ δὲ τις πνεῦμα Χριστοῦ οὐκ ἔχει, 30 οὗτος (οἶμοι τῆς πονηρᾶς ὑπεξεργασίας) οὐκ ἔστιν αὐτοῦ"⁴.

308. Ven. 'Ἐν τῷ ιγ' ψαλμῷ. ἐν τῇ α' καθολικῇ τοῦ ἁγίου ἀποστόλου Ἰωάννου.

¹ cod. ἀνομίαν. ² Ιωανν. IV 20. ³ I Κορ. III 3. ⁴ Римл. VIII 9.

309. Ven. Ἐν τῇ α' καθολικῇ ἐπιστολῇ τοῦ ἁγίου Ἰωάννου γέγραπται οὕτως· "ἐὰν εἴπωμεν... ἁμαρτίας". (= I Ιωανν. I 8—9).

310. Ven. Ἐν τῇ καθολικῇ ἐπιστολῇ τοῦ ἁγίου Ἰακώβου γέγραπται οὕτως· "μὴ πολλοὶ διδάσκαλοι... ἅπαντες" (= Ιακωβα III 1—2).

311. Ven. Ἐν τῷ γ' τῶν Βασιλειῶν μετὰ τὸν ἀπαρτισμὸν τοῦ ναοῦ 5 προσευχόμενος ὁ Σολομών τῷ θεῷ, φησὶ πρὸς τοῖς ἄλλοις καὶ τοῦτο· ὅτι "οὐκ ἔστιν ἄνθρωπος, ὃς οὐχ ἁμαρτήσεται". (= III Царствъ VIII 46).

312. Ven. Ἐν τῇ βίβλῳ τοῦ ἁγίου Ἰωβ κατὰ τὴν τελευταίαν πασῶν δι' ἄλεξιν, ἣ ἔστι τοῦ Ἑλίου, γέγραπται οὕτως παρὰ τοῦ θεοῦ· "ἐν χειρὶ παντὸς ἀνθρώπου κατασφραγίζεται, ἵνα γινῶ πᾶς ἄνθρωπος 10 τὴν ἑαυτοῦ ἀσθένειαν". (= Ιοβα XXXVII 7).

CXIV. **313.** P Ὁραῖον πρόβλημα.

CXV. **314.** Ven. Ἐν τῷ ρμβ' ψαλμῷ.

315. P Ὁλον ὠραῖον.

CXX. **316.** V (κτ̄ ὅσπερ ἄλλων... ἐπέλθωσιν τοῖς λαοῖς) 15 Ἄντι ἄνευ κριτῶν διαγνώσεως.

CXXII. **317.** V (κτ̄ μονοτονίαν) Αὐθάδεια, σκληρότητα.

318. V (κτ̄ ἐκκαλεῖσθαι) Ἄντι τοῦ παραιτεῖσθαι, ἀπο- 20 πέμπεσθαι τὸ παρὸν κριτήριον, ἐφ' ἕτερον δὲ ἦτοι μείζον ἢ ἕλαττον ἐφείσιμον δίκην ποιεῖν.

CXXV **319.** Ven. Ζήτηι τὸν ρλη' κανόνα καὶ τὸν κη'.

320. Ven. Ὁρα τὸν Ῥωμαϊκὸν τύφον ὑπὸ τῆς συνόδου ταύτης πατούμενον οὐκ ἔα γὰρ τοὺς κεκρυμμένους ἐν ταῖς τῆς Καρ- 25 χηδόνης ἐνορίας ἐπὶ τὸν Ῥώμης διαπερᾶν ἢ ἀλλοθεν καὶ τῆς κρίσεως ἐπιιδιδόναι ἕκκλητον.

CXXVI. **321.** (κτ̄ загл.: *Περὶ παρθένων μικρῶν εἰ ἔτι μὴν 30 καλυπτιέον αὐτίας*) Τοῦτο δὲ ἔστιν, ὡς οἴμαι, τὸ περιβαλεῖν τὸ σχῆμα.

CXXVIII. **322.** V Περὶ τῶν ἀπὸ κοινωνίας, ὅτι οὐκ ὀφείλει κατη- 30 γορεῖν, οἷος ἂν ἦ.

CXXXI. **323.** Ven. "Ὅτι ἐντὸς ἰδ' ἐνιαυτῶν οὐ χρῆ προσδέχεσθαι 30 μάρτυρα.

CXXXII. **324.** Ven. "Ὅτι οὐ πιστεύεται μόνος ὁ ἀκούσας τὸ ἔγ- 30 κλημα, ἀρνούμενου τοῦ ἐξαγγείλαντος.

325. Ven. (κτ̄ σκινδαλιμῶ) Τοῦτέστιν τῇ λεπτολογίᾳ. γράφεται 30 δὲ καὶ τῷ σκανδαλισμῷ.

CXXXIII. **326.** V (κτ̄ τῷ αὐτῷ ἐπισκόπῳ) Τῷ ἀλόγως ἠφορικῶτι 30 καὶ λόγον οὐκ ἔχοντι τοῦ ἀφορισμοῦ ἀποδοῦναι.

327. V (за текстомъ) Θεός τις ἀνὴρ Αὐρήλιος οὗτος καὶ τοῦ 30 ἐπισκόπου ὀνόματος ἄξιος, δυνατός, εἴ τις ποτε καὶ ἄλλος, βίῳ καὶ λόγῳ καὶ ἔργῳ κρατῦναι (οὐχ ἤττον ἢ λόγῳ) τὴν εὐαγγελικὴν πίστιν τε καὶ ἀκρίβειαν.

CXXXIV (= посл. κτ̄ папѣ Бонифацію). **328.** Ven. (κτ̄ πεμ- 30 φθεῖσι τῷ αὐτῷ ἡς προσκυνη. μνήμης...) Πῶς ἢ τῆς Ῥώμης οἵησις καθαιρεῖται.

329. Ven. (κτ̄ ἐὰν ἐπίσκοπος κατηγορηθῆ...) Ζήτηι τὸν ἐν 30 Σαρδικῇ κανόνα ε'.

330. Ven. (κτ̄ ἐὰν δὲ καὶ πιστεύση...) Ζήτηι τὸν ἐν Σαρδικῇ 30 κανόνα ἰδ'.

331. Ven. (κτ̄ ἵνα ἡ κυρωθῆ ἢ διορθωθῆ...) Πῶς ὁ Ῥώ- 30 μης ἀθετεῖται.

332. Ven. (κτ̄ ὑπομενοῦμεν τὸν ὑφον τοῦτον...) Πῶς ὁ Ῥω- 30 μαϊκὸς πατεῖται τύφος.

CXXXVIII (= посл. κτ̄ папѣ Келестину). **333.** Ven. (κτ̄ про- 30 ενοήσατο, κύριε ἀδελφέ...) Περὶ τοῦ Ῥώμης.

334. Ven. (κτ̄ οὐδεμιᾶ τῶν πατέρων συνόδῳ ὁρισθὲν 30 εὐρίσκομεν...) Περὶ τοῦ Ῥώμης.

25 *Къ отвѣтамъ 84 епископовъ собора Карθαгенскаго 256 г. при Киприанѣ.*

Въ посланіи къ Яннуарію. **335.** V (κτ̄ χειροτονοῦντες [ὅπερ διὰ 30 παντὸς ἀσφαλῶς κραύνομεν]) Χειροτονοῦντες ἀντὶ τοῦ ψηφίζομενοι· χειροτονεῖν γάρ φασιν οἱ παλαιοὶ τὸ ψηφίζεσθαι.

336. V (κτ̄ ἡ ἁγία γραφή προμηνύουσα λέγει· ἀπὸ ὕδα- 30 τος ἀλλοτριῶν ἀπέχεσθε καὶ ἀπο πηγῆς ἀλλοτριᾶς μὴ πίετε) Οὐκ ἀκριβῶς μὲν τὸ παροιμιακόν, οὐδὲ διὸ λέλεκται· εὐσήμως μέντοι καὶ καταλλήλως παρειληπται.

337. V (κτ̄ πῶς δὲ εὐξῆται ὑπὲρ τοῦ βαπτισθένιοσ οὐχ ἱερὺς...) Χρησιμώτατον ἡμῖν πᾶν τὸ παρόν, εἴ τι καὶ ἄλλο.

338. V (κτ̄ δοκιμάζειν [γὰρ ἐστὶ τὸ ἰδν...]) Ἄντὶ τοῦ δόκιμον ἀποφαίνεν.

VI. **339.** V (κτ̄ цитатѣ изъ Притчеи Соломона у Немесиана) 5
Εὐθυβόλως μὲν ταῦτα τὰ γραφικὰ οὐ πρὸς τὰ παρόντα φέρεται, κατὰ καιρὸν δὲ μεταληφθέντα θαυμασίαν τιὰ τὴν ἠδονὴν ἐμποιεῖ.

XXV. **340.** V Ὁραῖον πᾶν.

XXVIII. **341.** V Καὶ τοῦτο παρεγκλίνει μὲν τοῦ πρὸς ὃ εἴρηται, 10
ἐπιθεξίως μέντοι ἐνταῦθα μετεχειρίσθη.

342. V Κἀγὼ φημί, εἰ τὸ πνεῦμα Χριστοῦ ἐστὶ τὸ ἐλευ-
θεροῦν ἡμᾶς καὶ εἰς υἰοθεσίαν καλοῦν κατὰ τὴν τοῦ θεοῦ ἀποστόλου
φωνήν ("ἐξαπέστειλεν γὰρ "φησί" τὸ πνεῦμα τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ εἰς τὰς καρ-
διάσ ἡμῶν κρᾶζον· ἄββα ὁ πατήρ. ὡστε οὐκέτι εἰ δούλοσ ἄλλ' υἱός" ¹),
τούτου δὲ ἀλλότριοι οἱ αἰρετικοί, ὡς μὴ δυνάμενοι ὀρθῶσ λέγειν ἐν 15
πνεύματι ἀγιῷ κύριον Ἰησοῦν (ὃ πνεῦμα Χριστοῦ μὴ ἔχων κατ' αὐτὸν
τὸν μακάριον Παῦλον μὴδὲ ὢν αὐτοῦ ²), πῶσ ἂν οὖν, ὃ μὴ ἔχει, δοίη ἢ
ἐλευθερώσῃ καὶ εἰς υἰὸν θεοῦ οἰκειώσεται διὰ τοῦ βαπτίσματος; ὡστε
βαπτιστέον ἄνωθεν τῷ ἀληθινῷ βαπτίσματι, ἵνα τὸ τῆσ ἀληθείασ ἐπ-
αναπαύσῃται πνεῦμα τῷ βαπτίζομένῳ καὶ τὸ πλάνον αὐτὸν καταλείπει 20
πνεῦμα. ὃ τῶν αἰρετικῶν ³ τὸ πεπλανημένον βάπτισμα προσεξένησεν.

XXXVIII. **343.** V Κἀγὼ πάλιν λέγω, τοῦ Παύλου φάσκοντοσ
"ὄσοι εἰσ Χριστὸν ἐβαπτίσθητε, Χριστὸν ἐνεδώσασθε" ⁴, τῶν δὲ αἰρε-
τικῶν ψευδοχρίστων κατὰ τὴν τοῦ κυρίου φωνήν ὄντων, οἱ μετὰ τὴν
αὐτοῦ παρουσίαν ἐληλύθασιν ⁵, πῶσ οἶόν τε τὸν ψευδόχριστον αἰρετικὸν 25
τὸν ἀληθῆ Χριστὸν ἐνδιδύσκων, εἰ μὴ που οὐδεμία διαφορὰ τοῦ ἀλη-
θοῦσ Χριστοῦ πρὸσ ψευδόχριστον; ἐπεὶ οὖν οὐ δύνάται ὁ ψευδόχριστοσ
τὸν ἀληθῆ ἀμφιάζειν Χριστὸν διὰ τοῦ παρ' αὐτῷ ὄθηεν βαπτίσματος,
ἀναβαπτίζέσθω ὁ τῷ ἀληθινῷ Χριστῷ ἀπὸ τῶν ψευδοχρίστων προσερ-
χόμενοσ, εἰ μέλλοι τῇ τοῦ ἀληθινοῦ ποιμένος συναγελάζεσθαι ποιμνῆ· ὡσ 30
γὰρ μία θύρα, δι' ἧσ μόνῃσ εἰσέρχεσθαι δυνατόν, ὡσ ἐστὶ Χριστόσ, οὕτωσ
καὶ μόνον ἐν βάπτισμα, τὸ αὐτὸν ἀμφιενθύνον Χριστὸν τὸν βαπτίζόμενον.

¹ Γαλατ. IV 6. ² Римл. VIII 9. ³ cod. αἰρετικὸν. ⁴ Γαλατ. III 27. ⁵ Мс. XXIV 24; Мрк. XIII 22.

XLIX. **344.** V Καὶ τοῦτο τοῖσ καθεστῶσιν ὀμολογον πρᾶγμα.

LXIII. **345.** V (κτ̄ концу) Οὐ δὲ καὶ λόγοσ κατηγορεῖ κανόνοσ καὶ
συνήθεια παρὰ τὸ προσῆκον ἐλέγγχει, τούτω συνηγορῶν τισ ἄρα τῶν
ἐπιγνωσκότων θεὸν ἢ τῆσ ἀνθρώπων ἀξίόσ ἐστὶ συναναστροφῆσ εἶναι;

5 LXXVII. **346.** V Πάλιν φημί, εἰ εἰσαγωγῆ τῆσ εἰσ Χριστὸν πί-
στεωσ αἴρεσισ ἢ σχίσμα, στοιχεισθω παρ' ἡμῖν καὶ τὸ βάπτισμα τούτων.
ὡσ πάντων ἐποφειλότων διὰ τῶν στοιχειωδεστέρων ἐπὶ τελειώτερα προ-
βαίνεν· εἰ δὲ οὐ μόνον εἰσαγωγῆ, ἀλλὰ καὶ ἐκτροπῆ καὶ παντελῶσ
ἀλλοτριώσισ καὶ ἀποστασία, σημειούσθωσαν προσιόντεσ τῷ τοῦ ἀγίου
10 βαπτίσματος φωτί, ἵνα μὴδὲν ἦ κοινὸν φωτὶ πρὸσ σκότοσ μὴδὲ συμφῶ-
νησισ Χριστοῦ πρὸσ Βελίαρ.

LXXXI. **347.** V Ὁραῖον πρὸσ τὰ παρόντα.

Κτ̄ πρῶλαμ̄ Трулльскаго собора 691 г.

Вс̄ προσφωνητικοσ. **348.** Ven. (κτ̄ εὐθειζοντεσ) Εὐθετίζεν 15
ἐστὶ τὸ εὔ διατίθεσθαι καὶ κοσμεῖν καὶ καλλωπίζειν, ἐνταῦθα δὲ ἐπὶ
τοῦ εὔ διδάσκειν εἴληπται.

349. Ven. (κτ̄ ...пᾶν τὸ ἀρχόμενον ἐκ τρικυμίας...) Ἐν τῷ
τέλει τῆσ πρὸσ Φιλιππησίουσ.

350. V (κτ̄ βασιλέωσ Κωνσταντινίου) Τὸν εἰσ ἐπώνυμον τὸν πῶ- 20
γωνα λαχόντα λέγει.

351. Ven. (κτ̄ ἀποστολικῶσ εἶπεῖν...) Τῆσ πρὸσ Ἑβραίουσ. τῆσ
'Ἐξοδοῦ.

352. Ven. (κτ̄ τὰ θεῖα προσιάγματα...) Τῆσ πρὸσ Ἑβραίουσ.
τῶν Παροιμιῶν.

25 I. **353.** P Κάντεῦθεν ἔστιν καταφωρᾶσαι τῆσ τῶν Εἰκονομάχων
κακουργίασ τὸ ἀναισχυτον, οἱ διαβάλλειν τὴν τῶν προκειμένων ἱερῶν
κανόνων ἐπιχειροῦντεσ ἀκρίβειαν (διότι κατὰ τῆσ ἐκφύλου αὐτῶν αἰρέ-
σεωσ ἵστανται), φασὶ τοῖσ ἐκθεμένουσ αὐτοῖσ τῇ τῶν Μονοθελητῶν
ἐνισχημένουσ νόσφ καὶ κατὰ τῆσ ἀγίασ καὶ οἰκουμενικήσ ἔκτησ ὑπογρά-
30 φαι συνόδου. οἱ δὲ, ὡσ ὀρᾶν ἐστὶ παντί, ταύτην λαμπραῖσ ταῖσ φωναῖσ
ἀνακηρύττοντεσ, τοῖσ ὑπ' αὐτῆσ κατακριθέντασ ἄμα τῷ αὐτῶν ἐναγεσάτω
φρονήματι ταῖσ αὐταῖσ εὐθύναισ καὶ ἀραῖσ ὑποφέρουσι. εἰσικεν οὖν τὸ
γένοσ τοῦτο τῶν Εἰκονομάχων τοῖσ προγόνουσ Εὐτυχιανιστάσ καὶ Διοσκό-

ρους μιμείσθαι. ὡςπερ ἐκεῖνοι τοὺς ἐν τῇ ἀγίᾳ καὶ οἰκουμενικῇ δ' συνόδῳ, ὅτι τὴν αὐτῶν λύσσαν ἐξεκκλησίασαν, τὰ Νεστορίου φρονεῖν καίτοι λαμπρῶς αὐτὸν ἀναθεματίσαντες συκοφαντήσαι ἀπηναισχύντησαν, οὕτως καὶ οἱ ἐκείνων ὡς ἀληθῶς γνήσιοι μαθηταὶ καὶ ἀπόγονοι τοὺς ἱεροὺς τούτους καὶ ἀγίους ἄνδρας λαμπρῶς μετὰ τῆς ἀγίας καὶ οἰκουμενικῆς ἕκτης συνόδου κατὰ τῶν δυσσεβῶν Μονοθελητῶν ἀνδραγαθίζομένους ἐκείνων τούτους φρονεῖν οὐκ ἐρυθρίωσι λοιδορούμενοι, ὅμοιόν τι τοῖς Ἰουδαίοις ποιοῦντες, οἱ τὸν κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν τῶν δαιμονίων τὸ πλάσμα καθάιροντα δαιμόνιον τε ἔχειν οὐκ ἔφριττον ἐξυβρίζοντες ¹ καὶ ἐν τῷ ἄρχοντι τῶν δαιμονίων καθάιρειν αὐτοῦ τὴν δυναστείαν ἤτοι ἀπελαύνειν τὰ δαιμόνια θεραπευόμενοι οὐκ ἐνεκαλύπτοντο. Ath. *

II. **354.** (κτ̄ προέδρων) Ἰστέον, ὅτι ἐπὶ τοῦ ἱερομάρτυρος Κυπριανοῦ Καλχηρόνος ἐπισκόπου περὶ τῶν ἐξ αἰρέσεων τῇ ὀρθοδόξῳ πίστει προσερχομένων ἐζητήθη, εἰ δεῖ τούτους βαπτίζειν ἢ μή. καὶ συνελθόντες ὀγδοήκοντα καὶ τέσσαρες ἐπίσκοποι δεῖν ἔκριναν βαπτίζεσθαι πάντας τοὺς ἐξ οἰασοῦν αἰρέσεως προσιόντας, τῶν δὲ μετέπειτα θεοφόρων πατέρων ἡμῶν οὐχ ἀπλῶς τοῦτο καὶ ἀδιορίστως παραδεξαμένων, ἀλλὰ διαστειλάντων καὶ εἰπόντων τινὰς βαπτίζειν ἀρμόδιον καὶ τινὰς μή, ὁ τοῦ θείου Κυπριανοῦ κανὼν ἐκράτυνε παρὰ μόνους τοῖς Ἄφροις, παρ' οἷς καὶ ἐξεφωνήθη· τούτους γὰρ λέγει νῦν προέδρους, ἤτοι πρωτεύοντας, διὰ τὸ εἶναι, τῶν Ἄφρων ἴδιον τὸν τοῦ πρώτου θρόνου ἐπίσκοπον [προέδρον] ἤτοι πρωτεύοντα καλεῖν· ὅθεν καὶ τὸ α' κεφάλαιον τοῦ α' τίτλου τοῦ παρόντος νομοκανόνου τῶν ἐν Ἀφρικῇ περιβάτων τουτέστι πρωτευόντων μέμνηται, καὶ οἱ κανόνες τῶν ἐν Καρθαγένῃ ὅ τε ιζ' καὶ λθ' φανερώς τοῦτο δηλοῦσι. (изъ Pitra II 651 по Monac. 122 г. 61). Ven. *

355. V Περὶ τοῦ ἀπαρασαλεύτους φυλάττεσθαι παντὶ τρόπῳ τοὺς ὑπὸ πάντων τῶν ἁγίων πατέρων ἐκτεθέντας ἱεροὺς κανόνας.

356. V (κτ̄ εἰ δὲ υἱ ἀλῶ κανόνα ινα...) Τοῦτό φησιν, ὅν ἂν τις παραβαίῃ κανόνα, τοῖς αὐτοῦ ἐκείνου τοῦ παραβεβασμένου αἰρεῖσθαι ἄξιος ἐπιτιμίας· οἷον, εἰ ἱεροσυλίας, ἱεροσύλου ἐπιτιμίας, εἰ πορνείας, πόρνου, καὶ εἰ τι λοιπὸν τῶν ὑπὸ τὸ πονηρὸν ἐργαστήριον ἐνθεωρουμένων ὑγιῶς κατακρίνοιτο.

¹ cod. ἐξυβρίζειν τεσ.

III. **357.** V (κτ̄ μιθδαμῶς ἐν εἰέρῳ μεΐζονι...) Ὅτι ἐστὶν ἐχόμενον τῆς ἡδὴ λαχούσης ἱεῶς τιμῆς ἀπρόκοπον μεῖναι.

358. V₁ Περὶ ἱερέων καὶ κληρικῶν. Ath.

IV. **359.** V₁ Περὶ πρεσβυτέρων συγγινομένων μοναστριαίς.

5 VI. **360.** Ven. Πότε ὀφείλουσιν λαμβάνειν οἱ εἰς κλῆρον προερχόμενοι.

VII. **361.** V Περὶ τιμῆς πρεσβυτέρων.

VIII. **362.** V₁ Περὶ προκλησίας.

XI. **363.** V Ἀπηγόρευσε τῶν Ἰουδαίοις συλλογέσθαι ἢ ὑπὸ τούτων νοσοῦντας ἰατρεύεσθαι.

10 XII. **364.** V (κτ̄ οὐκ ἐπ' ἀθειήσει ἢ ἀναιροπῇ τῶν ἀποστολικῶς προνενομοθειημένων...) Ὅπου δὲ καὶ κανόνος παράβασις, καὶ παλαιοῦ ἔθους ἀνατροπή, καὶ τῆς ἐπὶ τὸ χεῖρον προόδου ἀρχή, τί φατε, ἄγιοι;

15 **365.** Ven. (κτ̄ φησὶ γὰρ ὁ θεὸς ἀπόστολος...) Τῆς πρὸς Κορινθίους α'.

XIII. **366.** Ven. (κτ̄ τοῦ ἀποστόλου διδάσκοντος...) Τῆς πρὸς Ἑβραίους. τῆς πρὸς Κορινθίους α'.

367. Ven. Ἐν τῷ γ' κανόνι καὶ τῷ δ' καὶ τῷ κε' καὶ τῷ σ'.

20 XIV. **368.** Ven. Ὁ τῶν ἐν Νεοκαισαρείᾳ. ὁ τῶν ἐν Χαλκηδόνι. ὁ τῶν ἐν Καρθαγένῃ.

XV. **369.** V Περὶ τοῦ ποίας ἡλικίας χρῆ χειροτονεῖν.

XVII. (= οὐβιην. сч. XVI). **370.** V (κτ̄ ἐπιὰ διακόνους μὴ ἐπὶ τῶν τοῖς...) Ἀλλὰ φαίην ἂν ἐγώ, πατέρες μακάριοι, ὡς εἰ τραπεζῶν διάκονοι μόνως εὐρηγται τὸν ἐπτὰ ἀριθμὸν συμπληροῦντες, πόσον εἰκὸς σπανίζειν εἰς θείων μυστηρίων ὑπηρεσίαν τοὺς ἀπροσκόπως τὴν ἱεράν διακονίαν μετιέναι ὀφείλοντας, ὡς μήτε ἡλικίας ὑστερεῖν μή(τε) σεμνότητος τρόπων ἐνδεῶς ἔχειν; οἷς, εἰ προσέχοιμεν, οὐκ ἂν, οἶμαι, οὐδὲ τρεῖς ἢ τέσσαρας ἐκάστη ἐκκλησίᾳ εὐπορήσομεν καθιστᾶν, μὴ ὅτι γε πληθὸς τοσοῦτον, οἱ καὶ τὸν τῶν διακονομένων ὑπερπέσειαν ἀριθμὸν, ὡς ἐφ' ἡμῶν ἐστι νῦν καθορᾶν, ἀφθονία πνευματικῶν χαρισμάτων ὡς ἔοικεν.

XIX. **371.** V (κτ̄ χρὴ τοὺς τῶν ἐκκλησιῶν προεσιωπίας... διδάσκειν) Κάλλιστος ὁ νόμος, ἀλλὰ τί ἂν διδάξωμεν, μηδ' αὐτῶν τῶν ἱερῶν βιβλίων ἐπιστάμενοι τὰ ὀνόματα;

372. V (κτ̄ ἢ λόγους οικείους συνιάτιοιες) Οὐδὲν τοῦτο

εἶθε δύναιμι παρῆν· μικρὸν γὰρ ἂν ἐφρόντισα τῆς ἐπιτιμίας τοῦ πνεύματος, οὐ στενοχωρουμένης τῆς χάριτος ἐπὶ τὸ τρανότερον τὰ τισὶ τῶν πρὸ ἡμῶν ἀσαφέστερον προκεχειρισμένα ἐξαπλοῦν τε καὶ ἀναπτύσσειν ἐπὶ τὸ εὐληπτόν τε καὶ εἰσνοπτότερον· εἰ γὰρ μὴ τοῦτο, ἐχρῆν μηδὲ τοὺς πρότερον πατέρας τοῖς πρὸ αὐτῶν ἐπιχειρηθέναι, ἀλλὰ τοῖς ἤδη 5 προσκαθημένους τε καὶ ἑναπομένοντας τοσαύτην ζημίαν ἡμῖν προσε- νῆσαι¹· μήτε τοῦ χρυσοῦ Ἰωάννου τὰς τοῦ ἀποστόλου ἐξηγήσεις προσ- εκπονήσαντος, μὴ Κυρίλλου τὰς τῶν ἱερῶν προφητῶν, μηδ' ἄλλου, ᾧ τὸ τοῦ θεοῦ πνεύματος δώρημα ἐπιτευκτικώτερον τῶν πρὸ αὐτοῦ 10 παρέσχετο τὴν νέαν προνεγεῖν ὡς τισὶ δὴ παράθεσιν καὶ σαφήνειαν, ἐπεὶ μηδὲ τὸ ἀνευθεῖς καὶ ἀμώμητόν τινι τῶν ἀνθρώπων εἰς τὴνδε προσὸν κατείληπται.

XXI. 373. V Εἰ τὴν ἀμαρτίαν μεμισήκασι, δι' ἣν ἐξέπεσον τοῦ βαθμοῦ φησὶν· εἰ γὰρ μετὰ τὴν ἔκπτωσιν ἐπιμένοιοι τῷ πάθει, τότε τῆς ἐπιτεθείσης ἐπιτιμίας ἀξιούσθαι. 15

XXIV. 374. V (κτ̄ срединѣ) Οὐ κωλύεται κληρικὸς σεμνῶ γάμῳ παρῆναι.

375. Ven. Τοῦ νδ' κανόνος τῶν ἐν Λαοδικείᾳ.

XXV. (κτ̄ [ἀνανεοῦμεν] τὸν κανόνα). 376. V Κανὼν ὁ τῆς τριακονταετίας. 20

377. Ven. Τὸν ιζ' τῶν ἐν Χαλκηδόνι.

XXVI. 378. Ven. Τὸν κζ' τοῦ μεγάλου Βασιλείου.

XXVIII. 379. V₁ Τῆς ἐν Καρθαγένῃ κεφάλαιον μα'.

XXIX. 380. V₁ Περί τοῦ κυριακοῦ δείπνου.

381. V (κτ̄ ἐν τῇ τεσσαρακοσιῇ τῇ ὑστέρα ἐβδομάδι τῇν 25 πέμπτην) Ὅτι ἡμῖν ἔθος μεγάλην πέμπτην καλεῖν.

XXX. 382. P "Ὅπερ ἐν ἄλλοις ἀποκωλύει, ἐν¹ τοῖς ἐθνικοῖς καὶ² ἐπιτρέπει. Ven.

XXXI. 383. Ven. (κτ̄ οἱ ἐν Καρθαγένῃ) Ἐν τῷ ιζ' κανόνι.

XXXIII. 384. Ven. Ἐν τῇ πρὸς τοὺς χωρεπισκόπους ἐπιστολῇ 30 τοῦ μεγάλου Βασιλείου καὶ τῷ ζ' κανόνι τῶν ὑπομνηστικῶν τοῦ Θεοφίλου.

XXXVI. 385. V (κτ̄ φαιρίας) Φατρία τὸ σύνταγμα φησι, τὴν ἑταιρίαν, τοὺς ἐπὶ κακῶ συλλόγους, τὰ πονηρὰ ἐργαστήρια.

¹ cod. προσενίσει, ² τούτοις вставл. Ven. ³ καὶ προπ. Ven.

XXXV. 386. V (κτ̄ началу) Καλῶς¹ ὁ νόμος καὶ ἐπαινετός, εἰ μὴ τὸ δέμνιον τοῦ οἰχομένου καὶ τὸ βορδώνιον σὺν τῇ ἐφεστρίδι τοὺς τινὰς ἡμῶν ὑπολιγεύοντα καὶ ἀνερεθίζοντα καταφρονεῖν τούτου ἀπέπειθεν.

387. V (κτ̄ ὑπὸ παραφυλακὴν ἔστωσαν τοῦ κλήρου...) 5 Εἰ δὲ παρακοῆς τούτων τις ἀλῶ, τίνος ἄξιος καταδίκης; τοῦτο νομο- θετήσατε, ἐπεὶ λόγῳ ἀπλῶ τίς τούτων ἀνέξεται; εἰ γὰρ τῶν τοῦ Χρι- στοῦ νόμων ἀλογοῦντες φωρῶνται, σχολῆ γ' ἂν ἡμῶν ἀνέξονται;

XXXVI. 388. Ven. Τὸν γ' κανόνα. τὸν κη' κανόνα.

389. V₁ α' Ῥώμης. β' Κωνσταντινουπόλεως. γ' Ἀλεξαν- 10 δρείας. δ' Ἀντιοχείας. ε' Ἱεροσολύμων.

XXXVIII. 390. Ven. Τὸν ιζ' τῶν ἐν Χαλκηδόνι.

391. V Καὶ οὗτος ὁ κανὼν ἄδειαν δίδωσιν τοῦ καινίζειν ἐξ ἐπισκοπῆς βασιλεῖ μητρόπολιν.

XXXIX. 392. V (κτ̄ τὴν Νέαν Ἰουστινιανούπολιν) Τὴν νῦν ἐν 15 Κουζίκῳ Ἀρτάκην καλούμενην.

393. Ven. Ἐν τῷ η' κανόνι.

XL. 394. Ven. (κτ̄ ἔστω τὸν ὁ μέλλον...) Τοῦτο φησὶν ὁ θεολόγος ἐν τῷ εἰς τὸ βάπτισμα λόγῳ.

395. P Ὡς ὁ ἅγιος Βασίλειος πλείονα τὸν χρόνον ὀρίζει. Ath.

396. Ven. (κτ̄ ἐν γὰρ τῷ θείῳ ἀποστίλῳ...) Ἐν τῇ 20 πρὸς Τιμόθεον α'.

397. Ven. (κτ̄ οἱ ἱεροὶ κανόνες...) Ὁ ιε' κανὼν τῶν ἐν Χαλκηδόνι.

398. Ath. Κανὼν περὶ μοναχῶν καὶ μοναστριῶν.

XLI. 399. V₁ Περί ἐγκλείστων.

400. V Περί τῶν ἐγκλείεσθαι ποθοῦντων μοναχῶν.

XLII. 401. V₁ Περί ἐρημιτῶν.

XLIII. 402. V₁ Περί ἀποταγῆς.

403. V Τίς ἢ δύναμις τοῦ μοναχικοῦ σχήματος.

XLIV. 404. V₁ Περί μοναχῶν.

XLV. 405. V Περί τύπου γυναικῶν ἀλογίστου τῷ τῶν μοναχῶν 30 σχήματι προσερχομένων.

XLIX. 406. Ven. Τὸν κδ' τῆς ἐν Χαλκηδόνι συνόδου.

¹ cod. καλῶς.

407. V Σκόπει ὡς τὰ γε ἄνευ τοῦ κατὰ τὸν τόπον ἐπισκόπου γινόμενα οὐδὲ μοναστήρια.

L. **408.** V₁ Περὶ λαϊκῶν.

LII. **409.** V "Ὅτι καὶ ἐν τῇ τοῦ εὐαγγελισμοῦ ἡμέρᾳ ἐν ταῖς ἀγίαις νηστείαις τελεία γίνεται λειτουργία.

LIII. **410.** V Μανθανέτωσαν ἐντεῦθεν ἅπαντες τοὺς ἱερούς θε-
5 σμούς καὶ κανόνας σπουδῆν ἅπασαν ποιουμένους καὶ τὰ ἤδη τῷ βίῳ ὑποικουροῦντα περιτέμνειν καὶ ἀποκαθαίρειν κακά, οὐ τὰ μὴ ὄντα καινί-
ζεν καὶ παρρησιάξει· ὥστε καὶ συνόδους κατὰ τοῦτο συγκροτεῖσθαι
ἐπ' ἀναιρέσει τῶν ἀμαρτανομένων, οὐκ ἐπ' ἀνατροπῇ τῶν τῆς πολιτείας
βελτίστων ἐθνῶν καὶ συστάσει τῶν ἐκφύλων καὶ ἀλλοδαπῶν παραδόσεων.

LIV. **411.** V (κτ̄ δι' ὧν περιεκιχῶς...) Ἐν οἷς φησιν ἡ τῆς
ἀπειρημένης συγγενείας εἰς γάμον ἀνθρώπων στάσις, εἰ φωραθῆι ἐν
ἀμαρτήμασι γεγεννημένη, τὰ τῶν μοιχῶν ἐπιτίμια δέξεται.

412. V (κτ̄ ὑπὸ τῶν τῆς ἐπιαείας κανόνα) Παρατετηρήσθω
15 ἐκ τούτων, φημί δὴ τῶν τῆς ἐπταετίας κανόνων, ὡς ὀφειλέτης ἐστὶν ὁ
τῷ τοσοῦτῳ ὑποκείμενος τῶν ἐτῶν ἀριθμῶ ἐπιτιμίοις ἀναντιρρήτως
ἀφίστασθαι πρότερον τοῦ ἐπὶ τοῦτο τῆς ἐπιτιμήσεως προενεγκόντος
μιάσματος.

413. L Τὸν οἰκεία ἐξαδέλφη πρὸς γάμου κοινωνίαν συναπτόμε-
20 νον, ἢ πατέρα καὶ υἱὸν μητρὶ καὶ θυγατρὶ, ἢ δύο κόραις ἀδελφαῖς πατέρα
καὶ υἱόν, ἢ ἀδελφοῖς δυοὶ μητέρα καὶ θυγατέρα, ἢ ἀδελφούς δύο δυοὶν
ἀδελφαῖς ὑπὸ τῶν τῆς ἐπταετίας πίπτειν κανόνα.

414. Ven. Ἐν τῷ Λευϊτικῷ. ἐν τῷ κγ' καὶ εζ' καὶ ξη' καὶ
σε' καὶ ος' καὶ οη' καὶ οθ' καὶ ἐν τῇ πρὸς Διόδωρον ἐπιστολῇ.

LVIII. **415.** V Ὡς εἶγε μὴ πάρεστιν ἱερατικὸς ἀνὴρ ἢ κληρικὸς
25 τις τῶν ἐπ' εὐλαβείᾳ γνωρίμων ἢ μοναχός, εὐπορεῖται δὲ ἀγιάσματα
καὶ χρεῖα καλεῖ, οὐδὲν τὸ κωλύον ἑαυτῷ λαϊκὸν μεταδιδόνα.

LIX. **416.** V Καλὸς ¹ ὁ νόμος καὶ ἀξιέπαινος διὰ τε τὴν τοῦ
χριστιανισμοῦ παρρησίαν καὶ τὸ ἀναμφίβολον τῶν προσιόντων τῇ πίστει·
30 ἀλλ' ἔδει καὶ κατὰ τοῦ κρύφα μουμένου τὴν ἀπόφασιν γίνεσθαι· εἰ γὰρ
ὁ ἐργάτης ἐπὶ τοσοῦτον ὑποτετίμηται, ἐχρῆν οἶμαι καὶ τὸ ἔργον κατ-
αλλήλως κολάζεσθαι.

417. P Σημεῖωσαι ὅπως νῦν οὐδὲν ¹ παροράται. Ath.

LX. **418.** Ven. Τῆς πρὸς Κορινθίους α'.

419. V Ἀπόρη τοῦτο, πατέρες ἅγιοι, πρὸς ἐπιτιμίαν αὐτοῖς
5 τὸ σωφρονοῦντας αὐτοὺς ἐπίσπαστον ποιεῖσθαι πρᾶγμα, πολλὴν ἀπόδειξιν
τῆς τοῦ βίου παρεχόμενον ἀκαθαρσίας.

LXI. **420.** Ven. Τὸν κδ' τῶν ἐν Ἀγκύρα. τὸν λς' τῶν ἐν Λαοδι-
κεία. τὸν πγ' τοῦ μεγάλου Βασιλείου. ἐν τῇ πρὸς Κορινθίους β'.

421. V (κτ̄ τοὺς τὰς ἄρκους ἐπισυρομένους...) Περὶ ἄρκο-
τρόφων.

422. V (κτ̄ καὶ ὁ καὶ οἱ ἱεροὶ κανόνες διαγορεύουσι)
10 Τοῦ ἱεροῦ καὶ θείου Βασιλείου.

LXII. **423.** P Σημεῖωσαι, ὅπως νῦν οὐκ εὐαγῶς παροράται. Ath.

424. V₁ (κτ̄ τὰς τῶν γυναικῶν ὀρχήσεις...) Ὡς ἀσέ-
15 μνους καὶ πολλὴν λυμὴν καὶ βλάβην ἐνεγκεῖν δυναμένας, ἐτι μὴν καὶ
τὰς ἐπ' ὀνόματι τῶν παρὰ τοῖς Ἑλλησι ψευδῶς ὀνομασθέντων θεῶν, ἢ
ἐξ ἀνδρῶν ἢ γυναικῶν γινομένας ὀρχήσεις.

LXIII. **425.** P Σημεῖωσαι τί λέγει.

LXIV. **426.** Ven. Ἐν τῷ λόγῳ τῷ περὶ τῆς ἐν διαλέξεσι εὐταξίας.

427. V Καὶ τοῦτο καλόν, πατέρες θειότατοι, ἀλλ' ἐπεὶ ἐξέλιπεν
20 ὁ ὀρῶν ἐξ οἴκου Ἰσραὴλ καὶ οἷς ἀνήκεν ἐν τούτοις πονεῖσθαι οὐδ' αὐτὸ
τοῦτο τί ὀβόημα ἴσασι θεῶν, ἱπποτροφίαις δὲ καὶ γηπονίαις ² καὶ τοιού-
τοις τισὶ καταγελάστοις καὶ λεχθῆναι χρηματισμοῖς ἐκδεδώκασιν ἑαυτοὺς
ὥσπερ ἀνταλλαττόμενοι τὸ ἑαυτῶν ³ ἐπιτήδευμα πρὸς τὰ τῶν κοσμικῶν
ἤθη, οὐκ ἂν οἶμαι σφαλερόν, εἰ σπέρμα ἐγκαταλείποιτο κυρίῳ καὶ διὰ
25 τῶν μὴ πάνυ τῷ Ἰσραηλητικῷ συνεγιζόντων γένει, ὡς διὰ Θάμαρ, ὡς
Ῥούθ, ὡς Ῥαχάβ ὠκονόμηται· οὐδ' εἰ πεινώσιν, οἱ ἄρτοι τῆς προθέ-
σεως τοῖς μετὰ Δαυιδ δαπανῶνται φυγάσιν εἰς περιττόν, τοῦ μῆθ'
ἱερεῦσιν ἡναλῶσθαι προκειμένοι. καὶ ὅτι οὐδὲν τῇ τοῦ θεοῦ εὐσεβείᾳ
λυμαίνεται τοῦτο, δεῖκνυσιν Ἦρων ⁴ ὁ θεῖος φιλόσοφος, πρὸς ὃν καὶ ἡ
30 θεολόγος γλῶσσα ἐπέστειλεν, οὐ μόνον δογματίζων, ἀλλὰ καὶ ὑπερόρια
διὰ τοῦτο καταδικασθεῖς. πολλῶν ἱερέων ἐφ' ἐστίας ἀπραγμόνως βιούντων ⁵.

¹ cod. καλῶς.

¹ οὐδε ὄν Ath. ² cod. γειπονίαις. ³ cod. ἑαυτὸν. ⁴ cod. Εἰρων. ⁵ Gregorii Naz. orat. XXV § 14 (Migne XXXV 1217).

LXIX. 428. V Ὅτι οὐδὲ βασιλεῖ κατὰ πᾶσαν πρόφασιν ἐξὸν εἰς θυσιαστήριον εἰσιέναι, εἰ μὴ καιρῷ τοῦ θῶρα κυρίῳ ἀνατιθέναι, ἄλλοτε δὲ οὐδέποτε· καὶ τάχα τοῦτο καὶ διὰ Θεοδοσίου τοῦ μεγάλου παιδευόμεθα βασιλέως, ὃς διὰ Ἀμβροσίου τοῦ θείου μαθὼν, ὅσον τὸ μεταξὺ ἱερέως καὶ βασιλέως, πολλὰ παρακληθεὶς ἐν Βυζαντίῳ ὑπὸ τῶν ἱερέων 5 τῷ ἁγίῳ θυσιαστήριῳ εἰσιέναι, τῷ καλλίστῳ διδασκαλείῳ χρησάμενος Ἀμβροσίου, τὴν παράκλησιν διεκρούσατο.

429. P Ἐν Ῥώμῃ φασὶ τοῦτο παρορᾶσθαι τελείως. Ath. L₁.

LXX. 430. V (κτ̄ *M*) ἐξέσιω ταῖς γυναῖξιν ἐν τῷ καιρῷ τῆς θείας λειτουργίας λαλεῖν) Οὐ τὸ ἀπλῶς λέγειν ἀπειργεῖ (τοῦτο γὰρ οὐδὲ ἀνδράσιν παραχωρεῖται), ἀλλὰ τὸ διδάσκειν κωλύει· εἰκὸς γὰρ εἶναι τινὰς τότε γυναῖκας δυναμένας τοῦτο ποιεῖν, ὃ νῦν οὐδὲ ἐπίσκοποι ἱκανοὶ ἐκτελεῖν.

LXXIII. 431. Ven. Οὐκοῦν οὐδὲ τὰς ἱερὰς εἰκόνας. Ath. P.

LXXV. 432. Ven. Ἐν τῷ Λευϊτικῷ γέγραπται οὕτως· "εὐλαβεῖς 15 ποιεῖτε τοὺς υἱοὺς Ἰσραὴλ". (= Лев. XV 31).

433. V Περί τῶν ἀτάκτοις φωναῖς ἐν τῷ ψάλλειν χρωμένων.

434. V Καὶ τί τῶν παραβαινόντων τὸ πρόστιμον;

LXXVIII. 435. Ven. Τὸ αὐτὸ φησι καὶ ὁ μς' κανὼν τῶν ἐν Λαοδικείᾳ.

LXXXII. 436. L Περί ἀγράφου ἔθους ἐκκλησιαστικοῦ. 20

LXXXIII. 437. Ven. Τῆς πρὸς Κορινθίους α'. τῷ οβ' κανόνι τῶν ἐν Καρθαγένῃ.

LXXXIV. 438. V₁ Ζήτηι ἐν Καρθαγένῃ σύνοδον.

439. V (κτ̄ οὐδὲ ταῦτα διὰ τὴν κήραν περὶ τῆς παραδοθείσης αὐτοῖς μυσιαγωγίας ἀποκρίνεσθαι ἐπιτηδείως ἔχουσι) 25 Ἐντὶ τοῦ οὐ δύνανται διαβεβαιοῦσθαι, ὡς ἐβαπτίσθησαν.

LXXXVI. 440. V Ὡστε ὁ λόγῳ εὐλαβείας τὰ πρὸς τὴν χρεῖαν αὐταῖς ἐπιχորηγῶν, ὡς μὴ ἐνδεία τῶν ἀναγκαίων ἑαυτὰς ἐκδιδόναι, ἀπόδεκτος θεῷ καὶ ἀνθρώποις.

LXXXVIII. 441. P. Φιλάνθρωπον. 30

442. V Χάρις ὑμῖν, πατέρες, τῆς ἀφράτου φιλανθρωπίας καὶ συμπαθείας.

LXXXIX. 443. V Περί τῆς ἀπονηστείας τοῦ ἁγίου σαββάτου.

XC. 444. V (κτ̄ ἐκ τῶν θεοφόρων παιέρων ἡμῶν κανονικῶς παρελάβομεν) Τοῦ ἁγίου Βασιλείου τοῦτο καὶ τῶν ἀποστόλων.

XCII. 445. V Περί ἀρπαζόντων γυναῖκας καὶ τῶν τούτοις συμπραττόντων.

5 XCV. 446. V₁ Περί αἵρετικῶν.

447. V₁ Τίνες τῶν αἵρετικῶν διὰ τί ἀναβαπτίζονται.

448. V (κτ̄ ποιοῦμεν αὐτοὺς χριστιανοὺς) Ἐντὶ τοῦ κατατάττομεν αὐτοὺς τῇ μερίδι τῶν χριστιανῶν οἶονεὶ πολιτογραφούντες.

XCVI. 449. V₁ Περί τριχῶν.

10 C. 450. V (κτ̄ αἰ τοῦ σώματος αἰσθήσεις εἰσκρίνουσιν) Οἶον ὄρχουμένων γυναικῶν ἢ τι τοιοῦτον.

CI. 451. V (κτ̄ δεχέσθω τὴν κοινωνίαν...) Ὅτι καὶ λαϊκοῖς ὁ θεῖος ἄρτος ἐπὶ χειρὸς δίδεται.

15 CII. 452. V (κτ̄ προσκαλεῖται καθ' ἑαυτοῦ τὸ ἀρόρώστημα...) Ἐντὶ τοῦ πρὸ τῆς ἑαυτοῦ πλείονος κακώσεως, ὑπὲρ περισσοτέρας προσοχῆς καὶ ἐπιμελείας διὰ τὸ ραθύμως καὶ ἀναξίως τῆς μετανοίας διακείσθαι τὴν τοῦ θεραπεύοντος ἐποπτίαν ἐκκαλουμένου.

20 453. V (κτ̄ концу) Σοφώτατα, πατέρες ἅγιοι. ὡς ὁ γε τῷ τεχνίτῃ ἀντιπαλαίων καὶ ἐκ παντὸς τὸ ἑαυτοῦ μεταδιώκων ἠδὲ ἔλκοποιεῖ μᾶλλον καὶ ἀναξάνει τὸ τραῦμα καὶ τὸ ῥυποῦν αὐτὸν καὶ σπιλοῦν μηδὰ μῶς ἀπωθούμενος, οὕτω τὴν ἰατρειάν αὐτῶν καὶ τὴν κάθαρσιν ἐπιζητῶν ἀναξίως, μᾶλλον δὲ βιαζόμενος τοὺς τῆς ἐπιμελείας ταύτης ἠξιωμένους κατὰ τῆς ἑαυτῶν θείας τιμῆς νεανιεύσασθαι, οὕτος τί ἂν ἄλλο ἢ παρορᾶσθαι πάντως ἄξιος ὡς ἐναγῆς τε καὶ ἀποτρόπαιος καὶ μὴ μόνον 25 αὐτὸν ἀλλὰ καὶ ἐτέρους τῆς ἀπωλείας παραλαμβάνειν σπεύδων κοινωνοὺς καὶ συλλήπτορας καὶ πολλοὺς τοῦ ἑαυτοῦ ὀλέθρου ὑπάρχων παρ' αἰτίας.

30 Κτ̄ подписямъ. 454. Ven. Ὅτι ἐν τῇ ἐκθέρσει τῶν κανόνων οἱ τέσσαρες ὑπέγραψαν πατριάρχαι, Παῦλος καὶ Πέτρος καὶ Γεώργιος καὶ Ἀναστάσιος, ὥστε καὶ ἐκ τῆς συμφωνίας τῶν δ' ἀρχιερατικῶν θρόνων τὰ τῶν δυσσεβῶν Εἰκονομάχων ἐμφράττεσθαι¹ στόματα. P.

¹ ἐμφράττεται P.

Κτ̄ pravidam̄ Νικεῦσκαγο II (VII всел.) собора.

I. 455. V (κτ̄ ἀκραδαντα και ἀσαλεύτια) Ἐπιρρηματικῶς ἀκουστέον ἀντὶ τοῦ ἀκραδάντως και ἀσαλεύτως. L.

456. V (вЪ КОИЦѢ КЪ τῶ ἀφορισμῶ) Ἐνταῦθα ἀφορισμὸν τὴν τελείαν ἐκβολὴν τῆς τῶν χριστιανῶν μερίδος βούλεται, και δῆλον ἀφ' 5 ὧν μεταξὺ τοῦτον τῆς τῶν ἱερωμένων τέθεικε καθαιρέσεως και τῶν ἐπιτιμᾶσθαι ἀξίων ἑαυτοῦς καταστησάντων. L.

II. 457. V (вЪ КОИЦУ) Ἀσμενίσιοι μὲν μεταξὺ χειροτονούμενος (πῶς γὰρ οὐ;), τοσαύτης ἐπιβαίνων τιμῆς, ἀλλὰ τῆς κατὰ πετρῶν ἀκόλουθόν τι πάθοι σποράς, θάπτον ἤπερ βλαστῆσαι μαραινόμενός τε και 10 ξηραίνόμενος.

458. P Μηδὲν θαυμάσης μηδὲ παράδοξόν σοι δοξῆ, ὅτι τὴν τῶν ψαλμῶν ἀπαιτεῖ γνῶσιν και τῶν ἄλλων τῶν ἱερῶν μαθημάτων ἐπίγνωσιν τοὺς μέλλοντας εἰς ἀρχιερωσύνην ὁ προκειμένος κανὼν οὗτος· τῆς γὰρ Ἰσαύρων ἐπικρατούσης δυσεβείας και τῆς εἰκονομαχικῆς ἐμπλατυνομένης αἰρέσεως, ἐπὶ τοσοῦτον ἐξ ἀνθρώπων ἀπῆλθεν τὰ θεῖα ταῦτα μαθήματα, ὥστε μόλις εὐρίσκεισθαί τινας τῶν ὑποδεδυκότων τὸ τῆς ἀρχιερωσύνης ὄνομα (αὐτὸ γὰρ τοῦτο μόνον ὀλόκληρον, μὴ τί γε ἄλλο) τοὺς δαυϊτικούς ψαλμοὺς εἰδέναι. διὸ ἐξ ἀνάγκης γέγονεν, εἰ και μὴ καταθυμίως, τῶ ἀγιωτάτῳ και μεγάλῳ ἀρχιερεῖ Ταρασίῳ και τῇ ἀγίᾳ 20 και οἰκουμενικῇ ἐβδόμῃ συνόδῳ τοιοῦτόν τινα περὶ τῶν ἀρχιερέων διατυπῶσαι κανόνα· τὸ γὰρ παράδοξον τῆς διορθώσεως τὴν ὑπερβολὴν ἐλέγχει, οὐχ ὕβριν φέρει τοῖς διορθουμένοις τῆς προκατασχούσης ἀθεότητος. Ven.* Ath.*

459. Ven. (κτ̄ ὁ μέγας ἀπεφήναιο Διονύσιος) Ἐν τῷ α' 25 κεφαλαίῳ τῷ περὶ τῆς ἐκκλησιαστικῆς ἱεραρχίας.

IV. 460. V (κτ̄ τῆ ταύτιοπαθεία) Ἡ δὲ ἐστὶν εἰς ἀργίαν τῆς λειτουργίας περιστάσωσα τὸν κάκεινα ἀχρημάτιστα μένειν καταδικάζοντα τῶν ἐν αὐτοῖς θείων τελετῶν.

V. 461. P Τί λέγει οὗτος ¹ ἁμαρτίαν πρὸς θάνατον. Ath. 30

462. V₁ Ἀμαρτία πρὸς θάνατον. Σαφῶς ὅλον.

¹ οὕτως Ath.

463. V (κτ̄ началу) Εἰ δὲ τὴν ἡδονὴν προτιμώμενοι κατεξάνιστανται τῶν ἀρχιερέων και κακῶσει ἐκδιδόασιν, τί φῆς, ἅγιε τοῦ θεοῦ;

VI. 464. V (κτ̄ μὴ ἔχειν δὲ ἄδειαν τῶ μιηροπολίτη...) Ὁ οἶος ὁ νόμος! ἀλλ' ὁ προσέχων ποῦ;

5 465. V (ниже) Θαυμάζω ὑμῶν, ἅγιοι· και τίνας ἄλλου χάριν ἢ συνάθροισις νῦν; οὐ φορολογίας; πάνυ γε.

XII. 466. V (κτ̄ ἐπίσκοπος ἢ ἡγούμενος τοῦτο ποιῶν ἐκδιωχθήτω) Τετηρήσθω μοι.

467. L Κανὼν ἐστὶν ὁ λέγων· “οὐκ ἐκποιεῖ ὁ μόνον τὴν νημὴν 10 ἀποβαλλόμενος” ¹. και ὡς ἐκ τοῦτου λέγουσί τινες μὴ εἶναι ἐκποίησιν μετὰ τὴν διηνεκῆ ἐμφύτευσιν. μετὰ τὴν πρόσκαιρον, ἤγουν τὴν εἰς δις καθ' (?), ἤτις διὰ τὸ παρέλκον τοῦ χρόνου και τὸ βραχὺ τῆς ζωῆς τῶν ἐπισκόπων και ἡγουμένων τὰ κτήματα τῶν ἐκκλησιῶν παντελῶς ἐεποίησεν δι' ἄγνοιαν πολλάκις ἢ και ῥαθυμίαν τῶν μετ' αὐτούς. και 15 εἰ ἐκποίησις οὐκ ἔστι κατὰ τὸν κανόνα, ἀλλ' ἐκποιήσει ἔοικεν, και μᾶλλον εἰ τριακονταετία διολισθήσει ἀπερίκοπος ἢ και τεσσαρακονταετία.

468. Ven. Ἀναγκαῖον ² και ὀφείλον, εἰ και τισιν ἀφρόνως παροράται, παντὶ παραφυλάττεσθαι ³ τρόπῳ. PL₁ Ath.

469. V₁ Πῶς ἢ ποῦ ἐκδίδει.

20 XIII. 470. L Ζήτει βιβλίον ἰα' τῶν βασιλικῶν ⁴ τίτλ. ζ' (κεφ. λς'), ἐν ᾧ φησιν· “τὰ ἱερὰ γινόμενα ὑπὸ τοὺς πολέμιους παύονται εἶναι ἱερὰ, ὥσπερ ὁ ἐλεύθερος δουλωθεῖς· ἀπολυθέντα δὲ τῆς συμφορᾶς ἀναλαμβάνουσι τὴν προτέραν κατάστασιν” ⁵. και βιβλ. λδ' τίτλ. α' κεφ. ιζ' λέγει γὰρ και τοῦτο· “τοὺς ἀναληφθέντας ὑπὸ τῶν πολέμιων ἀγροῦς 25 οἱ πρώην ἀναλαμβάνουσι δεσπότηται· οὐ γὰρ ἐν ἰδ' τάξει πραιδίας εἰσὶν ⁶ οὔτε δημόσιοι γίνονται· οἱ γὰρ τῶν πολέμιων λαμβανόμενοι γίνονται δημόσιοι” ⁷.

XIV. 471. Ven. Τὸ μὲν εἰς ἀναγνώστας τινὰς χωρὶς εὐχῆς και χειροθεσίας ⁸ περικείρεσθαι ⁹ νῦν οὐχ ὀράται. τὸ δὲ ἡγουμένους τινὰς, 30 καὶν πρεσβυτέρων ἔχῳσι βαθμὸν ¹⁰, χειροθετεῖν ἀναγνώστην οὐδὲ τοῦτο νῦν ὀρώμεν προβαίνον. P Ath.

¹ откуда этотъ канонъ? ² ἐν вставл. L₁. ³ φυλάττεσθαι L₁. ⁴ должно бы быть дігѣстѣн; вЪ Василикахъ совѣмъ отсутствуетъ Dig. XI 7, 36. ⁵ = Dig. XI 7, 36 вЪ тит. II, гл. 1 номоканона XIV титт. (Pitra II 485). ⁶ cod. ἐστιν. ⁷ Basilic. XXXIV 1,16 ⁸ μόνον вставл. P Ath. ⁹ περικείσθαι Ath. ¹⁰ βαθμὸν ἔχῳσι P Ath.

XV. 472. V₁ (κῶ κοηκυ) Πότε παραχωρεΐται.

473. V (κῶ πρὸς δὲ τὴν τοῦ βίου τουτου χρεΐαν...) Πρὸς τοὺς λέγοντας μὴ ἐξαρκεῖν ἀπὸ μιᾶς ἐκκλησίας διαρτίου τρέφεσθαι.

XVI. 474. Ven. (κῶ ὡς ὁ μέγας ἔφη Βασίλειος) Ἐν τοῖς ἀσκητικοῖς ἐρωτήμασι τοῦτο φησι, κατὰ τὸ ρῆθ' ¹ κεφάλαιον, ἐν ᾧ ἐρμη- 5 νεύει "τί ἐστὶν τὸ περπερεύεσθαι".

475. V (κῶ ἐκ γὰρ ἰὼν ἀνωθεν χρόνων...) Καὶ δῆλον τοῦτο, ἀφ' ὧν Κωνσταντῖνον τὸν πρῶτον τοῖς βασιλεῦσι τὰ τοῦ Χριστοῦ βασιλεία ὑπανοῖξαντα οἱ τὰ κατ' αὐτὸν ἱστορήσαντες Ἕλληνες εἰς τοῦτο ἐπέσκαψαν, ὡς ἀσῆμοις τισὶ καὶ εὐτελέσιν ἀνθρώποις συνιστιᾶτο καὶ 10 ἔχαιρεν· σαφὲς γάρ, ὅτι τὸ ἄσημον καὶ εὐτελὲς ἀπὸ τῆς τοῦ σώματος ἀμφιάσεως ἐνδιαβάλλειν αὐτοὺς ἀφορμὰς παρεῖχεν.

XIX. 476. V (κῶ ἡ αἰτία τοῦ προεσιῶτος) Τουτέστιν, εἰ ὁ προεστῶς ἀπροφασίστως ἀποδιώκει τὸν προσενεχόντα.

477. Ven. Ἀναγκαῖον, εἰ καὶ παρ' ἐνίοις ὀλιγωρεῖται ². P. 15

XX. 478. Ven. Ἰστέον, ὅτι ὁ μέγας Βασίλειος ἐν τῇ πρὸς τὸν πρεσβύτερον Γρηγόριον ἐπιστολῇ τὴν μετὰ γυναικῶν συνεισάκτων ἀπαγορεύει συνοίκησιν, κελῶν ἰδιάζειν τοὺς ἀνδρας ἀφ' ἑαυτῶν καὶ τὰς γυναῖκας εἶναι καθ' ἑαυτὰς. ἐν δὲ τοῖς ἀσκητικοῖς ἐρωτήμασι εἴτουν ἐν τῷ κεφαλαίῳ, ὃ ἐπιγέγραπται "τίς ὁ τρόπος τῆς πρὸς ἀδελφὰς 20 συντυχίας" ³, τῶν ἀνθρώπων πρὸς τὰς γυναῖκας κωλύει, καὶ αὐτὰς δὲ τὰς ἐπωφελεῖς καὶ ἀναγκαῖας ἐπὶ παρουσία προσώπων εὐλαβῶν γίνεσθαι παραινεῖ διὰ τὰς πονηρὰς ὑποψίας.

Въ ѱрос собора. 479. V (κῶ εἰ υἱ πᾶσαν παράδοσιν ἐκκλησιαστικὴν ἐγγραφὸν τε καὶ ἄγραφον ἀθρειεῖ, ἀνάθεμα) Καὶ 25 τί νῦν πράξουσιν οἱ ἀθετοῦντες;

Въ посланіи Тарасіа κῶ Адриану (ἐκ τοῦ βίου τοῦ ἀγ. Ἰωάννου τοῦ Χρυσ.). 480. Ven. (κῶ Εὐσέβιος...) Ὁ Εὐσέβιος οὗτος, ἐπίσκοπος ὦν Οὐαλεντινουπόλεως τῆς ἐν τῷ Κιλβιανῷ, κατηγόρησεν Ἀντωνίνου τοῦ ἐπισκόπου Ἐφέσου ὡς ἐπὶ χρήμασι χειροτονήσαντος. 30

481. Ven. Τὸ ῥητὸν τὸ ἐν τῷ βίῳ τοῦ Χρυσοστόμου οὕτως ἔχει· "ἔθος γένηται Ἰουδαϊκὸν τοῦ πωλεῖν καὶ ἀγοράζειν τὴν ἱερωσύνην"

¹ y Migne XXXI 1116 στο глава μθ'. ² ὀλιγώρηται P. ³ y Migne XXXI 997 глава λγ'.

τὸ δὲ "ἡ Αἰγύπτιον" καὶ τὸ "φασὶ γὰρ καὶ τὸν λυμεῶνα" καὶ τὰ ἑξῆς προσθηκαὶ εἰσι τῆς ζ' ταύτης συνόδου.

Κῶ pravidlamъ Κοιισταντινολησκάγο I—II σοβορα 861 γ.

I. 482. L Συμφωνεῖ τῷ δ' κανόνι τῆς ἐν Καλγηδόνι συνοδοῦ 5 καὶ τῇ διαταγῇ τῶν ἀγίων καὶ πανευφήμων ἀποστόλων τῇ ἐν ταῖς Πράξεσιν ἐμφορομένη περὶ Ἀνανίου καὶ Σαπφείρας· ὡς γὰρ ἐκεῖνοι τοῦ ψεύδους ἐνδικὸν τὴν τιμωρίαν ὑπέσχον τῇ κρίσει τοῦ ἀγίου πνεύματος, καὶ οἱ νῦν ¹ τὰς κτήσεις αὐτῶν θεῷ ἀφιερῶσαντες διὰ τῆς τῶν νέων μοναστηρίων οἰκοδομῆς καὶ πάλιν αὐτῶν κατεξουσιάζοντες ταῖς αὐταῖς 10 ὑποκείσονται τιμωρίαις, ἐὰν μὴ παραυτίκα, ἀλλ' ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως, καὶ τῶν προειρημένων χάριν καὶ ὅτι τὸν τούτου (!) ἐπίσκοπον καὶ τὴν ἀναφορὰν τοῦ ὀνόματος παντάπασιν ἐξορίζουσιν τῶν θεῷ ἀφιερωθέντων. ἀνάγνωθι καὶ βιβλ. δ' τῶν βασιλικῶν τίτλ. α' κεφ. α', τὸ περὶ προβολῆς ἡγουμένου. τοῦ αὐτοῦ τίτλου κεφ. β'. ζῆτει καὶ νεαρὰν Λέοντος ιδ', 15 καὶ νεαρὰν Νικηφόρου τὴν ἀναιρεθειῶσαν διὰ νεαρῶν Βασιλείου, καὶ βιβλ. ε' τίτλ. γ' κεφ. δ'.

II. 483. L Ἀνάγνωθι τὸν μ' κανόνα τῆς ς' συνόδου τὸν λέγοντα πάντα χριστιανὸν τὸν ἀσκητικόν... μοναχικὸν σχῆμα περιβαλέσθαι· ἀνάγνωθι καὶ τὸν μς' τῆς αὐτῆς συνόδου.

III. 484. L Ἡ δὲ ιε' νεαρὰ γ', ἡ ἐν τῷ α' τίτλῳ τοῦ δ' βιβλίου καταστροφειῶσα, περὶ τὸ τέλος τὸν ἀμαρτάνοντα μοναχὸν νουθετεῖσθαι 20 διὰ τοῦ ἡγουμένου καὶ κειρίργυσθαι νομοθετεῖ καὶ μετανοίας καιρὸν παρέχεσθαι. εἰ δὲ μείζων ὁ τοῦ πταισματος εἶη τρόπος, καὶ αὐθις νουθεσίαν σφοδροτέραν καὶ μετάνοιαν ἀπαιτεῖ. εἰ δὲ μετὰ μίαν καὶ β νουθεσίαν κρείττον ἢ κατὰ θεραπείαν τὸ πρᾶγμα γένηται, τρηκὰ ἅτα διεξωθεῖν αὐτὸν τοῦ μοναστηρίου βούλεται, ἵνα μὴ τῶν ἑαυτοῦ κακῶν, φησί, καὶ ἐτέρους πρόσπομαζῆται ². ἡ δὲ τῶν πατέρων φιλανθρωποτέρα ἐνταῦθα γνώμη πλείονα τὴν ἀνοχὴν καὶ μακροθυμίαν πρὸς τοὺς ἀμαρτάνοντας ἐπιδείκνυσθαι χριστομιμήτως νομοθετεῖ.

¹ cod. vob. ² разумѣется по в. СXXXIII cap. 5 § 1 въ Basilic. IV 1,23.

Κτ̄ ραβιλαμ̄ Διονύσια Αλεξανδρῑυκαγο.

Κτ̄ Διονύσιος Βασιλεῑδη... 485. Ven. Ἰστέον, ὅτι γέγονε μὲν ὁ μακάριος Διονύσιος οὗτος ἀκροατῆς Ὁριγένους· ἐν δὲ τῷ δ' τῆς βασιλείας ἔτει Φιλίππου τοῦ μετὰ Γορδιανὸν βασιλευσάντος, τὸν βίον μεταλλάξαντος Ἑρακλᾶ τοῦ τρισκαίδεκάτου τῆς Ἀλεξανδρέων ἐκκλησίας 5 ἐπίσκοπου, τὴν προστασίαν ταύτης ὅδε ὑπολαμβάνει καὶ πρὸς τοῖς ἐπὶ ε' καὶ ζ' ἔτεσιν, ἦτοι τοῖς λοιποῖς τρισὶν Φιλίππου καὶ τῷ ἐνὶ Δεκίου καὶ τῷ ἐνὶ Γάλλου. Βουλοσιανοῦ τοῦ υἱοῦ Δεκίου, καὶ τοῖς δώδεκα Οὐαλεριανοῦ καὶ Γαλλιανοῦ τοῦ παιδὸς αὐτοῦ, πρὸς κύριον ἐξεδήμησεν. 10 ὁ δὲ Βασιλεῑδης ἦν τῶν κατὰ τὴν Πεντάπολιν τῆς Λιβύης παροικιῶν ἐπίσκοπος, ὡς φησὶν Εὐσέβιος ἐν τε τῷ ς' καὶ τῷ ζ' τῆς ἐκκλησιαστικῆς ἱστορίας λόγῳ.

Въ предисловіи. 486. P (κτ̄ οὐ δὲ ὀψὲ σαββάτων...) Τί τὸ "ὀψὲ" δηλοῖ. Patm₂.

I. 487. P (κτ̄ τοὺς μὲν λίαν ἐπιταχύνοντα...) Τί φησι 15 πρὸς τοὺς ταχύνοντας. Patm₂.

488. P (κτ̄ Οὐ μικρὸν ἐν βίῳ...) Τίνος τὸ "οὐ μικρὸν τὸ παρὰ μικρὸν". Patm₂

489. P (κτ̄ ἐπεὶ μηδὲ τοὺς ἕξ...) Τί φησι περὶ τῶν ἕξ ἡμερῶν τῶν νηστειῶν. Patm₂. 20

II. 490. P Σημείωσαι λίαν ἀκριβῶς τὸ λεγόμενον, ὅτι 1 πᾶν ἐστὶν ἀναγκαῖον. Patm₂.

491. V Περὶ τῶν ἐν ἀφῆδρῳ γυναικῶν.

Κτ̄ ραβιλαμ̄ Πέτρα Αλεξανδρῑυκαγο.

II. 492. V (κτ̄ Πνεῦμα κυρίου ἐπ' ἐμέ... = Исaiи LXI, 1) 25 Τοῦτο ὅλον τὸ προφητικὸν διὰ τὸν ἐπιτιμῶντα ἐνιαυτὸν προεκομίσθη, ἐν οἷς καὶ αὐτὸ φησι, "κηρῶσαι ἐνιαυτὸν δεκτὸν κυρίῳ".

III. 493. V (κτ̄ ἐν τῷ διαστήματι ἰσοσύτου χρόνου) Τριῶν ἐτέρων ἐτῶν.

¹ ὅτι προπ. Patm₂.

V. 494. V (κο второј половинѣ: ἐπεὶ τοίνυν ἔλαθεν...) "Ὅπως τοῦτο, οὐκ ἔχω συνορᾶν, τοῦ κυρίου τὸν ἔμπροσθεν ὁμολογοῦντα τῶν ἀνθρώπων ἀποδεχομένου καὶ τοῦ Παύλου τῷ "καρδιά γὰρ πιστεύεται εἰς δικαιοσύνην. στόματι δὲ ὁμολογεῖται εἰς σωτηρίαν" ¹ πολλῶ τῷ περὶ 5 ριόντι τούτους ὑπευθύνους ἐλέγχοντος· ἐπὶ γὰρ σωτηρία τῆς ἐν τῇ καρδιά δικαιοσύνης ὁμολογεῖν χρή, οὐκ ἐπ' ὀλέθρῳ καὶ ἀπωλείᾳ, ὃ μηδὲ ὁμολογεῖν, ἀλλὰ διαφωνεῖν ἐστὶ πάντῃ καὶ ἀντιφθέγγεσθαι, καὶ οὐδὲ δικαίως τὸ δίκαιον διώκειν, ἀλλὰ ἀδίκως τὸ δίκαιον ῥυποῦν τε καὶ καταχραίνειν, καὶ τὸ δειλὸν τε καὶ ἀνανδρὸν ἐν καιρῷ τῶν ἀγῶνων 10 ἐνδεικνυσθαι, τροπὰς ἀμυθήτους τρεπόμενον καὶ παλιμβόλους μεταχειρίσεις ὑποδύμενον· ὧν οὐδὲν τοῦ ἐπὶ κύριον ὡς ὄρος πεποιθότος Σιών καὶ μηδαμῶς σαλευομένου ταῖς περιστάσεσιν ², οὐ τοῦ τῇ πέτρα τοὺς θεμελίους τῆς ἑαυτοῦ οἰκίας καταθεμένου, τοῦ δὲ πονηροῦ καὶ γόητος ἀνθρώπου προκόπτειν εἰδότος ἐπὶ τὸ χεῖρον καὶ τὸ πλανᾶν καὶ πλανᾶ- 15 σθαι διὰ βίου ποιουμένου ἐλεεινῶς περισπούδαστον.

IX. 495. P Σημείωσαι ὅλον τὸ χωρίον, ὅτι θαυμαστὴν ἔχει διδασκαλίαν περὶ τοῦ μὴ ἐπιδιδόναι ἑαυτοὺς ³ ἀυθαιρέτως ⁴ εἰς μαρτύριον, καὶ διὰ τί. Ven. Patm₂.

496. P (κτ̄ Ἰάκωβος δεύτερος...) "Ὅτι δεύτερος Ἰάκωβος ἐμαρ- 20 τήρῃσεν. Ven. Patm₁ Patm₂.

X. 497. P Περὶ κληρικῶν. Patm₂.

XII. (= XI обьчн. сч.; κт̄ ἴσμεν γὰρ καὶ δι' ἐτέρων πίσιιν...).

498. V Ὡς ἐπὶ τοῦ διὰ τῆς στέγης χαλασθέντος παραλύτου, ᾧ διὰ τὴν τῶν χαλασάντων πίστιν ἄφεσις τε ἁμαρτιῶν καὶ σώματος ῥῶσις 25 ἐδωρήθη, καὶ διὰ τὴν πίστιν πάλιν τοῦ ἀρχισυναγώγου καὶ τοῦ βασιλικοῦ ἐσφῆζοντο οἱ τούτοις προσήκοντες, καὶ διὰ τὴν πίστιν Μάρθας ἀνίστατο ὁ ἀδελφὸς αὐτῆς Λάζαρος.

499. P "Ὅτι διὰ πίστιν ἐτέρων ἀπολαούσι τινες ἀφέσεως ἁμαρτιῶν καὶ σωματικῆς ὑγείας καὶ ἀναστάσεως νεκρῶν. Ven. Patm₁ Patm₂.

30 500. V (κτ̄ ἀμάριη) Σκόπει, ὅτι "ἀμάριη" εἶπεν, ἀλλ' οὐχ "ἀμαρτάνη" τῷ γὰρ τοιοῦτῳ οὐχ ὑπολείπεται συγγνώμη.

¹ Римл. X 10. ² сравн. псалм. СХХІV 1. ³ cod. ἑαυτοῖς. ⁴ ἀυθαιρέτως Patm₂.

XIII (= XII об҃ычн. сч.). **501.** V "Οτι καλόν̄ ἐστὶ χρήματα δοῦναι ¹ καὶ φυγεῖν ² τὸ μαρτύριον. P Patm₁ Patm₂.

XIII. **502.** P (κτ̄ Ἀσσύριον βασιλέα) "Οτι τὸν Ἡρώδη Ἀσσυρίων ³ βασιλέα ὠνόμασεν. Patm₁ Patm₂.

(κτ̄ ἕτερον παιδίον). **503^a.** P Τὸν ἄγιον Ἰωάννην φησί. Patm₂. 5

503^b. Patm₁ Ἰωάννην λέγει τὸν Πρόδρομον.

504. P (κτ̄ Ζαχαρίαν) Ποῖον Ζαχαρίαν Ἡρώδης ἐφόνευσεν. Patm₂.

XIV. **505.** V (κτ̄ ὁμολογηταῖς) "Οτι ὁμολογηταί οἱ ἐπιμένοντες ἐν ταῖς κακώσεσιν, ἔτι καὶ μὴ ἐναποθανόντες ταῖς βασάνοις.

XV. **506.** P Διὰ τί νηστεύομεν τετράδα καὶ παρασκευὴν. Patm₂. 10

507. V "Οτι τετράδα καὶ παρασκευὴν νηστευτέον.

Κτ̄ pravidlamъ Григорія Неокесарійскаго (Чудотворца).

I. **508.** P (κτ̄ οὐ τὰ βρώματα... λέγει) Περὶ τῶν μιαιοφαγησάντων ἐν τῇ τῶν βαρβάρων καταδρομῇ. Ven. Patm₂.

509. P (κτ̄ καὶ τὸ τὰς αἰχμαλώτους γυναῖκας...) Περὶ τῶν 15 διαφθαρεισῶν γυναικῶν ὑπὸ τῶν βαρβάρων. Ven. Patm₂.

II. **510.** P Κατὰ πλεονεξίας.

V. **511.** P Περὶ τῶν ἐν τῇ καταδρομῇ τὰ τῶν ὁμοφύλων ἀρπασάντων πράγματα. Patm₂.

VI. **512.** P, Τί φησιν κατὰ τῶν βία κατεχόντων τοὺς ἐκ τῶν 20 βαρβάρων ἀποφυγόντας αἰχμαλώτους. Ven.

VII. **513.** P Τί φησιν περὶ τῶν ἐγκαταλεχθέντων τοῖς βαρβάροις καὶ ἀτοπά τινα κατὰ τῶν ὁμοφύλων τολμησάντων.

514. V (κτ̄ ἀπειρῶσαι δεῖ...) Καὶ πῶς σήμερον οὐχ οὕτως 25 τοῖς προδόταις χρώνται;

VIII. **515.** P Περὶ τῶν οἴκοις ἀλλοτρίοις ἐπελθεῖν τολμησάντων ἐν τῇ τῶν βαρβάρων ἐπιδρομῇ ⁴ Patm₂.

IX. **516.** Patm₂ Περὶ τῶν ἐν τῷ πεδίῳ ἢ ἐν τοῖς ἰδίοις οἴκοις εὑρόντων τὰ ὑπὸ τῶν βαρβάρων καταλειφθέντα.

X. **517.** V (κτ̄ πληροῦν δεῖ) Τὸ "πληροῦν" ἐστὶν ὅτι τῆς 30 κοινωνίας⁵ ἀξιοῦν χρή.

518. L α'. Ἰστέον οὖν πρόσκλαυσίς ἐστιν ἡνίκα... καὶ μέθεξις ⁵.

¹ δίδοναι Ven. Patm₁ ² διαφυγεῖν P Ven. ³ Ἀσσύριον Patm₁. ⁴ καταδρομῇ Patm₂.

⁵ сходно съ Petropol. 566 XI в. л. 38^b или съ Vindob. hist. gr. л. 84?

Κτ̄ pravidlamъ Βασιλία Βελλικαго.

Βτ̄ I послании. **519.** Ven. (κτ̄ словамъ предисловія: ἡ περὶ τὸ ἀκριβές μερίμνα) Γράφεται καὶ οὕτως: "ἡ περὶ τὸ ἀποκρίνασθαι μερίμνα".

5 I. **520.** Ven. Κεφαλὴ τοῦ πληρώματος τῆς ἐκκλησίας, καθά φησιν Παῦλος ἐν τῇ πρὸς Ἐφεσίους ἐπιστολῇ καὶ ἐν τῇ πρὸς Κολοσσαεῖς, Χριστὸς ἐστὶν, "ἐξ οὗ πᾶν τὸ σῶμα διὰ τῶν ἀφῶν καὶ συνδέσμων ἐπιχορηγούμενον καὶ συμβιβαζόμενον αὔξει τὴν αὔξησιν τοῦ θεοῦ" ¹, γινόμενης δηλαδὴ τῆς ἐπιχορηγίας καὶ μεταδόσεως τοῖς ἡνωμένοις ἀλλήλοις 10 μέλεσιν ἀπὸ τῶν πρώτων ἕως τῶν ἐσχάτων. ὁ τοῖνον πρῶτος ἀποσχίζων ἑαυτὸν τοῦ παντὸς σώματος οὐ πάντη πάντως ἀφίσταται, ὅτι μηδὲ ἡνωται, ἀλλ' ἔτι ἔχεται τοῦ ἀφ οὗ ἐσχίσθη· τοιαύτη γὰρ τῶν σχιζομένων ἢ φύσις. ὁ δὲ τῷ ἀπσχισμένῳ προστιθέμενος ὕστερον ἀπορρήγνυται καὶ ἀφίσταται καθάπαξ οὐπὲρ εἶχετο σώματος· οὐδὲ γὰρ ἐνδέ- 15 χεται τοῖς δυσὶν ἅμα τὸν αὐτὸν ἡνώσθαι. καὶ ὡσπερ τὸ τοῦ σώματος ἀπορρήγνυμενον μέλος νεκροῦται, τῆς ζωτικῆς αὐτῷ μὴ χορηγουμένης ἐκεῖθεν δυνάμεως, οὕτω καὶ αὐτὸς νεκρούμενος οἷον τῷ πνεύματι τῆς ἱερατικῆς ἐκπίπτει χάριτος, ἣν εἶχεν λαβὼν παρὰ τοῦ ᾧπὲρ ἡνωτο, καὶ γίνεται λοιπὸν λαϊκός. παρὰ τοῦ ᾧ προσετέθη χάριν ἱερατικὴν 20 οὐκέτι λαμβάνων, οὐ μόνον ὅτι δεκτικὸς οὐχ ὑπάρχων νεκρὸς ἤδη τρόπον ἕτερον γεγενημένος, ἀλλ' ὅτι οὐδ' αὐτός, ᾧ προσῆλθεν, δυνατός ἐστιν μεταδιδόναι· ἡ γὰρ μετάδοσις διὰ τῶν ἀφῶν γίνεται καὶ τῶν συνδέσμων. ἐκεῖνος δ' ἀποσχίσας ἑαυτὸν τῶν ² οἷς συνήπτετο καὶ συν- ἐδέδετο, ὃ μὲν ἔλαβεν ἔχει, λαβεῖν δ' ἕτερος οὐχ οἷός τ' ἐστίν, καὶ 25 ἀκολούθως οὐδὲ μεταδοῦναι ἑτέροις, οὐ μόνον ὅτι μὴ ἔχει, ἀλλ' ὅτι μὴδὲ πέφυκε μεταδιδόναι οὔτε τοῖς πρὶν οἰκείοις (ἀπέχεται γὰρ αὐτῶν) οὔτε τοῖς ἀλλοτρίοις, ὅτι ἀδύνατον· πῶς γὰρ σώματος μέλος μεταδοίη τινὸς ἐνεργείας εἴτε τῷ ἀλλοτρίῳ μέλει εἴτε τῷ ἐκ τοῦ αὐτοῦ σώματος ἀπορραγέντι καὶ ἀποτιμηθέντι;

30 (κτ̄ Τὸ μὲν οὖν περὶ τοὺς Καθαροὺς ζήτημα...) **521.** Ven. Καθαροὺς τοὺς Ναυατιανούς, οἶμαι, φησίν.

¹ Колосс. II 19; сравн. Ефес. IV 13—16. ² cod. τὸν.

522. V Τί φησιν περὶ τῆς αἵρέσεως τῶν Καθαρῶν, οἵτινες εἰσιν, ὡς οἶμαι, οἱ Ναυατιανοί.

523. P Τί φησιν περὶ τῶν Καθαρῶν. Patm₁ Patm₂.

(κτ̄ Τὸ δὲ τῶν Πεπουζηνῶν...) **524.** P Τί φησι ¹ περὶ τῶν Πεπουζηνῶν. Patm₁ Patm₂. 5

525. V Πεπουζηνοὶ οἱ ἀπὸ Μοντανῶ, τοὺς αὐτοὺς δὲ καὶ Φρύγας φασί· Πέπουζα γὰρ κωμῦδριόν ἐστιν ἐν Φρυγίᾳ, ἀφ' ἧς ὠρμάτο Μοντανὸς καὶ Πρίσκιλλα.

(κτ̄ ὁθεν τὰς μὲν αἵρέσεις ἀνόμασαν...). **526^a.** Ven. Τῶν αἵρέσεων αἱ μὲν αἵρέσεις, αἱ δὲ σχίσματα, αἱ δὲ παρασυναγωγαί. 10

526^b. P Τὰς μὲν αἵρέσεις, τὰ δὲ σχήματα ², τὰς δὲ παρασυναγωγάς. Patm₁.

(κτ̄ Αἵρέσεις μὲν τοὺς... πίστεώς ἐσιν ἡ διαφορὰ) **527^a.** Ven. Τί σχίσμα καὶ τί ἐστὶν αἵρεσις.

527^b. P Τί αἵρεσις, τί σχίσμα. 15

527^c. V Τί αἵρεσις, τί σχίσμα, τί παρασυναγωγή. Patm₂.

528. V (κτ̄ τὸ δὲ τῶν ἀποσχιστῶν... ³) Περὶ τῶν ἀποσχιστῶν.

529. P (κτ̄ Ἔδοξε τοῖς ἀρχαῖοις...) Τί ἔδοξε τοῖς πατράσι περὶ τῶν αἵρετικῶν καὶ τῶν σχισματικῶν καὶ τῶν παρασυναγόντων ⁴. Ven. Patm₂. 20

530. P (κτ̄ οἱ τοῖνυν Πεπουζηνοὶ...) Τίς ἡ αἵρεσις τῶν Πεπουζηνῶν. V Patm₁.

531. P (κτ̄ διὰ τὸ ἀσυγχώρητον εἶναι...) Ποῖον ἀσυγχώρητον πταῖσμα. Patm₂.

532. P (κτ̄ οἱ Καθαροὶ καὶ αὐτοὶ...) Περὶ ⁵ Καθαρῶν. Patm₂. 25

533. P (κτ̄ ἔδοξε τοῖς ἀρχαίοις...) Τί ἔδοξε Κυπριανῶ καὶ Φιρμιλιανῶ περὶ Καθαρῶν καὶ Ἐγγρατιτῶν καὶ Ὑδροπαραστατῶν. Patm₂.

534. V (κτ̄ οἱ δὲ τῆς ἐκκλησίας ἀποσιάντες...) Περὶ ἀποσχιστῶν καλλίστη κρίσις.

(κτ̄ τὸ δὲ τῶν Ἐγγρατιτῶν κακούργημα...) **535.** Ven. Ἔθους ³⁰ γὰρ αὐτοῖς ὄντος μὴ βαπτίζειν τοὺς προσιόντας, ἤμειψαν κακούργως τὸ τοιοῦτον ἔθος καὶ ἤρξαντό βαπτίζειν τούτους.

536. P Περὶ ¹ τῶν Ἐγγρατιτῶν τὸ κακούργημα. Patm₂.

537. (κτ̄ νομίζω τοῖνυν, ὅτι...) Ἀνάγκωθι τὸν μζ' κανόνα περὶ τοῦ αὐτοῦ ² κεφαλαίου. Patm₂ Ath.

538. P (κτ̄ ἐπὶ τὸν βαπτισμόν) Ὅρα, μὴ ἀπὸ τοῦ βαπτισμοῦ ⁵ εἶχεν.

II. **539.** V Ὅτι δέκα ἔτεσιν ἐπιτιμῶνται αἱ τὰ φθόρια ποιούσαι.

540. P Περὶ τῆς κατ' ἐπιτήδευσιν φθειράσης ³ τὸ κατὰ γαστροῦ. Patm₁ Patm₂.

541. Patm₂. Ὅτι ἡ φθορὰ τοῦ ἐμβρύου φόνοσ ἐστίν.

III. (κτ̄ ἀρχαῖος ἐστὶ κανὼν...). **542.** V Τῶν ἱερῶν ἀποστόλων. 10

543. Patm₂. Σημείωσαι ἀρχαῖον κανόνα.

544. P Περὶ διάκονος ⁴ πορνεύσαντος. Patm₂.

545. P (κτ̄ δι' εἰέραν δὲ αἰτίαν...) Σημείωσαι αἰτίαν πάνυ ἀναγκαίαν.

15 **546.** P (κτ̄ καθόλου ἀληθέστερον...) Τίς ἡ καθόλου τῆς ἀμαρτίας ἰατρεία. Patm₂.

IV. **547.** V Τίνας βούλεται ὁ ὑπὸ τῶν ἐν Νεοκαισαρείᾳ πατέρων ἐκτεθεὶς κανὼν πλείστοις γάμοις περιπεσόντας, οὗτος ὁ κανὼν ἐξηγεῖται ὅτι τοὺς τριγάμους φησὶν ἐκεῖ ἢ πολυγάμους· ἀλλαγῶ γὰρ οἱ πατέρες τῶν τοιούτων οὐκ ἐπεμνήσθησαν γάμων, ἵνα πρὸς ἐκεῖνα τὴν παροῦσαν διάταξιν ἀναφέρωμεν καὶ στάσιν τῶ πράγματι προσπορίζωμεν (κτ̄ ὀνομάζουσι δὲ...). **548.** V Ἐκ τούτου ἀναμφιλέκτως διαγνώσκεται, ὡς τοὺς τριγάμους φησὶ καὶ πολυγάμους.

549. P Ὅτι τὴν τριγαμίαν πορνείαν ὀνομάζουσι κεκολασμένην. Ven.

25 (κτ̄ διὸ καὶ ὁ κύριος...). **550.** V Τὸ "διὸ καὶ ὁ κύριος". αἰτία τοῦ "διὸ" οὐκ ἠγέσχετο ἐπὶ τῶ τῆς πολυγαμίας ὀνόματι τὸν τριγάμον ἀφεῖναι, ὡς τοῦ μὲν τριγάμου ἱασίμου ὄντος τῶ ἐπιτιμῶ (σωφρονιζόμενον ἔξ τοῦτον τῆ συζυγίᾳ), τοῦ δὲ πολυγάμου οὐκέτι, εἰ μὴ καὶ τοῦ ἀθέσμου ἀπόσχοιτο συνοικεσίου, καὶ δῆλον ἀφ' οὗ πρὸς τὴν πορνείαν ἀφωμοῖεται τὴν ἀκόλαστον· εἰ γὰρ ὁ τρίτος κεκολασμένη πορνεία, ὁ τούτους ὑπερεκπίπτων ἀκόλαστος ἀναντιρρήτως, δὲ οὐδὲ ἄξιος τῶ τοῦ ἀνδρὸς ἢ γυναικὸς καλεῖσθαι προσήματι.

¹ περὶ προπ. Patm₂. ² περὶ τούτου τοῦ Ath. ³ φθειράσης; Patm₁. ⁴ διάκονο Patm₂.

¹ τί φησι; προπ. Patm₁. ² σχίσματα Patm₁. ³ Pitra I 577 23: ἀποσιάντων.

⁴ παρασυναγωγῶν Ven. ⁵ τῶν βεταβλ. Patm₂.

551. P Σύννου.

552. V (κο второй половинѣ) Πάνυ ἀκριβῶς τῷ ὠρισμένῳ τῆς ἐπα-
ναφορᾶς κατησαλίσατο τὸν λόγον, ὡς οὔτε τὰ κατόπιν μικρῶ ὁ νῦν
λόγος περιλαμβάνει, οὔτε τὰ ἐν ἐκείνοις περὶ τῶν παρόντων ἐνδεικνυταί τι.

553. P Τί δεῖ ποιεῖν τοῖς ὑπὲρ διγαμίαν πεσοῦσιν. 5

554. V (κτ̄ ἐπὶ τῶν τριγάμων πενιαετίαν...) 'Ὡς εἰ ὁ δίγαμος
δύο ἔτεσιν ἐπιτιμητέος, ὁ τρίγαμος τέτρασι κατὰ τὸ διπλάσιον καὶ τι
τούτοις μικρὸν πρὸς· οὐ μέντοι καὶ τοῖς περαιτέρῳ τὸ συζύγιον παρα-
τείνουσιν, ὡσαύτως ἀναποβλήτως ἔχουσι τοῦ γυναιίου, χρηστέον (πῶς
γὰρ οἱ γε μὴ ἄξιοι τῷ τοῦ νομίμου γάμου προσρήματι σεμνόνεσθαι, τῆ
πρὸς ἀλλήλους σχέσει ὀνομαζόμενοι;), ἀλλ' ὥσπερ οἱ κατ' ἀκόλαστον
πόρνοι, οἷς καὶ προβαίνων τούτους ἐξομοιώσεται, ἀναχωροῦντες τοῦ πά-
θους καὶ τοῦ τὴν πληγὴν προξενήσαντος πάντη ἀπαλλασσόμενοι, οὕτω τοῖς
ἐπιτιμωμένοις ὑπάγοντο.

555. V (κτ̄ ὡς οὐκέτι ἀξίων ὄντων ἰῶν ὑπερεκπεσόντων...) 15
Σκόπει, ὅτι τῶν ὑπερεκπεσόντων εἶπεν, οὐχὶ δὲ τῶν ἐκπεσόντων ἐξ-
έπεσεν μὲν γὰρ τοῦ δευτέρου μόνος ὁ τρίτος, ὑπερεξέπεσον δὲ οἱ τού-
του ἐξῆς, οἱ οὐδὲ τῷ τοῦ ἀνδρὸς ἢ τῆς γυναικὸς ἄξιοι καλεῖσθαι προσ-
ρήματι (τοῦτ' ἔστιν ἔννομος γάμος), ἀλλὰ πρὸς τὸ τῆς πορνείας ἐξάριστον
ἀποσκυβαλίζονται. καὶ ἵνα μὴ νομίσης, ὅτι τούτοις συντάττει καὶ τοὺς
τριγάμους, ἐπάγων τι φησί, "συνήθειαν δὲ κατελάβομεν", οὐκ ἐπὶ τῶν
τοιούτων, ἀλλ' "ἐπὶ τῶν τριγάμων", τῷ ὠρισμένῳ τοῦ ὀνόματος ἀποδι-
στῶν καὶ δεικνύς, ὡς οὐκ ἐπὶ τῆς αὐτῆς τῶν τριγάμων ἦν ἐννοία τὸ
τοῦ κυρίου ἐπὶ τῆ Σαμαρείτιδι κομίζων ὑπόδειγμα, ἀλλὰ τὸ μὲν περὶ
τῶν ὑπερόριον τοῦ τρίτου φερομένων· ὁ τρίτος δὲ κατ' οὐδὲν αὐτοῖς
κοινωνεῖ, ὅσον εἰς ἀθέτησιν ἐννόμου γάμου. 25

556. P Περὶ τριγάμων¹ καὶ πολυγάμων. Ven.

557. P 'Ανάγνωθι τὸν ἡ' κανόνα περὶ τοῦ αὐτοῦ κεφαλαίου.

Ven. Ath.

V. 558. P Πῶς δεῖ δέχεσθαι τοὺς ἐπὶ ἐξόδῳ αἰρετικούς. 30

VI. 559. V 'Ἄλλ' οἱ νῦν οὐ βούλονται τοῦτο, ἀλλ', εἰ μόνον ὀνόματι
σεμνῷ τὸ αἰσχιστον ὀνομασθεῖη, οἶονταί τι δύνασθαι τὴν κλήσιν ἀπὸ
τῆς ἀσελγείας ἐπικοσμεῖν καὶ μεταμείβειν τὸ τοῦ πράγματος ἄτοπον.

¹ Γάμων Ven. (B.M. Περὶ τριγάμων).

VII. 560. Ven. Οἱ μὲν γὰρ ἀρρένοφθόροι καὶ ζωοφθόροι καὶ
μοιχοὶ τῇ πεντεκαίδεκαετία ὑποπίπτουσιν, οἱ δὲ φονεῖς καὶ φαρμα-
κοὶ τῇ εἰκοσαετία. εἰδωλολάτραις δὲ οἶμαι λέγειν αὐτὸν τοὺς γόητας
καὶ τοὺς μάντις (τρόπον γὰρ τινα καὶ αὐτοὶ εἰδωλολατροῦσιν, ἐπικλή-
5 σεσιν χρώμενοι δαιμονίων), ἐπεὶ οἱ ἀπ' ἀρχῆς εἰδωλολάτραι μετανοοῦντες
καὶ βαπτιζόμενοι αὐτίκα δεκτοὶ εἰσιν, οἱ δὲ τὸν Χριστὸν ἀβιάστως
ἀρνησάμενοι καὶ εἰδωλολατρήσαντες ἐν ὄλη τῇ ζωῇ αὐτῶν ὀφείλουσι
προσκλαίειν.

VIII. 561. P (κτ̄ 'Ἀκούσιον μὲν γὰρ...) Τί ἀκούσιον ἀμάρτημα.

562. P (κτ̄ 'Ἐκούσιον δὲ πάλιν...) Περὶ ἐκουσίων φόνων.
Patm₁ Patm₂.

563. P (κτ̄ οἱ τε ἐν τοῖς πολέμοις...) Περὶ τῶν ἐν τοῖς πο-
λέμοις ἀναιροῦντων.

564. P (κτ̄ περιέρχον φάρμακον) Σημείωσαι περίεργον
15 φάρμακον.

IX. 565. P Περὶ τῶν πορνεούτων ἀνδρῶν τε καὶ γυναικῶν τὸ
διάφορον.

X. 566. Ven. (κτ̄ Σευῆρον) 'Ὁ μὲν Σευῆρος ἐπίσκοπος ἦν
Βασάδων· τὰ δὲ Μίνδανα ἀγρὸς Λογγίνῳ μὲν τινα διαφέρων, τῇ ἐφορεία
20 δὲ ὑποκείμενος τῆς ἐπισκοπῆς Μισθείας, εἰς ὃν χειροτονηθεὶς παρὰ
τοῦ Σευῆρου πρεσβύτερος ὁ Κυριακὸς καθωρκώθη μὴ ἐξ αὐτοῦ ἀναχω-
ρήσειν. ἐπεὶ δ' οὐκ ἔξεστιν εἰς ἀλλοτρίαν ἐνορίαν ἱεράσθαι τὸν ὑπὸ τοῦ
Βασάδων χειροτονημένον, μετετέθη ἐκεῖθεν· καὶ ὁ μὲν Λογγίνος, ἀγα-
πῶν τὸν Κυριακόν, ἐβλασφήμει τοὺς τῆς ἐκκλησίας διὰ τὴν μετάθεσιν,
25 ὁ δὲ Κυριακὸς ἐδόκει ἐπιτορκεῖν ἀπὸ Μινδάνων μετατεθείς.

567. Ven. (κτ̄ ἀργίας) Τὸ περὶ τὰ κακὰ ἐνεργεῖν ἀπὸ τῶν κα-
λῶν ἀργεῖν ἐστὶ. ἄρα οὖν καὶ ἡ κατὰ τῆς ἐκκλησίας βλασφημία καὶ ὁ
μῶμος ἀργολογία καλοῦ καὶ λέγοιτο ἂν καὶ εἴη.

XIII. 568. Ven. "Ὁρα, πῶς οὐδὲ ὁ ἅγιος αὐτὸς θαρρῆει, οἷς διορίζε-
30 ται νῦν· ἄτοπον γὰρ τὸ ὑπὲρ ἐκδικήσεως εὐσεβείας καὶ σωφροσύνης
δίχην ὑπέχειν τινα.

569. V (κτ̄ ὁ κανὼν) Τῶν ἀποστόλων αὐτῶν.

XV. 570: P (κτ̄ πρὸς τοὺς ἰχθύας ἀκαταλλήλως...) Σημείωσαι
ἐρμηνείαν. Patm₁.

571. Ρ (κτ̄ οὐ γὰρ εἶ τι ἐνυδρον...) "Ὅτι οὐκ εἶ τι ἐνυδρον, τοῦτο πάντως ἰγθύς. Patm₂.

XVI. **572.** Ρ Ὠραία ἐρμηγεία.

Βο II послании. **573.** Ρ (κτ̄ заглавію). Σχόλιον ¹. Ἐκ ταύτης καὶ τῆς μετ' αὐτὴν ἀνελήφθησαν οἱ τοῦ ἁγίου κανόνες, καθὰ προδε- 5 δήλωται, οἱ τοῖς ² ν' τίτλοις τῆς κανονικῆς ὑποδιαιρούμενοι βιβλίου ³. Ven. Patm₁ Patm₂.

574. V (κτ̄ предисловіи κт̄ ὁδῶν ἐμπειροὶ καὶ παρεσκευασμένοι πρὸς τὰς τοιαύτας ὑπηρεσίας) Πληθυντικὴ φωνὴ ἐπὶ ἐνικῆς σημασίας. 10

XVII. **575.** Ven. Πῶς ἰδίᾳ μὲν συγχωρεῖ τούτους τῆ μυστικῆ καθυπηρετεῖσθαι λειτουργία, ἐπὶ δὲ τοῦ κοινοῦ ἀπείργει.

XVIII. **576.** Ven. (κτ̄ ἐμοὶ δὲ δοκεῖ...) Ἀνάγνωθι τὸ δ' κεφάλαιον. Ρ Patm₁ Patm₂. Ath.

577. Ρ (κτ̄ τὸ τῶν χιρῶν ἀμαρτήμα...) Διαφορὰ ⁴ ἀμαρτή- 15 ματος χήρας καὶ παρθένου. Patm₂.

578. Ρ (κτ̄ παρθένος ὀνομάζεται...) Ποίαν οἶδεν παρθένον. V Patm₂.

579. Ven. (κτ̄ τὰς δὲ ὁμολογίας τότε ἐγκρίνομεν...) Πότε 20 ὀφείλει γίνεσθαι τις μοναχός, ἐν ποίᾳ ἡλικίᾳ.

580. V (κτ̄ ἅς οὐ ραδίως προσδέχεσθαι χρή...) Οὕτω καὶ νῦν, εἰ σωφρονοῦμεν, ἐπὶ τῶν μοναζουσῶν χρῆ ποιεῖν, ἀλλὰ μὴ τῶν προσαγόντων ταῖς γνώμαις ἀρκουμένους αἰσχύνης τὰ ἱερὰ πληροῦν μοναστήρια.

XIX. **581.** Ρ Περὶ ἀνδρῶν μοναχῶν ἐκπεσόντων Patm₂. 25

582. Patm₂. Ἐν τῷ ξ' κανόνι τῷ τῆς μοιχείας τούτους ⁵ ὀπάγει ἐπιτιμίῳ. Ath.

XX. **583.** Ρ Περὶ τῶν ἐν αἰρέσει οὐσῶν καὶ παραπεσουσῶν.

584. Ρ (κτ̄ καὶ καθόλου τὰ ἐν τῷ κατηγουμένῳ βίῳ...) 30 Καθολικὸς λόγος περὶ κατηγουμένων. Patm₂.

585. Ven. (κτ̄ τὰ πρεσβεῖα τῆς γενέσεως) Τὰ τίμια καὶ τεβάρια προνόμια τῆς παλιγγενεσίας εἶπουν τοῦ βαπτίσματος.

586. V (κτ̄ γενέσεως) Τῆς πνευματικῆς δηλονότι.

587. Ven. Ἰστέον, ὅτι οὗτος μὲν ὁ ιθ' κανὼν τοὺς μονάσαν- 5 τας ἀνδρας, εἶτα πρὸς τὸν φιλόσαρκον ἐκκλισθέντας βίον, τοῖς τῶν πόρνων ὑποτίθεται ἐπιτιμίῳ· ὁ δὲ γε ξ' ταῖς παρθενεύειν ἐπαγγελια- 5 μέναις γυναξίν ἢ καὶ τὸν μονήρη βίον ὑπελθούσαις, ἔπειτα παραπε- πτωκυαίς, ὡς μοιχαλίσιν ἐπιτιμᾶ· καθάπερ γὰρ ἐπὶ τῶν σωματικῶν συνοικεσιῶν ὁ μὲν ἀνὴρ πορνεύων ἐφ' ἑτέραν γυναῖκα κρίνεται πορνεύειας, ἢ δὲ γυνὴ πρὸς ἀνδρα ἕτερον ἀποκλίνουσα μοιχείας ὑπέχει δίκην, καθὰ φασιν οἱ τούτου τοῦ μεγάλου κανόνες, ὅ τε ιθ' καὶ ὁ κ', καὶ ὁ μὲν 10 ὡς πόρνος, ἢ δὲ ὡς μοιχαλὶς ἐπιτιμᾶται, οὕτω καὶ ἐπὶ τῶν πνευματικῶν κατὰ τὸ ἀνάλογον ἤττον μὲν ὁ ἀνὴρ, βαρύτερον δὲ ἡ γυνὴ τιμωρεῖται.

588. V Οὐκ ἀντιφθέγγεται τὰ παρόντα οὔτε τοῖς ἐν Νικαίᾳ, οὔτε τοῖς ἐν Νεοκαισαρείᾳ· οἱ μὲν γὰρ περὶ τῶν καθ' ἡμᾶς τῷ ὄντι 15 πιστῶν ἐθέσπισαν, ἱν' εἴποτε κατηγούμενος παρ' ἡμῖν ἀμαρτή, ἐπιτιμίῳ ὀποβάλληται· τῷ δὲ νῦν ἱεροῦ Βασιλείῳ ἔοικέ μοι περὶ τῶν ἐν αἰρέσει κατηγουμένων εἶναι τὸν λόγον. καὶ δῆλον ἀφ' ὧν ἐπάγει, τούτους μὴ 20 ἄνευ βαπτίσματος, ὃ καὶ τοῖς θείοις ἀποστόλοις δοκεῖ, τὴν καθ' ἡμᾶς παραδέχεσθαι ἐκκλησίαν· εἰ γὰρ οὐδὲ οἱ παρ' αὐτοῖς πιστοί, ἅτε δὴ ἔσχοτισμένοι τῇ αἰρέσει, οὐκ ἐπιγινώσκουσι τὸ εὐάρεστον τῷ κυρίῳ, 20 πολλῶν ἂν δέοι τοὺς κατηγουμένους αὐτῶν εἰδέσθαι· τῷ δὲ μὴ εἰδέσθαι συγγνωστὸν πᾶν τὸ ἀμαρτανόμενον. οὐ μὴν οἷ γε καθ' ἡμᾶς κατη- χούμενοι ἀγνοοῦσιν (πῶς γάρ;), οἱ γευσάμενοι θεοῦ καλὸν ῥῆμα διὰ τῆς τῶν θείων γραφῶν ἀκροάσεως, ὡς καὶ ἀλλαχοῦ εἵπομεν, ἀφ' οὗ καὶ τὸ ἐπιτιμᾶσθαι αὐτοὺς ἔννομον ἀπεδείξαμεν καὶ δικαιοσύνης ἐχόμενον. 25 οὐκ οὐν περὶ τῶν καθ' ἡμᾶς κατηγουμένων ὁ λόγος, ἀλλὰ περὶ τῶν κατὰ τὰς αἰρέσεις· εἰκὸς γὰρ αὐτοὺς μετὰ τῶν ἄλλων καὶ τοῦτο πλημ- μελεῖν, τὸ ἐν τῷ κατηγουμένῳ βίῳ παρθεναίας ἔχειν ἐπάγγελμα, ὃ παρ' ἡμῖν οὐκ ἔστι. πῶς γὰρ οἶόν τε ἐκκλησιαστικὸν τάγμα καὶ οὕτω σεμνόν 30 τε καὶ τίμιον ἐκ κατηγουμένου βίου συγκροτεῖσθαι; ἢ πῶς παρθένος ἢ ἔξω τοῦ ἱεροῦ θαλάμου διαβιοῦσα καὶ τῷ ἀνεπισημάντῳ καὶ ἀσφρα- γίστῳ εὐεπιχειρήτος οὔσα τοῖς θανατοῦσι θηρίοις; εἰ δὲ τις τοῦτο μὲν οὐ προσίεται, φάσκει δὲ μὴ ἱκανὸν εἶναι πρὸς ἀπόδειξιν τοῦ λόγου, ὡς τοὺς κα(τὰ) τὰς αἰρέσεις κατηγουμένους ἀνευθύνους ἀφίησιν ὁ παρῶν Βασιλείου κανὼν, οὐ τοὺς καθ' ἡμᾶς, τῷ κελεύειν αὐτὸν μὴ ἄνευ βα-

¹ σχόλιον προπ. Ven. ² τῆς cod. ³ βιβλίου προπ. Ven. ⁴ Διαφορὰν Patm₂.

⁵ αὐτοῦς Ath.

πίσματος αὐτοὺς παραδέχεσθαι (τοῦτο γὰρ κατὰ πάντων ἐπιτέτραπται τῶν αἱρετιζόντων καὶ Βασιλείῳ καὶ τοῖς ἀποστόλοις, ὡς ἐφθημεν γράψαντες, καὶ τοῖς ἀρχαιότεροις τῶν ἱερῶν πατέρων), ἀλλὰ περὶ παντὸς κατηγουμένου ὁ λόγος ἐκλαμβανόμενος προέχεσθαι Βασιλείον ὑπάγει, ὡς ἐναντία τοῖς ἄλλοις πατράσιν ἀποφαινόμενον, — ἐγὼ μὲν τοσοῦτον ἀγνόημα κατασκεδάσειν τοσοῦτου ἀνδρὸς ἢ αὐθάδειαν πρὸς τοὺς πρὸ αὐτοῦ ἱεροῦς πατέρας τούτῳ ἐπικαλεῖν ὀκνῶ, ἀλλὰ καὶ διανοηθῆναι. εἰ μὴ τις οὖν καταδέχοιτο τοῦτο, ἐκεῖνο εἰπεῖν ἔχω, ὡς, εἰ καὶ περὶ τῶν τῷ ὄντι κατηγουμένων ὁ λόγος οὐδὲν οὐδ' οὕτως πρόκριμα Βασιλείῳ, ὡς τοῖς ἱεροῖς ἀναπίπτοντι πατράσιν· οἱ μὲν γὰρ περὶ τῶν ἀναιδῶς ἀμαρτανόντων καὶ ἀκολάστως τὸ ἐπιτίμιον ἀφορίζουσιν, οὗτος δὲ περὶ τῶν ἐχόντων τινὰ συγγνώμην τῷ εὐσχημονεστέρῳ δῆθεν τοῦ πράγματος ταῦτά φησιν (γάμον γὰρ ἀνθεῖλοντο τοῦ ἱεροῦ ἐπαγγέλματος), πλὴν εἰ μὴ τὸ ἐν αἰρέσει, ὃ τῷ κατηγουμένῳ ἐνάμιλλον βίῳ, τὸ τοιοῦτον ἠχρείου ἐπιτήδευμα· τίτι γὰρ ἀνακειμένη τὴν παρθενίαν ἢ τοῖς ψευδο-χρίστοις ἀκολουθήσασα καὶ τοῦ θεοῦ νυμφῶνος πόρρω που πλανωμένη; οὐδὲν ἂν ἢ τοῦ σεμνοῦ ὀνόματος, γάμου φημί, εὐσχημοσύνη τὸ ἄτοπον τοῦ πράγματος ὤνησεν· οὐ γὰρ τὸ ὄνομα τὸ πρᾶγμα, ἀλλὰ τὸ πρᾶγμα ἢ τοῦ ὀνόματος αἰτιάζεται ποιότης.

589. V (ἐκ ὧστε ἀναγκαιότατα...) Τοιοῦτόν ἐστι τὸ λεγόμενον. ὧστε οὐδὲν πρόκριμα φέρει ἐπὶ τοῖς τοιούτοις ἢ ἀδέτησις τοῦ ἐπαγγέλματος· τὸ γὰρ τῆς πνευματικῆς ἀναγεννήσεως πρεσβεῖον ἀναγκαιότερον τὰ προγενέστερα ἐαυτοῦ λύειν ἐγκλήματα.

XXII. 590. V (ἐκ τοῖς πορνεύουσιν...) Τοῖς ἀπλῶς καὶ ἀπαξ ἐπὶ μιᾷ μιανθεῖσιν.

591. Ven. Τὸ ἐπιτίμιον ἐν τῷ κ' κεφαλαίῳ ὀρίζει Patm₂ Ath.

592. P Σημεῖωσαι τὸ "ἐκ διαφθορᾶς".

593. P Σημεῖωσαι τὸ ἐπιτίμιον πορνείας. Patm₁.

XXIII. 594. V Περί τοῦ τὴν τοῦ ἀδελφοῦ γυναῖκα ἀγομένου.

595. P (ἐκ ἐπιστολίδιον) Τὴν πρὸς Διδώρον λέγει, κειμένην καὶ αὐτὴν ἐν τῷ παρόντι τεύχει. Ven. Patm₁ Ath.

XXIV. 596. V (ἐκ χηρεύσαντι) Χηρεύσαντι ἐκ πρώτης δηλαδὴ γυναικός· οὐ γὰρ καὶ ἐκ δευτέρας, ἐπεὶ μάτην τὰ πρὸ τούτων ἐπὶ τῶν τριγάρων ἐκπεφωνημένα.

597. P (ἐκ началу) Τίς ἢ χήρα.

XXV. 598. V Καὶ τοῦτο ἐπὶ τοῦ ἐν πρώτῳ γάμῳ ἢ δευτέρῳ ἢ τρίτῳ ἀκουστέον.

XXVI 599. V Οὐκ ἀορίστως τοῦτο οὐδὲ ἀδιαφόρως φησὶν, ἀλλὰ τοὺς ἢ κατὰ πρώτην ἔντευξιν γάμου οὕτως συναπτομένους, ἢ τοὺς μὴ ἐξ ἀριθμοῦ τὸ κεκωλῦσθαι παρέχοντας.

600. Ven. Ζήτει τῆς ζ' συνόδου κανόνα κς'.

XXVII. 601. P Περί ὄρκων.

XXIX. (ἐκ Ἀρχοντίας μένιοι ὀμνύειν...) **602^a.** P Περί ὄρκου.

602^b. Patm₁ Περί ὄρκων.

603. Ven. (ἐκ Θεραπεύεσθαι) Διορθοῦσθαι διὰ νοουθεσίας.

XXX. 604. V (ἐκ τὸ δὲ μὴ βιαίως...) Τοῦτο προστίθησιν ἀντιπίπτον λόγων· πολλοὶ γὰρ ἐκουσίως ἑαυτὰς ἐχιδουῶσαι προβάλλονται, πρὸ γε τῆς αἰδοῦς τοῦ πραττομένου, τὸ μὴ ἐθελούσιως, ἀλλ' ἐκ βίας ὑποστῆναι τὸν γάμον, οὗ χάριν τὰ παρόντα ὁ σοφώτατος προστίθησιν ἱατρός, φθάνων τῇ ἀγγινοίᾳ τὰς προσφάσεις καὶ ἀκριβεῖ δοκιμασίᾳ τὴν θεραπείαν διατιθέμενος,

XXXII (ἐκ τὴν πρὸς θάνατον ἀμαρτίαν). **605.** V Λέγεται πρὸς θάνατον ἀμαρτία παρὰ τῷ θεολόγῳ Ἰωάννῃ καὶ πᾶσα σωματικὴ ἀκαθαρσία· ἀλλ' ἐνταῦθα, δοκῶ μοι, καλῶς ἔχει τὰ παρακείμενα καὶ καταλλήλως, εἴ γε περὶ ἐκείνων μὲν εἴρηται πολλαχοῦ, περὶ δὲ τούτων ὑποτίθησι ταῦτα οὐδαμοῦ· πλημμελὲς δὲ τοιοῦτον ἄνδρα ἠγεῖσθαι ταῦτολογεῖν.

606. V Πρὸς θάνατον ἀμαρτία ἢ ἀπὸ τῶν πολιτικῶν νόμων ἀπειλοῦσα τὸν θάνατον τῷ διαπραξαμένῳ. Ἐν' οὖν μὴ τις νομίση πρὸς τὴν γυμνώσει τῆς ἱερωσύνης ἔτι καὶ δίκας ὑπέχειν τοῦ τολμήματος, ταῦτά φησι· καὶ γὰρ εὐλογόν τισι καταφαίνεται μὴ ὁμοίαν ὑπέχειν τιμωρίαν φονεᾶ καὶ πόρνον. εἴπερ οὖν ἢ πορνεία τῆς ἱερᾶς ἀπαμφιένουσι τιμῆς, πλείον ὀφείλει δήπου ὁ φονεὺς ἀποτίνειν ποινήν. ἀλλ' οὐ δικαιοῖ τοῦτο ὁ πιστότατος οἰκονόμος, θάνατον καθάπαξ ἐπιστάμενος πολλῶ δεινότερον τοῦ σωματικοῦ τὸ εἰς τὴν θεῖαν ἐπηρεᾶζον τιμὴν (τί δ' ἂν τις καὶ πάθοι βαρύτερον τοῦ θανεῖν καὶ τότε τὸ ὀλεθριώτερον τοῦ σωματικῶς ἀποβιῶναι;), ὡς τῆς τοῦ κρείττονος ἀλλοτριοῦν θεραπείας, δι' ὃ πᾶσα ἢ ἐπὶ γῆς ἡμῖν πραγματεία διωκονόμεται.

XXXIII. 607. Ven. Ζήτηι τὸν ε' κανόνα τῆς ἐν Νικαία συνόδου.

XXXVII. 608. V (κτ̄ ἐπὶ μὲν τῇ πρώτῃ) Τῇ ἀφαιρεθείσῃ ὡς ἀλλοτρία δηλονότι.

XXXIX. 609. V (κτ̄ μοιχῶ συζῶσα) Τὴν ἀνεχομένην συζῆν τῷ τὴν πρώτῃν ἀλόγως ἐγκαταλιπόντι φησί. καὶ γὰρ μοιχός ἐστι καὶ αὐτὸς 5 κατὰ τὴν τοῦ κυρίου φωνήν, ἀλλὰ καὶ ὁ τὴν ἀπολελυμένην γαμῶν μοιχός.

XLII. 610. V (κτ̄ концы) Ἄλλ' ἡ χήρα οὐχ ὑπεξούσιος· ἀπαξ γὰρ γημμαμένη ἀπολέλυται τῆς ἐξουσίας.

XLIII. 611. V Φονεὺς μὲν ἀναντιβῆρῆτως, εἶτε δὲ ἐκούσιος ἢ καὶ 10 ἀκούσιος ὁ τὸ πρᾶγμα ἐκλογιζόμενος εἴσεται, ταῖς προειρημέναις ἀκριβολογίαις ἐπόμενος.

XLIV. 612. V Ἐντεῦθεν γινώθι, τί τὸ ὑπὸ τοῦ κυρίου δοθέν ἡμῖν δεσμεῖν καὶ λύειν οὐ γὰρ καὶ παντὶ τῷ μὴ προσηκόντως γινομένῳ ἀνεῖται ἡμῖν ἢ τοιαύτη δωρεά, ἀλλὰ τῶν ἀπεγνωσμένων μὲν ἀνθρώπων 15 ὑπολήψει, διὰ δὲ τὸ ἀξίως τεταπεινωθῆναι τὸν ἀπεγνωσμένον τὰ σπλάγχνα ἡμᾶς ὑπανοίγειν θεοῦ κατεπαγγέλλεσθαι αὐτῷ τεθαβῆρῆκότως ἐκκαλουμένῳ· ὁ καὶ αὐτὸς Χριστὸς ἐπὶ τε τῇ πόρνῃ καὶ τῷ παραλύτῳ πεποίηκεν τῷ πόνῳ τῶν συγγνωσθέντων καμπτόμενος. μωρὸν δὲ καὶ ἡλίθιον ἀληθῶς τοῖς μηδὲν ἐκπεπονηκόσιν τὴν ἄφρασιν ἐπαγγέλλεσθαι, τῇ ἐξουσίᾳ 20 καταχρωμένους ἀνευλαβῶς καὶ ἐπὶ τῷ βορβόρῳ τὴν τοῦ μύρου χρῆσιν σχεδιάζοντας εἰς πλείονος ἀφροσύνης καὶ ἀναξιότητος τοῦ πραττομένου παράστασιν.

613. P (κτ̄ εἰς κοινωνίαν) "Ορα, μὴ "εἰς μετάνοιαν" εἶχεν.

XLVI. 614. V Ὡς ἐὰν παραμείνη μετὰ ταῦτα, μοιχαλὶς ἐστι τῷ 25 προηγησαμένῳ τύπῳ.

XLVII. 615. P Ἀνάγνωθι τὰ τελευταῖα τοῦ α' κανόνος. Ven. Ath.

(κτ̄ концы: ὅστις ἐὰν ἀρέσῃ τοῦτο, δεῖ πλείονας...) 616. V Σκόπει τὸ μέτριον ἐντεῦθεν καὶ ταπεινὸν τοῦ θεοφιλεστάτου πατρός.

617. Ven. "Ὅτι πλείονων ἐπισκόπων εἰς ταῦτο σύνοδος ἐκτί- 30 θεσθαι τοὺς κανόνας ὀφείλει καὶ διὰ τί.

XLVIII. 618. V (κτ̄ началу) Τοῦτο, μακάριε πάτερ, καὶ Παύλῳ δοκαῖ, ἢ καταλλάττεσθαι τῷ ἀνδρί, ἢ μένειν οὕτως. Παῦλος δὲ ἀπὸ

κυρίου τοῦτο λαβῶν ἔχει ¹, ὁ καὶ νῦν αὐτὸς προφέρων ἀναπτύσσει σοφώτατα.

L. 619. V (κτ̄ νόμος) Τὸν πολιτικὸν φησι νόμον· οὐπω γὰρ ἦν τοῦτο ὠρισμένον. δημοσίας δὲ καταδικας φησί τὸ μὴ ἐκβάλλεσθαι τῶν 5 ἱερῶν ἔξω πολῶν, μηδὲ διὰ τούτου πᾶσι κατάφωρον τῷ ἐπιτιμίῳ ποιεῖν ὑποκειμένον· εἶρηκεν γὰρ καὶ ἀνωτέρω, ὅτι δεῖ μὴ πάντῃ τοὺς τοιούτους ἀπείργειν τῆς ἐκκλησίας.

Въ III посланіи. 620. P (κτ̄ заглавію) Σχόλιον ². Ἐκ ταύτης καὶ τῆς πρὸ αὐτῆς ἀνελήφθησαν οἱ τοῦ ἀγίου κανόνες, καθὰ προεδόηλ- 10 ται, οἱ τοῖς ν' τίτλοις τῆς κανονικῆς ὑποδιαιρούμενοι βίβλου. V₁ Ven. Ath.

LI. 621. P "Ὅτι τοῖς κληρικοῖς τοῖς ἐκ τοῦ βαθμῶ ἐκπίπτουσιν οὐ δίδεται ἄλλο ἐπιτίμιον. Ath.

622. Ven. Ἰστέον, ὅτι κληρικούς φαμεν πάντας τοὺς εἰς οἰανδήτινα κληθέντας καὶ κληρωθέντας, οἷον ἀφορισθέντας, ἐκκλησια- 15 στικὴν ὑπηρεσίαν, πρὸς ἀντιδιαστολήν τῶν μὴ ἐν κλήρῳ κατελειγμένων ἐκκλησιαστικῶ· ὅθεν καὶ τῶν πολιτικῶν νόμων τὸ μὲν λβ' κεφ. τοῦ α' τίτλου τοῦ γ' βιβλίου τῶν βασιλικῶν τοὺς πρεσβυτέρους καὶ διακόνους καὶ ἀναγνώ- στας καὶ ψάλτας κληρικούς καλεῖ, τὸ δὲ ε' κεφ. τοῦ γ' τίτλου τοῦ αὐτοῦ βιβλίου καὶ τοὺς ὀστιαρίους ἦτοι πυλωροὺς συναριθμεῖ τοῖς κληρικοῖς. 20 Παραπεσεῖν δὲ ἐστὶ τὸ ἔξω πεσεῖν τοῦ δέοντος καὶ παρατραπήναι, ὅπερ οὐκ ἐπὶ τῶν μικρῶν εἴληπται ἀμαρτημάτων, ἀλλὰ καὶ ἐπὶ τῶν μεγί- στων, οἷα ἐστὶν ἡ τοῦ θεοῦ ἄρνησις, ὡς δυνατόν ἐστι καὶ ἐξ ἄλλων μὲν μυρίων μαθεῖν, καὶ ἐκ τοῦ κ' δὲ κανόνος τῆς ἐν Νικαία πρώτης συνόδου, ὅς φησι δεῖν τοὺς ἀπὸ τῶν Καθαρῶν λεγομένων ἐπιστρέφον- 25 τας κοινωνεῖν τοῖς ἐν τῷ διωγμῷ παραπεπτωκόσιν· ὅθεν ἴσως ἐλήφθη καὶ τῷ θεολόγῳ τὸ "Ναύατος οὐκ ἐδέξατο τοὺς ἐν τῷ διωγμῷ παρα- πεσόντας".

LIV. 623. P (κτ̄ πρὸ χρόνων οἶδα ἐπιστείας τῇ...) Σχό- λιον. Τουτέστιν διὰ τῆς ἀνωτέρω μικρὸν γεγραμμένης ἐπιστολῆς, φαμέν 30 δὴ τῆς ἐναυῦθα α' κειμένης ³, ἧς ἡ ἀρχὴ "ἀνοήτῳ φησὶν ἐπερωτήσαντι σοφία λογισθήσεται" ⁴. Ath.

LV. 624. V Σκόπει, ὅτι ἕτερόν φησι κοινωνίαν τῆς τῶν ἁγιασμάτων μετουσίας.

¹ сравн. I Кор. VII 11. ² σχόλιον проп. Vi. ³ τὴν... κειμένην Ath. ⁴ λογισθή- σεται проп. Ath.

625. P Τί ἐστι “τοῦ βαθμοῦ καθαιρούνται”.

LVI. **626.** V Διασάφησις τῶν ἐπιτιμώντων βαθμῶν.

627. Ven. Ὁ ἐκουσίως φονεύσας πρὸ τοῦ ναοῦ στήτω¹ δ' ἔτη· εἰς τοὺς ἀκρωμένους ε' ἔτη· ἐν ὑποπτώσει πιστῶν ζ' ἔτη· συστήσεται τοῖς πιστοῖς δ' ἔτη. P.

628. V Ἀνωτέρω διαφοραῖς ὑφηγησάμενος καὶ διαστείλας ταύταις τί τὸ ἐκουσίον καὶ ἀκουσίον τοῦ φόνου, νῦν τοὺς ἐκουσίως πεφονευκότας τοῖς κανόνιν ὑποβάλλει· ἐκεῖ γὰρ μόνῃ διαστολῇ χρησάμενος τοῦ κακοῦ ἐπὶ μετεώρω τῶν ἱερῶν προστιμημάτων κατέλιπεν² τὸν λόγον.

LVII. **629.** Ven. Ὁ ἀκουσίως φονεύσας πρὸ τοῦ ναοῦ στήσεται³ β' ἔτη· εἰς τοὺς ἀκρωμένους⁴ γ' ἔτη· ἐν ὑποπτώσει διατελῶν α' ἔτος⁵ συσταθήσεται τοῖς πιστοῖς⁶ ἐν αὐτόν. P.

LVIII. **630.** Ven. Ὁ μοιχὸς ἐν τέτρασιν ἔτεσιν προσκλαύσεται⁷, ἐν ε' ἀκροάσθῳ, ἐν ἐνὶ⁸ ὑποπιπέτω, ἐν δυοῖν συνεστάτω⁹. P.

631. Ven. Ὁ πόρνος ἐν β' ἔτεσι προσκλαίετω, ἐν β' ἀκροάσθῳ, ἐν β' ὑποπιπέτω, ἐν ἐνὶ συνεστάτω¹⁰. P.

LIX. **632.** V Τὸν πολύκοινον καὶ κατὰ τὸ ἀκόλαστον πόρνον νῦν ἐπιτιμᾷ· ὁ γὰρ ἅπαξ ἐν τέσσαρσιν ἔτεσιν ἐπιτιμᾶται.

633. V (κτ̄ ἐν τῇ κοινωνίᾳ...) Οὐ τὸ κοινωνεῖν φησι τῷ ἀθέσμῳ γάμῳ, ἀλλ' ἐν τῇ τῶν θείων μυστηρίων κοινωνίᾳ τῷ τῶν μοιχῶν ἐπιτιμῷ ὑποβληθείη· καὶ ὅτι τοῦτο, ἀπὸ τῶν ἐκπεπτωκότων μοναζόντων πιστούμεθα τὸν λόγον, ἐπεὶ κάκεινους ἐπιστρέφοντας ὑποβάλλει τοῖς τοιοῦτοις ἐπιτιμίαις, ἐπιμένοντας δὲ ἀναθέματι οἱ ἐν Χαλιγηδόνι πατέρες τῶν πιστῶν ἀπόσαντο.

634. P Ἀνάγνωθι τὸν ιθ'¹¹ κανόνα. Ath.

LXI. **635.** V (κτ̄ μερισθῆσεται δὲ αὐτῷ ὁ χρόνος εἰς ὑπόπιωσιν καὶ σύστασιν) Τοῦ γὰρ προσκλαίειν καὶ ἀκροᾶσθαι παρενεχθήσεται.

LXII. **636.** V (κτ̄ τὸν τοῦ φονέως χρόνον) Πεντεκαίδεκα ἔτεσιν.

LXIV. **637.** V (κτ̄ τὸν τοῦ φονέως χρόνον) Τὸν τοῦ ἐκουσίως φονεύσαντος.

¹ στήσεται P. ² cod. κατέλειπεν. ³ στήτω P. ⁴ ἐν ἀκρωμένοις P. ⁵ δ' ἔτη P. ⁶ τοῖς πιστοῖς προπ. P. ⁷ προσκλαίετω P. ⁸ δ' P. ⁹ ἐν δύο συστήτω P. ¹⁰ συστήτω P. ¹¹ ξ' P.

LXVII. **638.** V (κτ̄ Ἀδελφομιξία) Τὸν τῇ ἰδίᾳ ἀδελφῇ συμφθειρόμενον, τὸ τὸν δυοῖν ἀδελφαῖς χραινόμενον.

LXIX. **639.** V (κτ̄ κανόνι, ᾧ καὶ οἱ ταῖς ἑαυτῶν ἀδελφαῖς ἐπιμαίνόμενοι) Εἴκοσι ἔτεσι.

LXX. **640.** V (κτ̄ ἐν χεῖλεσι μιανθεῖς) Πρὸς αὐτὸ τὸ τετελεκεῖν τὴν ἁμαρτίαν ἐγγίσας, εἶτα ἀποσχόμενος ἐν χρωῖ τοῦ ἔργου χωρήσας εἰς ἄσφαθαι τῆς ἀσελγείας, κεκωλυμένος ἄμ' ἐγχειρήσει, κατεσχήμενος.

LXXIV. **641.** V (κτ̄ началу) Ἴδου σαφέστατα ἐνταῦθα, ἐν οἷς τὸ δεσμεῖν καὶ λύειν ἡμῖν δέδοται παρὰ τοῦ κυρίου, οὐχ ὡς οἱ ἀγνώμονες κακοδαιμόνως βιάζονται.

642. V (κτ̄ концы οὐκ ἔσται καιαγνώσεως ἄξιος) Ὡς Δαυὶδ, Μανασσῆς, ἡ πόρνη καὶ ὁ ἐπὶ τοῦ σταυροῦ ληστής.

LXXV. **643.** V (κτ̄ началу) Τὸ ἑτεροθαλὲς μετριάζει τὸ ἐπιτίμιον.

644^a. V Διασάφησις τῶν τῆς μετανοίας βαθμῶν.

644^b. P Σημείωσαι σαφῶς ἐνταῦθα κειμένας τῶν ἐν μετανοίᾳ τὰς τάξεις. Ath.

645. P Ὁ ἀδελφῇ συμμιανθεῖς ἢ μητροιᾷ ἢ νόμφῃ, τριετίαν προσκλαίετωσαν, τριετίαν ἀκροάσθωσαν, τριετίαν ὑποπιπέτωσαν, διετίαν συστάτωσαν.

LXXVIII. **646.** V Ἐντεῦθεν τὸ ἀνωτέρω εἰρημένον πιστούσθῳ, ὡς ἐκεῖ τὴν ὁμοπάτριον ἢ ὁμομήτριον ἀδελφήν φησιν. διὸ ἐκεῖνον μὲν εἴκοσι ἐπιτιμᾷ ἔτεσιν, τὸν δὲ δέκα, τοὺς δὲ ταῖς ἀδελφαῖς ἐπιμεινομένους ἑπτὰ, διαλυομένου δηλαδὴ τοῦ ἀθέσμου συνοικεσίου.

LXXX. **647.** V (κτ̄ πολυγαμίαν) Ἐνταῦθα περὶ τῆς ὄντως πολυγαμίας ὁ λόγος, ἧς προσηγορίας ἀνάξιον ἠγήσατο ἀνωτέρω τὸν τρίγαμον τῷ ἐπιδιορθωτικῶς ἐπαγαγεῖν “μᾶλλον δὲ πορνεῖαν κεκολασμένην”¹. αἰεὶ γὰρ αἱ ἐπιδιορθώσεις² ἐπὶ τὸ κρεῖττον ἦτοι ἐπὶ ταχτικώτερον προΐασιν.

648. V (κτ̄ ἡμῖν) Τοιοῦτον τὸ λεγόμενον, ὡς οἱ μὲν ἅγιοι πατέρες, ἅτε δὴ ἀπὸ ἐγκρίτου συστήματος τοῦ τῶν χριστιανῶν τηλικαῦτα πληρώματος ἀθροισομένου, οὐκ ἀνθρώπινον ἠγήσαντο πτώμα τὴν πολυγαμίαν, ἀλλὰ κτηνώδες· διὸ οὐδὲ θεραπείας ἤξιωσαν. ἡμῖν δὲ, ἐπεὶ χριστιανοῖς βασιλεῦσι χρωμένοις³ οὐκέτι τὸ ἐκλελογισμένον ἐν

¹ сравн. прав. IV. ² cod. ἐπιδιορθώσεις ³ cod. χρωμένοις.

τοῖς πιστοῖς ὁράται, ἀλλὰ τῷ τοῦ κρατοῦντος νεύματι καὶ τῇ ἀρεσκείᾳ τὸ ἀδιάκριτον τῷ χριστιανισμῷ κατὰ τὸ πλῆθος ἐπάγεται, δοκεῖ λοιπὸν ἐν πλῆθει τοσοῦτω συγκλύδων ἀνθρώπων μηδὲν τοιοῦτον ἀπογινώσκειν ἀμάρτημα, καὶ κτηνῶδες μὲν μηκέτι· τοῦτο νομίζοντας ἀθεράπευτον ἔαν, τοῖς δὲ πρὸς ὁ ἀφωμοίωται πτώμα καὶ τὸ ἔμπλαστρον ἐπιτρέπειν. 5 τίσι δὲ ἀφωμοίωται; τοῖς ἀκολάστοις πόρνοις· εἰ γὰρ ὁ τρίγαμος πορνεία κεκωλυμένη (τοῦτο πάντως ἀκολαστος), πλέον οὖν πορνείας τῆς κεκωλυμένης ἀκουστέον, καὶ πρόδηλον τοῦτο ἀπὸ τῆς τῶν ἐπιτιμιῶν ἰσότητος. ὥστε καὶ τοῦ μιάσματος ἀλλοτριωθήσεται, ὡσπερ ἀκαεῖνοι, ὁ πρὸς θεραπείαν ἀφορμήσας· οὐ γὰρ ἂν ὑπὸ τὸν κανόνα πέσοι προσόζων καὶ 10 διασηπόμενος τοῖς μῶλωσιν ἔτι τῆς ἀφροσύνης.

649. V (κτ̄ διὸ εὐλογον...) Ἐδείξεν ἐκ τούτου, ὡς οὐκ ἦν πρὸ αὐτοῦ ὑπὸ ἐπιτίμιον τὸ τοιοῦτον κακόν, τῶν προγενεστέρων πατέρων διὰ τὸ ὑπερβάλλον τῆς ἀσελγείας οὐδεμίαν πίστιν νεμόντων, ὡς τὸ τοιοῦτον τολμηθεῖν ἂν παρὰ χριστιανοῖς, οἷς τῆς σαρκὸς πρόνοιαν 15 μὴ ποιεῖσθαι εἰς ἐπιθυμίαν λόγος πολὺς, καὶ τὸν καιρὸν συνεσταλμένον ἐπισταμένοις, ὡς καὶ τοὺς ἔχοντας γυναῖκας ὡς μὴ ἔχοντας εἶναι· ἐπεὶ καὶ Σόλων ἐκεῖνος ὁ Ἀθηναίων νομοθέτης μὴ κατὰ πατροκτόνου νομοθέτησας, εἶτα τὴν αἰτίαν ἐρωτηθεῖς, οὐκ ἔφη εἶναι πιστὸν τὴν φύσιν τοιοῦτον ποτε υἱὸν ἐνεγκεῖν¹· ἐπεὶ τοιγαροῦν ἀνθρώπινον ἀνεφάνη, εὐλογον μὴ 20 ἀθεράπευτον αὐτὸ καταλιπεῖν, τῇ τοῦ δεσμεῖν καὶ λύειν ἐξουσίᾳ κεκρημένων ἡμῶν.

LXXXI. **650.** V (κτ̄ κατὰ τοὺς ἤδη παρὰ τῶν παιέρων ἡμῶν ἐξενεχθέντας κανόνας) Τῶν ἐν Νεοκαισαρεία καὶ τῶν ὑπὸ Πέτρου τοῦ μάρτυρος ἐκτεθέντων. 25

LXXXII. **651.** V (κτ̄ κοηπη) Σκόπει καὶ ἐντεῦθεν, ἵτι κοινωνίαν καὶ τῶν εὐχῶν τὴν σύστασιν οἶδεν καλεῖν.

LXXXIV. **652.** V Ἀλλ' οὐχ οὕτως νῦν ἀξιοῦσι, μακάριε ἀνθρώπε, ἀλλὰ τῇ τῶν ἐλεεινῶν ἱερέων ῥαστώνῃ καὶ καπηλείᾳ ἀναποσπάστως ἔχοντας καὶ ἀναγώγως τῶν οἰκείων παθῶν ἔτι τῷ λύθρῳ περισταζομένους 30 τοῦ ψυχικοῦ φόνου δέχεσθαι ἐκβιάζονται, καὶ τὸ μαρτύριον ῥίπτειν κατενώπιον τῶν γρομφίδων, καὶ τὸ ἅγιον παραβάλλειν τοῖς κατ' ἐκείνους τὸ ἀναιδὲς ἐπασκήσασιν, προσώπων διαφορᾷ καταχαριζομένους τὰ ἄχραντα.

¹ сравн. Diog. Laert. I 2, 59 (ed. Cobet).

653. V (κτ̄ ει γὰρ μὴ ἐπαίδευσεν ἡμᾶς τὰ φοβερά... Οὐδ' εἰ παρῆς τοῖς νῦν πράγμασιν, ἅγιε τοῦ θεοῦ, οὕτως καταλλήλως τοῖς κατειληφόσι τὸν λόγον προῆγες· εἰ γὰρ καὶ ἐπὶ σοῦ Ἰσαυροὶ ταυτὰ σε φθέγγασθαι προηnéγκαντο, ἀλλ' οὖν δοκῶ μοι καὶ κατὰ τῶν νῦν 5 προφητίδι γλώσση τὰ καθεστῶτα ἀποφοιβάσαι.

654. V (κτ̄ καιακρίσεως βτ̄ κοηπη) Ποίας κατακρίσεως; ἥς Ἡσαίας ἐπισκήπτει ὁ ἱερός προφήτης, “ὄφονται” λέγων “τὰ κῶλα τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί· ὁ γὰρ σκώληξ αὐτῶν οὐ τελευτήσει καὶ τὸ πῦρ αὐτῶν οὐ σβεσθήσεται, καὶ ἔσσονται εἰς ὄρασιν πάση 10 σαρκί”¹. καὶ ὁ προφήτης δὲ Δαυὶδ φάσκων, “τότε οὐ μὴ αἰσχυνθῶ ἐν τῷ με ἐπιβλέπειν ἐπὶ πάσας τὰς ἐντολάς σου”², δηλὸν ὅτι κατὰ τὸ ἀκόλουθον τῆς ἐννοίας ἐκεῖνο σημαίνων, ὡς οἳ γε μὴ ἱκανοὶ τὸ ἐλευθέριον κεκτῆσθαι τῆς ἀπὸ τῶν τοῦ θεοῦ νόμων ἐπισκοπῆς τε καὶ φυλακῆς αἰσχύνῃς μεγάλης ἀναπλησθήσονται τῆνικαδε ἐν τῷ πανδήμῳ τῆς 15 οἰκουμένης θεάτρῳ. τὸ δὲ καὶ ἐπικαταράτους ποιεῖσθαι τοὺς ἀπὸ τῶν ἐντολῶν κυρίου ἐκκλίνοντας, εἰ μικρὸν εἰς ἀντίδοσιν τοῖς διὰ τὸ εἰς βάθος καταδύναι κακῶν μεγαλοφύχοις πρὸς πᾶν τὸ ὀλέθριον, οὐδεὶς φθόνος αὐτοῖς τῆς πορώσεως ταύτης, δι’ ἣν κατὰ τὸν μακάριον Παῦλον “ἔρχεται ἡ ἀφόρητος τοῦ θεοῦ ὀργὴ ἐπ’ αὐτούς”³, εἰς υἱοὺς τῆς ἀπειθείας 20 ἑαυτοὺς εἰσπεποιημένους.

655. P “Οτι οὐ τῷ χρόνῳ κρίνεται ἡ μετάνοια, ἀλλὰ διαθέσει. Ath.

В посланіи къ Амфил. *περὶ τοῦ μὴ ἀγνοεῖν...* **656.** P Περὶ τῶν Ἐγκρατιτῶν.

В посланіи къ хорепископамъ **657.** V (κτ̄ πολλοὶ μὲν ὑπηρέτῃαι ἀριθμοῦνται καθ’ ἐκάστην κώμην, ἀξίος δὲ λειτουργίας θυσιαστηρίου οὐδεὶς) Τί ἂν οὖν νῦν εἶπας, ἅγιε τοῦ θεοῦ;

В посланіи къ подчиненнымъ епископамъ. **658.** P Ἀναγνωθὶ πᾶσαν τὴν ἐπιστολήν, ὅτι λίαν ἐστὶν ὠραία. Ath.

В посланіи къ Григорію пресвитеру. **659.** Ven. (κτ̄ ἀργῶν) Τὸ περὶ ἃ μὴ δεῖ ἐνεργεῖν ἀργεῖν ἀφ’ ὧν δεῖ εἶναι· καὶ ὁ τοῖνον ἀμαρτάνων καὶ περὶ ἀκαίρους ἀπολογίας ἐνεργῶν ἀπὸ τῆς εὐκαίρου ταπεινώσεως ἀργεῖ, καὶ λόγον δώσει τῆς τοιαύτης ἀργίας ἀδιόρθωτος μένων.

¹ Ис. LXVI 24. ² псал. CXVIII 6. ³ сравн. Ефес. V 6.

Въ посланиѣ κτ̄ Διόδору. **660.** Ρ Πῶς διάκειται ὁ πατήρ πρὸς τὴν ἐρώτησιν τοῦ γάμου τῆς ἀδελφῆς τῆς γυναικός. Ath.

661. Ρ (κτ̄ τὸ παρ' ἡμῶν ἔθος...) Ὅτι τὸ ἄγραφον ἔθος τῆς ἐκκλησίας νόμου δύναμιν ἔχει, καὶ διὸ τί· ὅτι ὑπὸ ἀνδρῶν ἀγίων πεπεδωθή. Ath.

Изъ 27 главы о Св. Духѣ καὶ μεθ' ἑτερα. **662.** Ρ Ὅτι ἄλλο ἐστὶν δόγμα καὶ ἄλλο κήρυγμα.

663. Ρ (κτ̄ ... ὁρῶμεν κατ' ἀνατολάς...) Περὶ τοῦ κατ' ἀνατολάς ἡμᾶς προσεύχεσθαι.

664. Ρ (κτ̄ ... τὸ ὀρθιον σχῆμα...) Διὰ τί ὀρθοὶ ἐστῶτες 10 πληροῦμεν τὰς εὐχάς.

665. Ρ (κτ̄ ... γονυκλισίαν...) Διὰ τί γόνυ κλίνοντες προσεὐχόμεθα.

Изъ 29 гл. о Св. Духѣ. **666.** V (κτ̄ Πρὸς γε μὴν τὸ ἀμάτυρον καὶ ἄγραφον εἶναι...) Ἐμμάρτυρον μᾶλλον τῆς ἱεράς τοῦ 15 σωτήρος φωνῆς οὐκ ἔστιν ἄλλο εὐρεῖν, ὃς ἐν τῇ σωτηρίου βαπτίσματος μυστήριῳ τῷ πατρὶ καὶ ἑαυτῷ τὸ πνεῦμα συνδοξολογεῖ, βαπτίζει διδάσκει εἰς τὸ ὄνομα τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος¹.

667. V Θαυμάζω, πῶς ταῦτά φησιν ὁ παρὼν ἅγιος, πλήρους τῆς ἁγίας Γραφῆς οὔσης τῆς τοῦ παναγίου πνεύματος θεολογίας· καὶ 20 πρώτου γε Πέτρου θεολογήσαντος τοῦτο, ἐν οἷς φησι πρὸς Ἀνανίαν καὶ Σάπφειραν· “τί ὅτι συνεφώνησας πειράσαι τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον;”² καὶ μετ' ὀλίγον ἐπάγει· “εἰδώς, ὡς οὐκ ἄνθρωπον ἐψεύσω, ἀλλὰ θεόν”³. Ἰδοὺ γάρ, καθὼς τὴν τοῦ ψεύδους πεῖραν ποιῆσαι ἔφησεν πνεύματος ἁγίου, νῦν τοῦτο θεὸν τρανῶς ἀποκαλεῖ· καὶ ἄλλων πολλῶν οὐσῶν μαρ- 25 τυριῶν, θαυμάζω, τί ταῦτά φησιν.

Κτ̄ посланию Василия Великаго κт̄ Никополитамъ.

668. V (κτ̄ ἀντισχέδια) Οὐ πρὸ πολλοῦ μελετώμενα, οὐδὲ παρασκευαζόμενα.

669. V (κτ̄ ἐν γὰρ ἐσιν ὀδύνης ἄξιον...) Τί τοῦτο κατάλ- 30 ληλον τῇ νῦν περιστάσει!

¹ сравн. Матѣ. XXVIII 19. ² сравн. Дѣян. V 9. ³ сравн. Дѣян. V 4.

670. V (κτ̄ τὸ ἀεὶ κατὰ τὸν βίον αὐτοῖς λυσιπελοῦν...) Ὁραῖον καὶ τοῦτο καὶ πρόσφορον τοῖς προκειμένοις.

671. V (κτ̄ οὐκ οἶδα ἐπίσκοποι εἶεν...) Ἀρμόσει καὶ τοῦτο τοῖς μετὰ ταῦτα, εἴποτε δοίη θεός.

672. V (κτ̄ концы: ταῦτα δὲ ἔγραψα...) Σημείωσαι, ὅση αὐστηρία, ἢ καὶ πρὸς ἡμᾶς διαπορθμευθήσεται ἀναγκαίως, ἐὰν Χριστός ὁ θεὸς ἡμῶν κατὰ τὸ αὐτῷ εὐάρεστον διδῷ.

Κτ̄ pravidlamъ Григорія Нисскаго (послание κτ̄ Литоію).

Въ предисловіи. **673.** Ρ (κτ̄ ... ὁ μὲν σκοπὸς τῆς ἱατρικῆς 10 τέχνης...) Τίς ὁ σκοπὸς τῆς ἱατρικῆς καὶ τί τὸ εἶδος τῆς ἐπιμελείας.

674. Ρ (κτ̄ Τρία ἐσὶ τὰ περὶ τὴν ψυχήν...) Τῆς ψυχῆς 5 μέρη γ'· τὸ λογικόν, τὸ ἐπιθυμητικόν, τὸ θυμικόν.

675. Ρ (κτ̄ Οὐχοῦν... τριχῆ...) Ἐν τίνι τὰ κατ' ἀρετὴν κα- 10 τορθώματα καὶ τὰ εἰς κακίαν πτώματα.

676. Ρ (κτ̄ Κατόρθωμα μὲν τοῦ λογιστικοῦ...) Τί τὸ κα- 15 τόρθωμα τοῦ λογιστικοῦ μέρους τῆς ψυχῆς.

677. Ρ (κτ̄ ... ἢ ἐν τῷ μέρει τούτῳ κακία θεωρηθήσεται...) Τίς ἡ κακία ἢ ἐν τῷ λογιστικῷ μέρει θεωρουμένη.

678. Ρ (κτ̄ Τοῦ δὲ ἐπιθυμητικοῦ μέρους...) Τίς ἡ ἐνά- 20 ρητος φύσις τοῦ ἐπιθυμητικοῦ.

679. Ρ (κτ̄ παραιροπή δὲ...) Τίς ἡ παρατροπή.

680. Ρ (κτ̄ τῆς θυμώδους διαθέσεως τὸ κατόρθωμα...) Τί τὸ κατόρθωμα τῆς θυμώδους διαθέσεως.

681. Ρ (κτ̄ Τὰ δὲ ἀποπίσματα τοῦ τοιούτου μέρους...) 25 Τί τὸ ἀπόπτωμα τοῦ τοιούτου μέρους.

I. **682.** Ρ Τί φησι περὶ τῶν ἀρνούμενων τὴν εἰς Χριστὸν πίστιν καὶ εἰς ἰουδαϊσμόν ἢ εἰς εἰδωλολατρειαν ἀνερχομένων.

683. Ρ (κτ̄ ὁ μὲν ἐκουσίως...) Περὶ τῶν ἐκουσίως πρὸς τὴν ἄρνησιν ὀρμησάντων.

684. (κτ̄ οἱ δὲ βασάνοις...) Ρ Περὶ τῶν ἀκουσίως ἀρη- 30 σαμένων.

685. Ρ Διὰ τί τοὺς ἐξ αἰκισμοῦ παραβάοντας τῷ τῆς πορνείας καθυπέβαλον ἐπιτιμίῳ.

II. **686.** P (κῶ πρώτῃ ὀλοβινῆ) Περὶ τῶν πρὸς γόητας ἢ μάν-
τεις ἀπιόντων.

687. P (κῶ *Εἰ μὲν γὰρ ἐπὶ ἀθειήσει...*) Τί φησι περὶ
τῶν ἐπὶ ἀθειήσει τῆς εἰς Χριστὸν πίστεως πρὸς γόητας καὶ μάντεις
ἀπιόντων. 5

688. P (κῶ *Εἰ δὲ υἱ ἀβάσιακιος...*) Περὶ τῶν δι' ἀβά-
στακτον ἀνάγκην τὸ αὐτὸ ποιούντων.

III. **689.** P Σημείωσαι τὴν διαίρεσιν τῶν δι' ἐπιθυμίαν καὶ ἡδονὴν
γινομένων ἀμαρτημάτων.

690. P (κῶ *Τισὶν μὲν οὖν τῶν ἀκριβεσιέρων...*) Ὅτι 10
τισὶ τῶν ἀκριβεστέρων ἢ πορνεία μοιχεία ἐνομίσθη.

691. P (κῶ *πορνείαν μὲν λέγεσθαι...*) Τί πορνεία.

692. P (κῶ *μοιχείαν δὲ...*) Τί μοιχεία καὶ λοιπὰ τῆς ἀκα-
θαρσίας εἶδη.

693. P (κῶ Ὅ μὲν γὰρ ἀφ' ἐαυτοῦ...) Περὶ τῶν ἐν ἡδονῇ 15
πλημμελούντων καὶ ἀφ' ἐαυτῶν ἐξομολογουμένων.

694. P (κῶ Ὅ δὲ φωραθεῖς...) Περὶ τοῦ ὁμοίως πλημμε-
λοῦντος καὶ ὑπὸ ἐτέρων ἐλεγχομένου.

695. P (κῶ ... *τοὺς ἐν πορνείᾳ μολυνθέντας...*) Τί τὸ ἐπι-
τίμιον τῶν πορνευόντων. 20

696. P (κῶ Ἡ δὲ κατὰ τὴν μοιχείαν...) Σημείωσαι τὴν
ἐπιτιμίαν τῶν μοιχευόντων καὶ τῶν τὰς ἄλλας ἀκαθαρσίας ἐργαζομένων.

697. V (κῶ Ὅσπερ γὰρ τὸ τοῖς χοίροις ῥίπτειν...) Χοῖ-
ρος γὰρ πάντως ὁ τῷ βορβόρῳ τῆς ἀμαρτίας διηνεκῶς προσπασσόμενος
καὶ μηδέποτε ἀνιὲς μηδὲ σχολῇ τοῦ κακοῦ τὸν ἐπὶ μετανοίᾳ καθαρμὸν 25
ἀσπαζόμενος. τούτῳ ἄφαστα μὲν τὰ τοῦ θεοῦ σκηνώματά εἰσιν, ἀπρό-
σμικτος δὲ ἢ μετὰ ὑγαινόντων θεοῦ θρεμμάτων συναυλία καὶ πολὺ πρό-
τερον ἀμετάδοτος ἢ περικαθαίρουσα τοὺς ἀξίους θυσία πνευματικῆ.

IV. **698.** P Περὶ τοῦ θυμοειδοῦς τῆς ψυχῆς μέρους.

699. P (κῶ *Διήρηται δὲ τὸ...*) Περὶ φόνου. 30

(κῶ *ἐκούσιος μὲν ἐστὶ φόνος...*) **700^a.** P Περὶ φόνου ἐκουσίου.

700^b. V Περὶ ἐκουσίου φόνου.

(κῶ *Οἱ δὲ ἀκούσιοι...*) **701^a.** P Περὶ φόνου ἀκουσίου.

701^b. V Περὶ ἀκουσίου φόνου.

702. P (κῶ *Τὸ δὲ ἀκούσιον...*) Τί τὸ ἐπιτίμιον τοῦ ἀκουσίου
φονεύοντος.

703. V (κῶ *ἡ αὐτὴ παραίτησις ἐστὶ παρὰ τοῦ οἰκο-
νομοῦντος...*) Περὶ οἰκονομίας, καὶ ὅπως δεῖ οἰκονομεῖν.

5 V. **704.** V Περὶ τῶν μὴ πληρούντων τὸν τοῦ ἐπιτιμίου χρόνον καὶ
ἐξοδεύοντων τοῦ βίου.

VI. **705.** V (κῶ *τῆς ἰότητος ἐν τῇ ψυχῇ καταστάσεως*) Τῆς
ἐπιθυμίας.

706. V (κῶ *ἀλλὰ περὶ μὲν τούτων διαπορεῖσθαι τοῖς
10 παιράσιν ἡμῶν ἀρκεῖν...*) Ταῦτα τῷ προχειρῶς ἀναζητῆν¹, εἶτα πάλιν
ῥαδίως ἀποκαθίστασθαι, οὐκ ἤξιωσεν λόγου ἢ τῶν πατέρων ἐγκριτος
γνώμη, ὡς παντὶ ἀνθρώπῳ τούτου παρεπομένου· οὐδὲ γὰρ οἶόν τε
ἀνθρώπον ὄντα μὴ ἂν ποτε τῆς ἐπὶ μικρὸν πρὸς τὸ ἐναντίον ἀποκλι-
νούσης ὁδοῦ ἐπιβῆναι. διὸ ἤρκεσεν τοῖς μικροῖς ἀποκλίμασιν τὴν ἐν
15 ἐκάστῳ ὀρθὴν ἐπιστῆσαι κρίσιν· οἱ γὰρ μὴ τῷ μεγέθει τοῦ σφάλματος
τὸν λογισμὸν τετραγαμένοι, ὑπόουσης ἐτι κρείττονος διασκέψεως, ἰκανὴν
αὐτοῖ ἐαυτοῖς τὴν θεραπείαν περινοεῖν ἐκ τοῦ εὐκόλου τῆς ἐκτροπῆς,
εὐποριστότερον τῆς ἐπιστρεφούσης ἐχόμενοι διαθέσεως.

707. P Διήρηται ἢ κλοπὴ εἰς ληστείαν καὶ εἰς τοιχωρυχίαν.

20 **708.** V (κῶ Ὅ μὲν γὰρ ληστὴς... ἐπαναγάγει) Ὅ γὰρ τοι
ἀλοὺς οὐκ ἂν ποτε τινος ἐν γε σωφρονοῦσιν κριθεῖν φειδοῦς, ὅς γε τὸ
συγγενὲς ἅπαν ὠμότητι τρόπων ἡγνοηκῶς περὶ πλείστου τὴν πλεονεξίαν
τῆς τῶν ὁμοφύλων πεποιήται σωτηρίας· ἀλλ' οἷς τὴν φύσιν ἐν ταῖς ἐτέ-
ρων ἐξετίμησεν συμφοραῖς, τῶν αὐτῶν κάκεινος ἀνηλεῶς τεύξεται μισθῶν
25 τε καὶ δώρων, ὅτι μηδὲ δεηνὰ πάσχειν τὸν δεηνὰ δεδρακότα.

709. P Περὶ ληστείας.

710. V (κῶ Ὅ δὲ δι' ὑφαιρέσεως λανθάνουσης σφειερι-
ζόμενος τὸ ἀλλότριον) Ὅ κλέπτης.

711. P (κῶ ... *τὸ καθ' ἡμᾶς εἰς ἐξουσίαν κανόνων οὐκ
30 ἀξιόπιστον...*) Ὅτι οὐχ ἐνὸς ἢ ἐξουσία τοῦ τιθέναι κανόνας, ἀλλὰ
πολλῶν δῆλον ὅτι. Ath.

VII. **712.** V Ἐπίστησον, ὅτι παντός τινος νεκροῦ σκόλευσιν καὶ
πιστοῦ καὶ ἀπίστου ἀπαγορεύει ὁ παρῶν λόγος.

¹ cod. ἀναζητῆν.

713. Ρ Εἰς τίνα διαιρεῖται ἡ τυμβωρυχία.

VIII. 714. Ρ Περὶ ἱεροσουλίας.

715. V (κτ̄ конпу, передъ эпилογομ̄) Ἰδοῦ κοινὸς ἐπὶ πάντων λόγος. οὐδὲν καπηλεύων προσώπων διαφορᾶ, οὐδὲ βασιλέων εἰς φειδῶ ὑποβαλλόμενος πρόσωπον· εὗ γὰρ ἦδει μὴ πρόσωπον ἐν κρίσει 5 θαυμάζειν, ὡς τὸ ἱερόν φησι λόγιον¹.

Въ эпилογѣ. 716. V (κτ̄ ὡς εὐγνώμων υἱός) Ἀδιαφόρως ἐχρῶντο ταῖς χειροτονίαις· εἰ γὰρ μὴ τοῦτο, πῶς, ἐπισκόπου τοῦ τῆς Νύσσης ὄντος, ὁ Μελιτινῆς μητροπολίτης ὦν υἱὸς κατὰ τὴν πνευματικὴν γέννησιν ἂν ἦν; 10

Κτ̄ правиламъ Кирилла Александρiйскаго (посланиε κт̄ Домну).

I. 717. V "Οτι οὐ δεῖ παραίτησιν ἐπιδιδόναи ἐπίσκοπον.

718. L Δῆλος ἐνταῦθα μὴδὲ τὸν ἐξ ἀπραγμοσύνης ἢ καὶ ἀδυναμίας ἐπιδιδόμενον τῆς παραίτησεως λίβελλον προσδεχόμενος, ὃν οὐχ 15 ἀπλῶς καὶ ἡ ἐν Ἐφέσῳ σύνοδος ἐδέξατο, ἀλλὰ μὴ φιλονεικοῦντα² τοῦ παραιτησαμένου περὶ τῆς ἐκκλησίας. δεῖ τοίνυν προσέχειν ταῖς ὑπομνήμασι καὶ πρὸ τούτων ζητεῖν τὰ αἴτια καὶ τὸν σκοπὸν τοῦ παραιτουμένου. καὶ μὴ τι τὸ μεσολαβῆσάν ἐστι, καὶ εἰ τελεία ἡ σύνοδος. ἐν 20 ἧ πάντες ἀπέστ'////³ τὸ "ἐξ ἀνάγκης καὶ φόβου καὶ τῆς τινῶν ἀπειλῆς"⁴ ἐκ προνοίας μέντοι καὶ ἐκουσίως γενόμενος, καὶ ἐπὶ συνόδου τελείας δοθεὶς ἐπ' αἰτίαις κανόνι δεκταῖς, καὶ ἀνεπιλήπτως δεχθεὶς, ἰσχύσει· ἔξεστι γὰρ ἐκάστῳ τῶν ὑπὲρ αὐτοῦ εἰσενεχθέντων καταφρονεῖν. ἀνάγνωθι καὶ βιβλίον ια' τῶν βασιλικῶν τίτλ. α' κεφ. σ', τὸ λέγον· "ἐὰν τις ὁμολογήσῃ 25 ἐν συμβολαίῳ αὐτοχειρῶς, ἰδιοχειρῶς, μὴ δι' ἀγγέλων, μὴ δι' ἐπιστολῆς, μὴ κεχρησθαι φόρου παραγραφῆ διὰ ζώνην στρατείας ἰδίας ἢ ἀξιώματος, ἢ μὴ κεχρησθαι προνομίῳ ἱερωσύνης, ἰσχύει τοῦτο τὸ σύμφωνον"⁵. ἐν τῷ γ' τίτλῳ τοῦ κώδικος λέγει τὸ ν' κεφάλαιον· "ἐὰν ἐπίσκοπος ἀποτάξῃται τῇ προνομίᾳ ἑαυτοῦ, οὐ δύναται ἀναπαλαίειν· ἔξεστι γὰρ ἕκαστον τὸ οἰκεῖον δίκαιον ἀπαγορεύειν καὶ τοῦ κρατεῖν ἐπὶ τῶν μὴ τμηθέντων ἢ δικαστικῶς ἢ φιλικῇ συμβιβάσει"⁶. καὶ βιβλ. β' τοῦ κώδικος

¹ сравн. Іуды 15—16. ² cod. φιλονεικοῦντα. ³ не разобраны 3—4 буквы въ этомъ словѣ. ⁴ изъ Кирилла кт̄ Домну прав. I. ⁵ сравн. Basilic. XI 1, 10. ⁶ Cod. I 3, 50.

τίτλ. γ' κεφ. κη', "ἐὰν πακτεύσῃ τις", λέγει, "οὐ χρωμαι¹ τῇ προνομίᾳ μου, ἢ παρὰ τοῖς πᾶσι ἡμφισβητεῖτο· εἰ ἔρρωται σήμερον², ἰσχυρόν ἐστι τὸ πάκτον, καὶ οὐ μόνον παρὰ ὀρδυναρίοις δεκτέον, ἀλλὰ καὶ παρὰ πᾶσι τοῖς ὅλως δικάζουσιν"³.

5 719. L (κτ̄ первой половинѣ) Οὐ δεῖ ταῦτα προφέρειν ἐπὶ παραιτήσει ἐπισκοπῆς.

720. L (κτ̄ срединѣ) Ταῦτα δὲ κρατεῖν ὀφείλεις εἶδέναι οὐκ ἐπὶ παραιτήσει ἐπισκοπῆς, ἀλλ' ἐπὶ τῶν ἄλλων συναλλαγμάτων.

II. 721. Ρ "Οτι τὰ χειμήλια καὶ αἱ κτήσεις' τῶν ἐκκλησιῶν 10 ἀνεκποίητοι ὀφείλουσιν μένειν.

722. L "Οτι οὐ δεῖ λογοθετεῖσθαι τοὺς ἐπίσκοπους.

III. 723. Ρ "Οτι οὐ δεῖ παραιτητικούς λιβέλλους ἐπιδιδόναи. καὶ διὰ τί.

724. Ven. "Ορα πρῶτον μὲν, ὅπως τὸ κατὰ βίαν εἰς ἀπολογίαν προβάλλεται· δεύτερον δέ, ὃ καὶ μεῖζον, ὅτι καὶ ὁ θ' τῶν ἐν 15 Ἐφέσῳ κανόνων, ἦτοι ἢ πρὸς τοὺς ἐν Παμφυλία ἐπιστολή, ἐτέρου χειροτονηθέντος ἀντὶ τοῦ παραιτησαμένου, ἀποδέχεται μὲν τὸν χειροτονηθέντα, ἀξιοῖ δὲ φιλανθρωπίας τινὸς τὸν παραιτησάμενον τυχεῖν. καὶ τρίτον, ὃ καὶ μεῖζόν ἐστιν, ὅτι κάκεῖ καὶ ἐνταῦθα αἰτεῖται μὲν ὑπὲρ τῶν παραιτησαμένων καὶ παρ' ἐτέρων ἀξιοῖ τῆς αἰτήσεως τυχεῖν, οὐ 20 μὴν αὐτὸς κελεύει τι ἢ διορίζεται. εἶτα, εἴτε πέρας ἔσχεν ἢ αἴτησις εἴτε μὴ, οὔτε ἐνταῦθα οὔτε ἐκεῖ ἐστιν ὅλως εὐρεῖν, οὐδ' ὅπως ὀκονόμησαν ταύτην τὴν παράκλησιν οἱ ἀξιοθέντες. πῶς οὖν ἔξει τύπον κανόνος ἢ τοιαύτη χρῆσις τῆς ὑποθέσεως κατὰ τὴν παραίτησιν;

Κτ̄ ответамъ Тимофея Александρiйскаго.

25 725. (κτ̄ заглавію) Ἰστέον, ὅτι μετὰ Διονύσιον τὸν μέγαν, τσσαρεσκαίδεκατον Ἀλεξανδρείας γενόμενον ἐπίσκοπον, οἷδε ἐπεσκόπησαν· Θεωῶς, Μάξιμος, Πέτρος ἱερομάρτυς, Ἀχιλλᾶς, Ἀλέξανδρος, Ἀθανάσιος, Γρηγόριος Ἀρειανὸς ὁ Καπαδόκης, Ἀθανάσιος πάλιν, Πέτρος ὁ παρὰ Οὐάλεντος περιορισθεὶς, Λούκιος Ἀρειανός, Πέτρος πάλιν, εἶτα 30 Τιμόθεος οὗτος ὁ μέγας, ἀναχθεὶς μὲν ἐπὶ τὸν θρόνον κατὰ τὸ δ' ἔτος τῆς βασιλείας Θεοδοσίου τοῦ μεγάλου, παρῶν δὲ ἐν τῇ κατὰ Μακεδονίῳ τοῦ πνευματομάχου συνόδῳ τῶν ρν' ἁγίων πατέρων· μετὰ δὲ

¹ cod. χρω̄ν. ² cod. σήμετρον. ³ Cod. II 3, 29 (?).

ἑπταετίαν ἐξεδήμησε πρὸς κύριον, Θεόφιλον διάδοχον ἐσχηκώς. (изъ Bevereg. II 228). Ven.

Κῶ окръжному посланію Геннадіа патріарха.

726. Ven. (κῶ заглавію) Οὗτος ὁ μακάριος Γεννάδιος, ἀναγκασθεὶς ἐπὶ τοῦ θρόνου κατὰ τὸ β' ἔτος τῆς βασιλείας Λέοντος τοῦ μεγάλου, 5 κατὰ τὸ ιδ' μετέστη πρὸς κύριον.

Κῶ посланію Констанτιнопольскоῦ цερкви κῶ Мартиρίо Антиохіѣскому.

727. Ven. (κῶ заглавію: πρὸς Μαριώριον) Οὗτος εἰς τὸν τῆς Ἀντιοχείας ἀνήχθη θρόνον κατὰ τὸ τελευταῖον ἔτος τῆς βασιλείας Μαρ- 10 κιανοῦ, καὶ κατὰ τὸ ια' τοῦ μετ' αὐτὸν βασιλεύσαντος Λέοντος τοῦ μεγάλου μετέστη πρὸς κύριον.

Изъ Ven. и M = Monac. 380 стр. 69—71 (откуда изд. у Р, de Lagarde, Reliquiae... graece, 11—14):

α) Κῶ правиламъ апостола Павла. 15

VII. 728^a. M (κῶ λουδεμπιστής) Ὁ ¹ τῶν παιγνίων ἄρχων· λουῖδα γὰρ παρὰ Ῥωμαίους εἰσι τὰ παίγνια. εἶρηται δὲ καὶ λουδεμ- 15 παίκτης. Ven.

IX. 729^a. M (κῶ ἀρρήτοποιός) Ὁ αἰσχροουργός, ὁ ἄλεκτα ποιῶν. Ven.*

730^a. M (κῶ κίναιδος) Ὁ πόρνος καὶ ἀνδρόγυνος, καὶ ὄρνειον 20 ἢ λεγομένη ἴυξ, ἣ οἱ προαγωγοὶ χρῶνται πρὸς φίλτρα. Ven.*

731^a. M (κῶ βλάξ) Παρὰ Ῥωμαίους ² προβατώδης. Ven.*

732^a. M (κῶ λῶταξ) Θυμελικός τις. Ven.*

733^a. M (κῶ περικαθαίρων) Ὁ διὰ θυσιῶν δοκῶν λύειν νόσου ἢ ἁμαρτίας. Ven.* 25

734^a. M (κῶ συμβολοδείκτης) Ὁ διὰ συμβόλων ἀποδεικνύς 25 τι πονηρόν. Ven.*

735^a. M (κῶ παλμῶν ἐρμηνεύς) Ὁ ἐν τῷ ἐκπηδᾶν τι τοῦ σώματος ἐκ πλεονασμοῦ αἵματος ἢ ἐνδείας πνεύματος συμβῆσσεσθαι τι 30 τῶν ἀγαθῶν ἡμῖν ἢ πονηρῶν μαντευόμενος. Ven.*

¹ Ὁ προп. Ven. ² Ἀθηναίους у Lagarde.

XIV. 736. M Περὶ τούτου ¹ ζήτηι τῆς β' συνόδου ² κανόνα ζ' ³, καὶ τῆς ζ' κανόνα κ' καὶ ιε' ⁴, καὶ τοῦ ἁγίου Βασιλείου κανόνα ε' καὶ πδ'. Ven.*

β) Κῶ правиламъ апостоловъ Петра и Павла.

5 I. 737. M Τὸ περὶ τοῦ σαββάτου ἀναιρεῖ ὁ κθ' κανὼν τῆς ⁵ ἐν Λαοδικείᾳ, περὶ δὲ τῆς κυριακῆς ζήτηι τῶν βασιλικῶν νομίμων βιβλ. ζ' τίτλ. ιζ' κεφ. ιθ', καὶ τοῦ βασιλέως κυροῦ ⁶ Λέοντος νεαρὰν νδ', θεσπί- 10 ζουσιν παρὰ πάντων ἀδιαστόλως τιμᾶσθαι τὴν ἁγίαν κυριακὴν ἡμέ- ραν ⁷. Ven.

10 VII. 738. M Ζήτηι τὴν πη' νεαρὰν τοῦ βασιλέως κυροῦ ⁸ Λέοντος, τυποῦσαν τιμᾶσθαι καὶ τὰς μνήμας τῶν θείων πατέρων καὶ διδασκάλων τῆς ἐκκλησίας, Ἀθανασίου καὶ Βασιλείου τοῦ μεγάλου, Γρηγορίου τοῦ θεολόγου καὶ Γρηγορίου τοῦ Νύσσης, Ἰωάννου τοῦ Χρυσσοστόμου, Κυ- 15 ρίλλου καὶ Ἐπιφανίου ⁹. Ven.

15 XV 739. M Περὶ τῶν τρίτων, ἐνάτων καὶ τεσσαρακοστῶν ¹⁰ ἄλ- λην αἰτίαν παρὰ τὴν συνήθη καὶ καθωμιλημένην. Ven.

Κρομѣ того, въ M на стр. 74 есть еще особо

Σχό(λ)ια τῶν ὀπισθεν γεγραμμένων δύο κεφαλαίων, τῶν ἐκ τῶν ἀπο- 20 στολικῶν διατάξεων, ὧν ἡ ἀρχή· κείμενον· “Τῶν ἐπὶ σκηνῆς”. κείμενον· “Καὶ ἀρρήτοποιός”. σχό(λ)ια).

728^b. Λουδεμπιστής ἐρμηνεύεται ὁ διακορητής, ἦγγουν ὁ παρθενοφθό- 25 ρος· λουῖδος γὰρ παρὰ τῇ Ῥωμαίων διαλέκτῳ ἢ φθορᾷ.

729^b. Ἀρρήτοποιός δὲ ὁ τὰ ἀπηγορευμένα τῇ ¹¹ χριστιανικῇ πο- 30 λιτεία διαπραττόμενος.

25 732^b. Ἡ δὲ λῶταξ φωνὴ ποία τις ἐστὶν ἐκ τοῦ ἀποτελουμένου λεγομένη. ἔστι δὲ τοιοῦτόν τι τὸ λεγόμενον· ἐπιδεικνύμενοί τινες τὸ παλαιὸν τὴν πρὸς ἀλλήλους ἀγάπην, βαυκάλια στρογγύλα πληροῦντες οἴνου εἰς ὕψος ἀνέπεμπον, καὶ εἴπερ ἠχῆ τις ἐγένετο ἐν τῷ ἀναφέρεσθαι

¹ Περὶ τούτου προп. Ven. ² τὴν β' σύνοδον (!) Ven. ³ α' (!) Ven. ⁴ καὶ ιε' προп. Ven. ⁵ τῶν Ven. ⁶ κυρίου Lagarde; κυροῦ προп. Ven. ⁷ θεσπίζουσιν... ἡμέ- ραν προп. Ven. ⁸ κυρίου Lagarde; κυροῦ προп. Ven. ⁹ τυποῦσαν... Ἐπιφανίου προп. Ven. ¹⁰ Περὶ τῶν τριῶν θυμῶν (?) Ven. (можетъ быть: Περὶ τῶν γ', θ', καὶ μ' ?) ¹¹ τῇ προп. Lagarde.

τὸ βαυκάλιον, σημεῖον τοῦτο ἐποιοῦντο τῆς ἀγάπης, τῷ ποιῶ τοῦ ἤχου
τὸ ποσὸν συμμετροῦντες αὐτῆς.

740. Περιαιματοποιὸς δὲ λέγεται ὁ περιάπτων τισὶ δέλτους γεγραμ-
μένας μετ' ἐπωδῶν εἰς φυλακὴν τοῦ τινὸς ἢ καὶ ἄλλα τινὰ οὕτω λεγόμενα
φυλακτά. 5

733^b. Περικαθαίρων λέγεται ὁ ὕδασι ἐπιβραίνων ἐσκευασμένοις
μετ' ἐπωδῆς εἰς κάθαρσιν δῆθ' ἓν τινα.

741. Οἰωνιστῆς ὁ ἐν τῇ πτῆσει τῶν ὀρνέων τὴν τοῦ συμφέροντος
ἢ τοῦναντίου ἔχθρασιν λογιζόμενος. 10

742. Μαστροπὸς ὁ ἰδιωτικῶς λεγόμενος μαυλιστής. 10

734^b. Συμβολοδείκτης ὁ τὰς συναντήσεις τε καὶ ὑπαντήσεις μηνύματι
τιθέμενος τῶν ἐσομένων αὐτῶ.

735^b. Παλμῶν ἐρμηγεὺς νοείσθω σοι ὁ τοῖς ἐρωτῶσιν ἐπιλύων
τὰς διαφόρους κινήσεις τῶν μελῶν, οἷον ὤμου ἢ ὀφθαλμοῦ, ἢ ἄλλου
τινὸς μέρους ἢ μορίου τοῦ σώματος· παλμὸς γὰρ ἡ κίνησις. 15

730^b. Τὸ δὲ κίναϊδος ὄνομα τὸν πόρνον παριστάτω σοι (παρὰ γὰρ
τὸ κινεῖν τὰ αἰδοῖα λέγεται), ἢ τὸν ἑτέροις, ὡς τινες λέγουσι, τὴν τῶν
αὐτῶν κίνησιν ὑπεξάπτοντα.

731^b. Βλάξ δὲ ὁ τρυφηλὸς καὶ διακεχυμένος ἐστί.

743 (in. m. *ἐκ τῆς ἐν Ἀγκύρα*). Ἀλόγοις δὲ μιγνυμένους τοὺς 20
ἀλογευμένους ἢ καὶ ποτε τοῦτο διαπραξαμένους καὶ ἀποσχομένους.

744 (in. m. *τοῦ ἀγίου Βασιλείου*). Τὸν δ' ἐκ τοῦ σατανικοῦ
ἔρωτος ἀσπασμὸν τῶν ἀρρένων διὰ τῆς τῶν γλωσσῶν ἐμβολῆς μισμὸν
χειλέων ἴσθι καλεῖσθαι τε καὶ εἶναι, ὡς ὁ μέγας Βασίλειός φησι ἐν ὁ'
κανόνι. 25

II.

(κτ̄ стр. 185¹)

Mosqu. 148 (= 410 = CXLIX)
п. 159^b — 160^a .

Petropol. 100 (olim Coislin. 212)
п. 138^a — 139^a 1.

Ὅρος κανονικὸς τῶν ἁγίων ἀποστό-
λων Πέτρου καὶ Παύλου.

Ὅρος κανονικὸς τῶν ἁγίων ἀπο- 5
στόλων.

α'. *Περὶ τῆς λαμπροφόρου ἐβδο-
μάδος.* Εἴ τις τὴν τῆς λαμπροφόρου
ἀναστάσεως ἐβδομάδα ἤγουν διακαινίσμιον
σμικρύνει μίαν τῶν ἡμερῶν, καὶ οὐχὶ
ὅλην τὴν ἐβδομάδα ὡς μίαν ἡμέραν
ἐορτάζει θεικῶς καὶ οὐ πανηγυρικῶς, ἢ
ἐφάφηται καμάτου, ἔχει τὴν μερίδα μετὰ
τοῦ προδότου καὶ τῶν θεοκτόνων.

α'. Εἴ τις τὴν ἐβδομάδα τῆς λαμ-
προφόρου ἀναστάσεως ἤγουν τῆς διακινη-
σίμου σμικρύνει μίαν τῶν ἡμερῶν καὶ
οὐ τιμήσει ὅλην τὴν ἐβδομάδα ὡς μίαν 10
ἡμέραν, ἐορτάζων θεικῶς καὶ οὐ πανηγυ-
ρικῶς, ἢ ἐφάφηται καμάτου, ἔχει τὴν
μερίδα μετὰ Ἰούδα τοῦ προδότου καὶ
καταταγέσθω μετὰ Ἰουδαίων τῶν θε-
οκτόνων. 15

β'. Εἴ τις οὐ καταδέχεται παρ' ἐτέ-
ρου νίψασθαι τοὺς πόδας, ἀνάθεμα.

β'. Εἴ τις οὐ καταδέχεται παρ' ἐτέρου
νίψασθαι τοὺς πόδας, ἀνάθεμα ἔστω.

γ'. Εἴ τις κοινωνήσας λουθῆ, ἐπι-
κατάρατος.

γ'. Εἴ τις μεταλαβὼν τοῦ σώματος
τοῦ κυρίου καὶ λούσῃται, επικατάρατος
ἔστω, καθὼς εἶπεν ὁ κύριος. 20

δ'. Εἴ τις φέρει ὕδωρ ἐν τῷ στόματι
αὐτοῦ καὶ οὕτως μεταλάβῃ τοῦ ἀγίου
σώματος τοῦ κυρίου, επικατάρατος.

δ'. Εἴ τις εἰσφέρει ὕδωρ εἰς τὸ στόμα
καὶ οὕτως κοινωνήσῃ, επικατάρατος ἔστω.

ε'. *Περὶ φεύσεως.* Εἴ τις ἐν ὄνειρῳ
πορνεύσῃ καὶ μεταλάβῃ, επικατάρατος

ε'. Εἴ τις ἐν ὄνειρῳ πορνεύσῃ καὶ
τὴν αὐτὸν κοινωνήσῃ, επικατάρατος ἔστω.

ς'. Εἴ τις ἐξέλθῃ ἐκ τῆς ἐκκλησίας, 25
πρὶν ἀπολύσει ὁ ἱερεύς, επικατάρατος
ἔστω.

Варианты изъ этого сл. приведены у Pitra 103—104 (не всегда точно).

ζ'. **Περὶ συντυχίας.** Εἴ τις συντυχάνει ἐν τῷ καιρῷ τῆς ἀγίας λειτουργίας, ἐπικατάρατος.

ζ'. Εἴ τις λέγει τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ μωρέ, ἐπικατάρατος.

η'. **Περὶ καταλαλιᾶς.** Εἴ τις καταλάησει πατέρα ἢ μητέρα ἢ ἀδελφόν, ἐπικατάρατος.

θ'. **Περὶ ἐναλλαγῆς ζώων.** Εἴ τις ἀλλάξει εἰς κύνα πρόβατον καὶ προσφέρει αὐτὸ εἰς μνήμην ἀγίου, ἀνάθεμα.

ι'. **Περὶ τοῦ μὴ καταλύειν.** Ὁ καταλύων ὄρον γονέων αὐτοῦ ἢ ζώντων ἢ τελευτώντων, ἀνάθεμα.

ια'. **Ὅρος περὶ τριχῶν.** Ὁ τριχῶν ἀπτόμενος καὶ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ τρίβων, ἀνάθεμα.

ιβ'. **Περὶ αἵματος.** Εἴ τις φάγη αἷμα κτήνου, ἀπόλλυται.

ιγ'. **Περὶ θέρους.** Εἴ τις τοὺς πίπτοντας στάχτας οὐκ ἀφίει συναγειν τοῖς πτωχοῖς, ἀνάθεμα.

ιδ'. **Περὶ μαντευομένων.** Εἴ τις δίδωσιν ἀντίψυχον τοῖς υαντεσιν, ἢ λαμψίνει γραπτὰ, ἀνάθεμα.

ιε'. **Περὶ διαβολῆς.** Εἴ τις διαβάλλει τὸν ἀδελφόν, φονεὺς ἐστίν.

ζ'. Εἴ τις συντυχάνει ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ θεοῦ εἰς τὴν θείαν λειτουργίαν, ἐπικατάρατος ἔστω.

η'. Εἴ τις λέγει τὸν ἀδελφόν αὐτοῦ μωρόν, καθὼς εἶπεν ὁ κύριος, ἔνοχος ἔσται τῆς γεέννης τοῦ πυρός. 5

θ'. Εἴ τις καταλαλεῖ πατρός ἢ ἀδελφοῦ, ἐπικατάρατος ἢ γὰρ καταλαλιά οὐ μὴ ἀφήσει τὸν ἄνθρωπον σταθῆναι ἔμπροσθεν τοῦ θεοῦ. 10

ι'. Εἴ τις εἰς τὴν τράπεζαν οὐκ ἐκδέχεται πάντας, ἀλλὰ πλεονεκτεῖ τὸν ἕτερον, ὡς φονεὺς κρίνεται.

ια'. Εἴ τις ἀλλάξει κύνα πρὸς πρόβατον καὶ τὸ πρόβατον ἀγάγει εἰς μνημὴν ἀγίου, ἢ τὴν τιμὴν τοῦ κυνός, ἐπικατάρατος, καθὼς ἐνετείλατο ὁ θεὸς τῷ Μωσῇ. 15

ιβ'. Ὁ λύων ὄρον γονέων καὶ ἐπὶ ζωῆς καὶ ἐπὶ θανάτου ἀνάθεμα ἔστω.

ιβ'. Ὁ τῶν τριχῶν ἀπτόμενος καὶ τὸ πρόσωπον τύπτων καὶ ἐπὶ ζωῆς καὶ ἐπὶ θανάτου ἀνάθεμα ἔστω. 20

ιδ'. Εἴ τις φάγει αἷμα κτηνῶν, ἐπικατάρατος ἔστω.

ιε'. Εἴ τις τὰ στάχτα τὰ ἀποπίπτοντα οὐκ ἀφήσει συλλέγειν τοῖς πτωχοῖς, ἐπικατάρατος ἔστω. 25

ισ'. Εἴ τις ἀπαρχῆς ἄλωνος ἢ τῆς λινοῦ, καθὼς εἶπεν ὁ θεὸς τῷ Μωσῇ, οὐ δώσει τῇ ἐκκλησίᾳ ἢ τῷ πτωχῷ, ἐπικατάρατος ἔστω. 30

ιζ'. Εἴ τις δίδει ἀντίψυχα τοῖς μανταῖς ἢ λαμβάνει γραπτὰ ἢ δίδει, οὐκέτι γῆς πιστοί, ἀλλ' οὐδὲ χριστιανοί.

ιη'. Εἴ τις ἀδελφόν διαβάλλει, σὺν τῷ διαβόλῳ κατακέρχεται. 35

Далѣе въ Mosqu. слѣдуютъ еще, какъ принадлежащія къ той же серии, слѣдующія Апостольскія правила въ своеобразной редакціи:

Περὶ νηστείας. Εἴ τις ἐπίσκοπος ἢ πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ ἀναγνώστης τῆ ἀγίας τεσσαρακοστῆ οὐ νηστεύει, τετραδὶ καὶ παρασκευῆ, καθαιρείσθω. (ΑΠΟστ. 69). 5

Περὶ ὕβρεως. Εἴ τις ὕβρισει πρεσβύτερον, ἀνάθεμα. (ΑΠΟστ. 56).

Περὶ τοῦ σαββάτου νηστείας. Εἴ τις κληρικὸς εὑρεθῆ ἐν σαββάτῳ ἢ κυριακῇ νηστεύων, καθαιρείσθω. (ΑΠΟστ. 64).

Περὶ πρεσβυτέρων. Πρεσβύτερος ἢ διάκονος τὴν ἑαυτοῦ γυναῖκα ἐχθάλων ἄνευ αἰτίας, καθαιρείσθω. (ΑΠΟστ. 5). 10

Περὶ τοῦ ἐπιστρέψαντος ἀπὸ ἁμαρτίας. Εἴ τις πρεσβύτερος τὸν ἐπιστρέψαντα ἀπὸ ἁμαρτίας οὐ δέχεται, ὁ τοιοῦτος καθαιρείσθω. ἔλθπησε γάρ τὸν εἰπόντα· “χαρὰ γίνεται ἐν οὐρανῷ ἐπὶ ἐνὶ ἀνθρώπῳ ἁμαρτωλῷ μετανοοῦντι”. (ΑΠΟστ. 52).

Περὶ ἀκρωτηριασμοῦ. Ὁ ἀκρωτηριάσας μὴ γενέσθω κληρικὸς· αὐτοφόντης γάρ ἐστι καὶ τῆς τοῦ θεοῦ δημιουργίας ἐχθρός. (ΑΠΟστ. 22). 15

Περὶ τοῦ ἐκπεσόντος ἐν πορνείᾳ. Πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἐκπεσὼν εἰς πορνείαν καθαιρείσθω. (ΑΠΟστ. 25).

Περὶ καπηλείου. Κληρικὸς ἐσθίων ἐν καπηλείῳ ἀφορίζεσθω. (ΑΠΟστ. 54). (заглавіе стерпосъ) Εἴ τις κωφὸν ἢ τυφλὸν πλανήσει καὶ ἐκπαίξει, ἀφορίζεσθω. (ΑΠΟστ. 57). 20

(загл. стерл.) Ὁ δυοὶ γάμοι συμπλακεῖς ἢ παλλακὴν κτησάμενος οὐ δύναται εἶναι πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ ὄλως τοῦ ἱερατικοῦ καταλόγου. (ΑΠΟστ. 17).

(загл. стерл.) Πρεσβύτερος ἢ διάκονος τὴν ἑαυτοῦ γυναῖκα μὴ ἐχθάλετω προφάσει εὐλαβείας· ἐὰν δὲ ἐχθάλῃ, ἀφορίζεσθω, ἐπιμένων δὲ καθαιρείσθω. (ΑΠΟστ. 5). 25

Ὁ χήραν λαβὼν ἢ ἐκβεβλημένην ἢ ἐταίραν ἢ οἰκέτιν, ἢ τῶν ἐπὶ σκηνῆς, οὐ δύναται εἶναι ἐπίσκοπος ἢ ὄλως τοῦ ἱερατικοῦ καταλόγου. (ΑΠΟστ. 18).

Ὁ δύο ἀδελφὰς ἀγόμενος ἢ ἀδελφιδθῆν¹ οὐ δύναται εἶναι κληρικὸς. (ΑΠΟστ. 19).

Οἱ πρεσβύτεροι καὶ οἱ διάκονοι ἄνευ γνώμης τοῦ ἐπισκόπου μηδὲν ἐπιτελείωσαν· αὐτοὶ γάρ ἐστιν ὁ ἐμπειστηυμένος τὸν λαὸν κυρίου καὶ ὑπὲρ τῶν ψυχῶν αὐτῶν λόγον ἀποδώσων. (ΑΠΟστ. 39). 30

Εἴ τις πρεσβύτερος ἢ ἐπίσκοπος ἢ διάκονος ἢ ὄλως τοῦ ἱερατικοῦ καταλόγου ἐν ταῖς ἡμέραις τῶν ἑυρτῶν κρεῶν καὶ οἴνου οὐ δι' ἄσκησιν, ἀλλ' ὡς βδελυσσόμενος ἀπέχεται, ἐπιλαθόμενος ὅτι τὰ πάντα καλὰ λίαν καὶ ὅτι ἄρσεν 35 καὶ θῆλυ ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον ἐποίησε, καὶ βλασφημῶν διαβάλλει, ὡς κεκαυ-

¹ cod. ἀδελφιδῶν.

στηριασμένος τὴν οἰκειάν συνείδησιν καὶ αἷτιος σκανδάλου γενόμενος τοῖς πολλοῖς. εἴτε κληρικός εἴτε λαϊκὸς ἀφοριζέσθω. (ΑΠΟΣΤ. 51).

Εἴ τις κληρικός ἐν μάχῃ χρούσας ἀποκτείνει τινά, καθαιρείσθω διὰ τὴν προπέτειαν αὐτοῦ εἰ δὲ λαϊκὸς εἶη, ἀφοριζέσθω. (ΑΠΟΣΤ. 66).

Σκεῦός τι ἱερῶθὲν καὶ ἀγιασθὲν, ἢ ὀθόνην ἢ ἄλλο τι, μηδεὶς εἰς οἰκειάν ἢ 5 χρεῖαν σφετεριζέσθω παρανομῶν. (ΑΠΟΣΤ. 73).

Εἴ τις ἀνάπηρος τὸν ὀφθαλμὸν ἢ τὸ σκέλος πεπληγμένος, ἄξιός δὲ ἱερῶ- σύνης ἐφάψασθαι, ἐφαπτέσθω οὐ γὰρ λῶβη σώματος μιαίνει, ἀλλὰ ψυχῆς μολυσμός. (ΑΠΟΣΤ. 77).

Κωφὸς ἢ τυφλὸς μὴ ἐφαπτέσθω ἱερῶσύνης, ἵνα μὴ τὰ τῆς ἐκκλησίας 10 παρεκποδίση. (ΑΠΟΣΤ. 78).

Ἔστω δὲ ὑμῖν πᾶσι κληρικοῖς βιβλία σεβάσµια καὶ ἄγια τῆς μὲν Παλαιᾶς Μωϋσέως πέντε· Γένεσις, Ἔξοδος, Λευιτικόν, Ἀριθμοὶ καὶ Δευτερονόμιον. Ἰησοῦ τοῦ Ναυῆ ἓν. Κριτῶν ἓν. Ῥούθ ἓν. Βασιλειῶν τέσσαρα. Παραλειπομένων τῆς βίβλου τῶν ἡμερῶν δύο. Ἔσθρα δύο. Ἐσθῆρ ἓν. Μακκαβαίων τρία. Ἰὼβ ἓν. 15 Ψαλτηρίου ἓν. Σολομῶντος τρία· Παροιμίαι, Ἐκκλησιαστής καὶ Ἄσμα Ἄσμάτων. Προφητῶν δώδεκα. Ἡσαΐου ἓν. Ἱερεμίου ἓν. Ἰεζεκιήλ ἓν. Δανιήλ ἓν. ἔξωθεν δὲ τούτων μανθάνειν τοὺς (νέους) 1 τὴν Σοφίαν τοῦ πολυμαθοῦς Σειράχ καὶ Βαρούχ. Τῆς δὲ Καινῆς Διαθήκης βιβλία δ', ἐπιστολαὶ Πέτρου β', Ἰωάννου τρεῖς, Ἰακώβου (μία), Ἰούδα μία, Κλήμεντος α', Παύλου ἐπιστολαὶ ιδ'. Τοιαῦτα 20 περὶ κανόνων διετάξαμεν ὑμῖν, καὶ τούτοις ἐμμένοντες σωθήσεσθε, ἀπειθοῦντες δὲ κολασθήσεσθε καὶ πόλεμον μετ' ἀλλήλων ἔξετε, δίκην τῆς 2 ἀνηκοῖας τὴν προσήκουσαν τινόντες. (ΑΠΟΣΤ. 85).

Текстъ правилъ, начиная съ 22-го, списанъ для меня Н. П. Поповымъ, и имъ же провѣренъ по р-си сдѣланный мною спи- 25 сокъ съ Mosqu; приношу глубокоуважаемому Н. П-чу мою сердечную благодарность за эту ученую услугу.

¹ νέους было, вѣроятно, на оторванномъ кусочкѣ л. 160.

² cod. τοῖς.

III.

(сравн. стр. 108ⁱ и словарькъ на стр. 209—213).

Αἱ ῥωμαῖαι λέξεις αἰ κείμεναι εἰς τὸ νομοκάνονον.

по Neapolit. II C. 4 л. 1; въ прямыя скобки заключены до- 5 бавленія изъ Vatic. 2184 л. 259, гдѣ заглавіе: αἱ ῥωμαῖαι λέξεις αἰ ἐγκείμεναι εἰς τὸ νόμιμον βιβλίον; въ круглыхъ скобкахъ поставлены слова, не находящіяся въ Vatic.

- | | | |
|----------------------|---|----|
| 1. fidocomisson | φειδοκόμισσον. [ἦτοι λεγάτον.] | |
| 2. mortis causa | μορτίκαυσα. [ἢ μετὰ θάνατον δωρεά.] | |
| 3. digeston | διγέστων. [ἦτοι τῶν ἐκτυπωμάτων.] | 10 |
| 4. filicomissois | φιδικομισσοῖς. [ληγαταρίοις.] | |
| 5. repudion | ῤεπούδιον [ἦτοι διαχώρησις.] | |
| 6. codicio | κωδικίω. [τὸ ἴσον τῆς διαθήκης.] | |
| 7. institution | ἰστιτούτιον. [ἦτοι ἢ νέα διάταξις.] | |
| 8. ineditos | ἰνδεδιτος. [ἢ λεπτή ἀπογραφή.] | 15 |
| 9. institution | ἰνστιτούτιον. | |
| 10. deportateusdhai | δεπορτατεύεσθαι. [στηρίζοντες. ἀντιφωνοῦντες.] | |
| 11. (deportateuetai) | (δεπορτατεύεται.) | |
| 12. spurtullon | σπουρτούλλον. [τὰ ἐν σπυρίδι διδόμενα κανίσκια.] | |
| 13. deportation | δεπορτατιον. [ἐξορισμός.] | 20 |
| 14. ditlu | διτλου. [ἀπογραφή.] | |
| 15. fisco | φίσκω. [τὸ βασιλικὸν ταμιεῖον.] | |
| 16. dnacatreusion | δεκατρεύσιον. [ἀπόμυρα] | |
| 17. deinoffisicco | δεινοφφισικκω: [περιουσία.] | |
| 18. (fscos | φίσκος:) | 25 |
| 19. erdatonon | ἐρδατιονων. [τῶν πρακτόρων.] | |
| 20. tractaisi | τρακταῖσι. [λογαριάζεται.] | |
| 21. catatorcoslu | κατατορκοσλου. [κατὰ τῆς συγγενείας.] | |
| 22. castreasiolun | καστρακασιολεύων. [τὰ δεδομένα τοῖς δι' οὐλοῖς πεκούλια:] | |
| 23. ailargitiones | αἱ λαργитιονες. [τῶν βασιλικῶν θησαυρῶν.] | 30 |

24. condictiuci	κονδικτιουχι. [ὁ ἀπογραφεύς.]
25. facum	φακτουμ. [ἡ φανερά ἀπογραφή.]
26. ormileia	ὄρμελεια. [τὰ τῆς ἐκκλησίας δίκαια.]
27. littatorum	λιττατορουμ.
28. sdurraticnos	σδουρατιωνος. [τοῦ ἀπὸ γράμματος.]
29. codicillois	κοδικίλλοις. [τὰ ἴσα τῆς διαθήκης.]
30. annualia	ἀννουαλια. [νόμος βασιλικός.]
31. commonitoorion	κομμονιτώριον.
32. priprillu	πριπριλλου ¹ . [τὰ διατάγματα]
33. (eredateuinc	ἐρεδατευει.)
34. crumentu	κρουμέντου.
35. papianu	παπιανου [δόγμα.] λε'.

Vatic., вмѣсто цифры ле', имѣеть: ταῦτα ἐγράφησαν ῥωμαῖστί ἐλληνιστί.
Порядокъ словъ Vatic.: послѣ 27 слѣдуютъ 32, 28, 29, 34, 30, 35, 31.

¹ priprillu περιπίλλου Vatic.

IV.

(къ стр. 235³).

Имена отцовъ Константинопольскаго собора 381 г.

По Patm. 172 съ вариантами изъ Patm. 173.

1. Нектѣριος Κωνσταντινουπόλεως.	Συρίας³	5
	Αἰγύπτου.	
2. Τιμόθεος ¹ Ἀλεξανδρείας.	22. Μελέτιος πόλεως Ἀντιοχείας	
3. Δωρόθεος πόλεως Ὁξυρίγγου.	23. Πελάγιος » Λαοδικείας.	
	Παλαιστίνης	
4. Κύριλλος πόλεως Ἱεροσολύμων. ¹	24. Ἀκάκιος » Βεροίας.	
5. Πελάγιος » Καισαρείας.	25. Ἰωάννης » Ἀπαμείας.	
6. Μάκερ » Ἱεριγούτων.	26. Βίζος » Σελευκείας.	10
7. Διονύσιος » Διοσπόλεως.	27. Εὐσέβιος » Ἐπιφανείας.	
8. Πρισκιανός ² Νικοπόλεως.	28. Μαρκιανός » Σελευκοῦζήλου.	
9. Νεῖλος πόλεως Σεβαστιῆς.	29. Πατρόφιλος » Λαρίσσης.	
10. Ῥοῦφος Σκυθοπόλεως.	30. Σευῆρος » Πάλτου.	
11. Αὐξέντιος πόλεως Ἀσκαλῶνος.	31. Φλαουσιανός καὶ	15
12. Ἡλιανός » Ἰαμνίας.	32. Ἐλπίδιος πρεσβύτεροι πόλεως Ἀντιοχείας.	
	Φοινίκης.	
13. Ζήνων πόλεως Τύρου.	33. Εὐσέβιος πόλεως Καρχήδος.	
14. Παῦλος » Σιδῶνας.	34. Δομνηνός » Γαβάλων.	
15. Νέσταβος » Πτολεμαῖδος.	35. Βασιλῖνος » Ῥεφαναίων.	20
16. Φίππος » Δαμασκοῦ.	Ἀραβίας	
17. Βάραχος » Πανιάδος.	36. Ἀγάπιος καὶ	
18. Τιμόθεος » Βηρυτοῦ.	37. Βαγάδιος ⁴ πρεσβύτεροι πόλεως Βόστρων.	
19. Βασιλείδης » Βίβλου.	38. Ἐλπίδιος πόλεως Διονουσιάδος.	25
20. Μώχιμος » Ἀράδου.	39. Οὐράνιος » Ἀδράφης.	
21. Ἀλέξανδρος » Ἄρκων διὰ Θεοδοσίου πρεσβυτέρου.	40. Χίλων » Κωνσταντιανῆς. ⁵	
	41. Σεουθηρος Νεαπόλεως.	
	Θαρονηῆς	
	42. Εὐλόγιος πόλεως Ἐδέσσης.	30

¹ вставл. πόλεως.

² вставл. πόλεως.

³ прибавл. Κοιλῆς.

⁴ Βαδάγιος.

⁵ Κωνσταντινῆς

43. Βίτος πόλεως Καρρῶν.
44. Ἀβράμιος » Βατῶν.

Μεσοποταμίας

45. Μαρὰς πόλεως Ἐμέσης.
46. Βατώνης » Κωνσταντιανῆς.
47. Ἰοβίνο» » Ἐμμαρίας.

Ἀγούστος Φρατησίας *

48. Θεόδοτος Ἰεραπόλεως.
49. Ἀντίοχος πόλεως Σαμοσάτων.
50. Ἰσίδωρος » Κύρου.
51. Ἰοβίνο» » Πέρρης.
52. Μαρῖνος » Δολίχης.

Κιλικίας

53. Διόδωρος πόλεως Ταρσοῦ.
54. Κυριακὸς » Ἀδάνων.
55. Ἡσύχιος » Ἐπιφανίας.
56. Γερμανὸς » Κωρύκου.
57. Ἀέριος » Ζεφυρίου.
58. Φιλίμουσος Πομπιουπόλεως.
59. Ὀλύμπιος πόλεως Μομφουεστίας,¹
60. Θεόφιλος » Ἀλεξανδρίας
διὰ Ἀλυπίου πρεσβυτέρου.

Καππαδοκίας

61. Ἐλάδιος πόλεως Καισαρείας.
62. Γρηγόριος² Νύσης.
63. Αἰθέριος πόλεως Τυάνων.
64. Βοσπόριος » Κολωνίας.
65. Ὀλύμπιος » Παρνασοῦ.
66. Γρηγόριος » Ναζιανζοῦ.³

Ἀρμενίας Μικρῆς

67. Ὁτρῆιος πόλεως Μελιτηγῆς.
68. Ὁτρῆιος » Ἀραβισσοῦ.

Ἰσαυρίας

69. Ὀλύμπιος πόλεως Σελευκίας.

70. Μοντανὸς Κλαυδίουπόλεως διὰ
Παύλου πρεσβυτέρου.

71. Φιλότητος Εἰρηγοπόλεως.

72. Ὑψιστος πόλεως Φιλαδελφίας.

73. Μουσώνιος » Κελενδέρεως. 5

74. Μαρῖνος » Δαδισάνδου.

75. Θεοδόσιος » Ἀντιοχείας.

76. Ἀρτέμιος Τιτιουπόλεως.

77. Νέων πόλεως Σελενούτων.⁴

78. Μοντανὸς » Νεοκαισαρείας. 10

79. Εὐσέβιος » Ὀλβίης.

Κύπρου

80. Ἰούλιος πόλεως Πάρου.
81. Θεόπρεπος » Τριμιθούτων.
82. Τύχων » Ταμασοῦ. 15
83. Μνήμιος » Κιττίου.

Παμφυλίας

84. Ρόηλος πόλεως Αἰγαίων.
85. Γάιος » Λύρρης.
86. Λογγίνος » Κολουβρασσοῦ. 20
87. Θεόδουλος » Καρακισίου.
88. Ἡσύχιος » Κατηνῶν.
89. Μῆδος » Πανέμου.
90. Ἡρακλειδης » Τίχους.
91. Θεόδουλος » Εἰαλώου.⁵ 25
92. Παμμένιος » Ἀριασσοῦ.

Λυκαονίας

93. Ἀμφιλόχιος πόλεως Ἰκονίου.
94. Κύριλλος » Οὐμάδων.
95. Ἀριστοφάνης » Σωπάρτων. 30
96. Παῦλος » Δύστρων.
97. Ἰνζοῦς » Κορίνων.
98. Δάρειος » Μιστίας.
99. Λεόντιος » Πετρῶν.
100. Θεοδόσιος » Ὑθης. 35
101. Εὐστράτιος » Κάνων.
102. Δάφνος » Δέρβης.

103. Εὐγένιος πόλεως Ποσάλων.
104. Ἰλόριος » Ἰσαύρων.
105. Σευῆρος » Ἀνδάδων.

Πισιδίας

106. Ὀπίσιος πόλεως Ἀντιοχείας.
107. Θέμιστος » Αἰδρανοπόλεως.¹
108. Ἀγγάλιος » Προστάνων.
109. Ἄνιανὸς » Ἀνδάνων.²
110. Φαῦστος » Αἰμενων.³
111. Ἰώνιος » Σαγαλασσοῦ.
112. Καλλίνικος » Ποιμάνδρου.
113. Εὐστάθιος » Μητροπόλεως.
114. Πατρίκιος » Παρλασσοῦ.
115. Λούκιος » Νεαπόλεως.
116. Δουλιανὸς Σωζοπόλεως διὰ Συμ-
πληκίου πρεσβυτέρου.
117. Τύρανος πρεσβύτερος πόλεως
Ἀμορίου.
118. Λυξάνων πρεσβύτερος πόλεως
Ἀπαμείας.
119. Ἐλάδιος πρεσβύτερος πόλεως Κο-
νάνων.
120. Θεοσέβιος πόλεως Φιλομιλίου διὰ
Βάσσου πρεσβυτέρου.

Αυκίας

121. Τατιανὸς πόλεως Μύρων.
122. Πιόνιος » Χώματος.
123. Εὐδῆμος » Πατάρων.
124. Πατρίκιος » Οἰνοάνδων.
125. Λουπίκιος » Δουμύρων.

126. Μακεδὼν πόλεως Ξάνθου.
127. Ῥωμανὸς » Φασηλιάδος
128. Ἐρμαῖος » Βουβωναίων.
129. Θωαντιανὸς » Ἀράζου.

Φρυγίας Σαλονταρίας

130. Βίτος πόλεως Προμνήσου.
131. Αὐξάντικὸς » Εὐκαρπίας.

Φρυγίας Πακατιανῆς

132. Νεκτᾶριος πόλεως Ἴππίας.
133. Θεόδωρος » Εὐμενίας διὰ
Προφουτούρου πρεσβυτέρου. 10

Καρίας

134. Ἐκδικίος πόλεως Ἀφροδισιάδος.
135. Λεόντιος » Κιβύρων.

Βιθυνίας.

136. Εὐφράσιος πόλεως Νικομηδείας.
137. Θεόδωρος » Νικαίας.
138. Ὀλύμπιος » Νεοκαισαρείας.
139. Θεόδουλος » Χαλκηδόνος.
140. Εὐστάθιος » Προύσης. 20

Πόντου

141. Τερέντιος πόλεως Ἀπαμείας.
142. Ἐθέριος » Τομαίων.
143. Σεβαστιανὸς » Χερσονήσου.
144. Ἀχιλεὺς » Ἀπαμείας. 25
145. Ἀγγρίος » Ἡμιμόντου.

Πόντου Πολεμωνιakoῦ

146. Ἀτάρβιος δι' Ἀκόλου ἀναγνώστου.

¹ cod. Μομφουεστίας. ² вставл. πόλεως. ³ cod. Νανζιανζώ. ⁴ Σελενούτων.

⁵ cod. надъ ω поставл. в въ Εἰαλώου.

* должно бытъ Ἀγούστουεφρατησίας?

¹ Ἀδριανουπόλεως.

² Ἀδάνων.

³ должно бытъ Λιμενῶν.

V.

(κβ στρ. 243)

Ἐκ τῆς διαλέξεως τοῦ ἁγίου ἀποστόλου Ἰακώβου.

Βλέπετε οὖν, ἀδελφοί μου, ὅτι κέλευσις θεϊκὴ ἐστὶν τὸ πιστεύειν εἰς τὸν Χριστὸν τὸν υἱὸν καὶ λόγον τοῦ θεοῦ, τὸν σαρκωθέντα καὶ παθόντα καὶ ταφέντα 5 καὶ ἀναστάντα τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ, καὶ τὴν ἀναστάσιμον αὐτοῦ ἡμέραν εορτάζειν, τὴν ἁγίαν κυριακὴν, δι' ἧς ἀνενέωσε τὸν κόσμον καὶ ἤρην τὸ κάλυμμα τοῦ προσώπου (τοῦ) τὰς ἐντεῦξαι ποιούντος· ὅθεν καὶ οἱ θεοπρεπεῖς ἱερεῖς αὐτῶν, κατὰ τὴν κέλευσιν καὶ πρόσταξιν τοῦ αὐτοῦ δεσπότη Χριστοῦ, τὴν διὰ τῶν ἁγίων αὐ- 10 τοῦ μαθητῶν καὶ ἀποστόλων δοθεῖσαν τῷ κόσμῳ, κείρονται στεφανοειδῶς τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτῶν, προτυποῦντες τοῦ μέλλοντος δίδοσθαι αὐτοῖς θεοῦ καὶ οὐρανοῦ στεφάνου τῆς δικαιοσύνης, καθὼς γέγραπται· "οἱ ἱερεῖς σου, κύριε, ἐνδύσονται δικαιοσύνην" (=псал. CXXXI 9)· ὁμοίως καὶ οἱ θεάρεστοι μονάζοντες, οἱ τὸ ἀποστολικὸν καὶ ἀγγελιοειδῆ ἐνδυσάμενοι ἅγιον σχῆμα, τὴν αὐτὴν ἀπο- 15 δεξάμενοι κέλευσιν, κείρονται ὀλοτελῶς τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς αὐτῶν, ἀποβαλλόμενοι τὸν παλαιὸν ἄνθρωπον τὸν φθαρέντα σὺν ταῖς ἐπιθυμίαις αὐτοῦ καὶ περιβαλλόμενοι τὸν νέον τὸν κατὰ θεὸν κτισθέντα ἐν ὁσιότητι καὶ ἀγαλλιάσει, καθὼς γέγραπται· "καὶ οἱ ὅσιοί σου ἀγαλλιάσονται" (=псал. CXXXI 9)· διὸ καὶ οἱ ἐν τῷ λαίῳ τάγματι ὑπάρχοντες.

Изъ Laurent. X 1 л. 259^b; текстъ обрывается, потому что 20 далѣе вырваны въ р-си послѣдніе 3 лл. тетради лγ' и тетради лδ' и ле' цѣбликомъ.

VI.

(κβ στρ. 304).

[Τάξεις ὀνομάτων τῶν ὁσίων μητροπολιτῶν.]

[α'. ἐπαρχία Καπαδοκίας α']	ὁ Καισαρείας· ἔχει πόλεις[].	
[β'. ἐπαρχία Ἀσίας]	ὁ Ἐφέσου· ἔχει πόλεις[].	5
[γ'. ἐπαρχία Εὐρώπης]	ὁ Ἡρακλείας [τῆς] Θράκης ἔχει πόλεις [ις'.] ὁ τοῦ Πανίου.	
[δ'. ἐπαρχία Γαλατίας α']	ὁ Ἀγκύρων ἔχει πόλεις ζ'.	
[ε'. ἐπαρχία Ἑλλησπόντου]	ὁ Κυζίκου ἔχει πόλεις ιβ'.	
ς'. ἐπαρχία Λυδίας	ὁ Σάρδεων ἔχει πόλεις κς'.	10
ζ'. ἐπαρχία Βιθυνίας]	ὁ Νικομηδείας ἔχει πόλεις[].	
[η'. ἐπαρχία τῆς αὐτῆς]	ὁ Νικαίας ἔχει πόλεις δ'.	
[θ'. ἐπαρχία τῆς αὐτῆς]	ὁ Καλχηδόνας.	
ι'. ἐπαρχία Παμφυλίας	ὁ Σίδης ἔχει πόλεις ις'.	
[ια'.] ἐπαρχία Ἀρμενίας α'	ὁ Σεβαστείας ἔχει πόλεις ε'.	15
[ιβ'.] ἐπαρχία Ἐλεφανοπόντου]	ὁ Ἀμασίας ἔχει πόλεις ς'.	
[ιγ'. ἐπαρχία Ἀρμενίας β']	ὁ Μελιτινῆς ἔχει πόλεις ε'.	
[ιδ' ἐπαρχία Καπαδοκίας β']	ὁ Τυάνων ἔχει πόλεις δ'.	
ιε'. ἐπαρχία Παφλαγονίας	ὁ Γαγγῶν ἔχει πόλεις δ'.	
[ις' ἐπαρχία] Ὀνωριάδος	ὁ Κλαυδιουπόλεως ἔχει πόλεις ε'.	20
ις'. ἐπαρχία Πόντου Πολεμωνιακοῦ	ὁ Νεοκαισαρείας ἔχει πόλεις ε.	
[ιη'. ἐπαρχία Γαλατίας] β'	ὁ Πισινούτων ἔχει πόλεις ζ'.	
[ιθ'. ἐπαρχία Λυκίας]	ὁ Μύρων ἔχει πόλεις λς'.	
[κ'. ἐπαρχία Καρίας]	ὁ Σταυροπόλεως ἔχει πόλεις κς'.	
[κα'. ἐπαρχία Φρυγίας] Καπατιανῆς	ὁ Λαοδικείας ἔχει πόλεις ιη'.	25
[κβ'. ἐπαρχία Φρυγίας Σαλουταρίας]	ὁ Συνάδων ἔχει πόλεις κε'.	
[κγ'. ἐπαρχία Λυκαονίας]	ὁ Ἴκονίου ἔχει πόλεις ιε'.	
[κδ'. ἐπαρχία Πισιδίας]	[ὁ Ἀντιοχ]είας ἔχει πόλεις κβ'.	
[κε'. ἐπαρχία Πάμφυλίας]	[ὁ Περγ]ῆς ἔχει πόλεις ιθ'.	
[κς'. ἐπαρχία Καπαδοκίας γ']	[ὁ Μωκ]ισοῦ ἔχει πόλεις δ'.	30
[κς'. ἐπαρχία] Λαζικῆς	[ὁ Φ]άσιδος [ἔχει πόλεις].	

{κη'. ἐπαρχία] Θράκης	ὁ Φιλιππουπόλεως [ἔχει πόλεις].
κθ'. ἐπαρχία Ῥοδόπης	ὁ Τραϊανουπόλεως.
λ'. ἐπαρχία νήσων Κυκλάδος	ὁ Ῥόδου.
λα'. ἐπαρχία Ἐμιμουόντων	ὁ Ἀδριανουπόλεως.
λβ'. ἐπαρχία τῆς αὐτῆς	ὁ Μαρκιανουπόλεως.
λγ'. ἐπαρχία Καπατιανῆς	ὁ Ἱεραπόλεως.
	ὁ Τραπεζούντων
	ὁ τοῦ Ἀμφρίου.
	ὁ Σελευκίας.

Εἰσὶν καὶ ὑπὸ τὴν δύσιν.

ἐπαρχία Σικελίας	ὁ Συρακούσης.
ὁ Θεσσαλονίκης	ὁ Ἀθηνῶν.
ἐπαρχία Καλαβρίας	ὁ τοῦ Ῥηγίου.
ὁ Ἰδρουῆτος	ὁ Κορίνθου.
ὁ Πατρῶν	ὁ Λαρίσης.
ὁ Νικοπόλεως.	

Изъ Laud. 39 л. 1; въ прямыя скобки поставлено то, что въ р-си пропало и мною возстановлено при помощи аналогiи и текста τάξις Βασιλiα (Parthey Notitia I).

VII.

(къ стр. 135, 234, 245, 246, 252, 253, 282—283, 298).

Синоπтическая таблица дополненiй въ ссылкахъ XIV титуловъ на правила.

Изъ L=Laurent. X 1,	V _c =Vatic 827,	5
P=Petropol. 66,	V _e =Venet. 169,	
P _a =Patm. 172 и Patm. 173,	Vall ₁ =Vallicell. F 10,	
V=Vallicell. C. 11,	Vall ₂ =Vallicell. F 47;	
V _a =Vatic. 1981,	и для тит. I 11—VIII 14, XIII 30—40	10
V _b =Vatic. 2184,	M=Miscell. 170.	

Взяты лишь тѣ главы XIV титуловъ, гдѣ дополненiя сдѣланы; при этомъ употребляются сокращенiя:

= вмѣсто *замѣн.*
+ » *добавл.*
— » *пропуц.*

Въ основу положенъ тотъ видъ ссылокъ, который болѣе употребителенъ, — Фотiевскiй а отклоненiя отъ него напечатаны курсивомъ.

I тит.

1. Апост. 49, 50; КП. 1, 5; Еф. 7; Карө. 2; Трул. 1, 73, 81.
2. Халкид. 1 (V_eL+6); Карө. 1 (V_c—*Карө. 1*); Трул. 2; Ник. П 1 (VV_a—1), 2 (P_a—*Ник. II 1, 2*).
3. Трул. 82 (V=81; V_c+81; P_a—*Трул. 82*); Васил. изъ посл. къ Дiод. и изъ 27 и 29 гл. къ Амфил. Въ Vall₁ V_c *правила Βασιλiα Βελ. поставл. передъ Трульск.*
5. Апост. 34; Ник. 4, 6 (V_aV_b=*καὶ*), 7; Антиох. 9 (V_a=7; V=19 V_c+25); КП. 2, 3; Халкид. 9, 17, 28; (V_a+*Антиох. 9*); Сард. 3, 4, 5; Карө. 17, 39; Трул. 36, 39 (P_aVall₁—39; V_b=*λ' καὶ λθ'*; L—*Трул. 36, 39*).
6. Апост. 1, 2, 35; Ник. 4; Антиох. 13, 19, 22 (V_a—22); Лаод. 5, 12; Еф. 8 (V_a+11) и посл. къ Памф. соб.; Сард. 6; Халкид. 28; Карөаг. 13, 18 (V_a=19), 49, 55, (Vall₁=59), 98 (LV_eP—*всѣ Карөаг., но P+друг. рук.*); Трул. 33, 37 (V_a=36; L—*только номера правилъ*); Ник. П 2; КП. I—II 16 (V_a—*КП. I—II 16*); Васил. къ хорепп.; Кирилла къ Домну 1 (L—1), 3 и къ

- Лив. и Пентапп. епп. 1, 3 ($V_a = 2$); Теофила изъ ὑπομνηστ. 6. ($Vall_1 - \text{Теоф. } \delta\text{πομν. } 6$). Въ $Vall_1 Pa V_c$ — *всѣ Трул., Ник. II и КП. I—II. Въ $V_c L Pa$ Теофила ὑπομνηστ. поставл. передъ прав. Кирилла.*
7. Лаод. 13; Ник. II 3 ($V_e = \text{συνόδου Νικαίας κανὼν } \gamma$; $Pa Vall_1 - \text{Ник. II } 3$, но $Vall_1 + \text{друг. рук.}$). Въ V_c : Ник. II 3, Лаод. 13.
9. Халкид. 25; ($V_a + \text{Сард. } 10$, Гангрск. 15); Трул. 14 ($VVa V_c V_e Vall_1 Pa - \text{Трул. } 14$).
11. Сард. 10; КП. I—II 17 ($V_a Vall_1 Vall_2 Pa - \text{КП. I—II } 17$; $M + in m.$) Въ V_c : КП. I—II 17, Сард. 10.
17. Апост. 36 ($V_a = 31$); Анк. 18; Антиох. 17 ($PVV_e - 17$), 18; Трул. 17 ($LV_e V_a VV_b - \text{Трул. } 17$; $M + in m.$).
20. Ник. 8; Халкид. 10 ($V_b = 10$), 12; Ник. II 15 ($Pa - \text{Ник. II } 15$; $M + in m.$). Въ L есть одно только Ник. II 15.
21. Апост. 35; Антиох. 13, 22; Еф. 8; Ник. II 3 ($PVVA V_b V_e L - \text{Ник. II } 3$; $M + in m.$).
22. Апост. 30; Ник. II 3 ($M Vall_1 Vall_2 Pa - \text{Ник. II } 3$).
23. Апост. 17, 18, 19; Трул. 3, 12 ($M Vall_2 V_c - 12$); Васил. 12. *М став. Трул. in m. Въ $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. поставл. на концѣ (послѣ Васил.).*
24. Апост. 29; Халкид. 2; Трул. 22, 23 ($Pa Vall_1 Vall_2 V_c M - 23$, но $Vall_1 + \text{друг. рук.}$); Ник. II 4, 5, 19 ($Pa - \text{всѣ Ник. II}$); ($V_c Vall_1 Vall_2 + \text{Тарасія къ Адрияну}$); Васил. къ епп.; Геннадія окружн. посл. Въ $V_c Vall_1 Vall_2$ правила Трул., Ник. II и посл. Тарасія, а въ Pa одни Трул. поставлены на самомъ концѣ (послѣ Геннадія). Въ $M Трул. и Ник. II in m.$
26. Ник. 15, 16; Антиох. 21; Халкид. 5, 10, 20; Сард. 1, 2, 15 Карө. 54 ($V_a V_e = 51$), 90 ($VL = 90$); Трул. 17, 18, 20 ($Vall_2 - \text{всѣ Трул.}$). Въ $M Трул. in m.$
28. Неокес. 11 ($Vall_2 = 12$); Халкид. 15; Карө. 16 ($V_b + 17$); Трул. 14, 15 ($V_b = \text{Трул. II, } 12$)¹). Въ M Халкид. поставл. передъ Неокес., а Трул. in m.
30. Неокес. 14 ($V_b = 15$); Трул. 16 ($Vall_2 = 12$).
37. Ник. 19; Лаод. 11; Халкид. 15 ($M - \text{Халкид. } 15$) ($V_c Vall_1 Vall_2 Pa M + \text{Васил. } 44$); Трул. 14. Въ $M Трул. in m.$

¹) Въ V_e отъ всей главы 28 остались только двѣ ссылки Неокес. 11 и Халкид. 15, да и то вставленные въ „законы“ главы 27 (передъ τὼν δε̅ ζακρυστω̅ν...); остальные ссылки гл. 28 присоединены къ гл. 27.

II тит.

1. Карө. 6 ($V_b = 16$), 83; Ник. II 7, 17. ($Pa - \text{всѣ Ник. II}$; $V_c Vall_1 Vall_2 M - 17$).
2. Апост. 73; КП. I—II 1, 10 ($V_b = 6$; $Pa Vall_1 Vall_2 V_a - \text{всѣ КП. I—II}$); Кирилла къ Домну 2. Въ $M Трул. in m.$ Въ V_c послѣ Кирилла къ Д. поставл. КП. I—II 1, 10 и τῆς ἐν τῷ τρολλῶ ζη̅.
3. Апост. 31 ($V_a = 36$); Антиох. 5; Карө. 10; Трул. 31 ($M - \text{Трул. } 31$); КП. I—II 12, 13, 14 ($M - 14$), 15 ($V_c V_a - \text{всѣ КП. I—II}$)¹). Въ $M КП. I—II in m.$ Въ $Pa Vall_1 Vall_2 - \text{всѣ Трул. и КП. I—II.}$

III тит.

2. Апост. 60, 85; Лаод. 15, 17, 18, 19, 23, 59; Карө. 24 ($V_a + 42$), 46 ($L = 42$, 45; $V_e V V_b P = 42$; $M + 103$); Трул. 33 ($V_e = 37$), 63, 75, 81 ($V_c Vall_1 Vall_2 Pa M - 81$); Ник. II 14 ($M V_c Vall_1 Vall_2 Pa - \text{Ник. II } 14$). Въ V_a поставл. Ник. II 14 передъ Трул. Въ $M Трул. in m.$
4. Апост. 3, 4, 31 ($V_c = 35$); Ник. 18; Анк. 1; Неокес. 13; Лаод. 19, 49; Карө. 17 ($P V_c Vall_1 Vall_2 Pa M = 37$), 41, 47; Трул. ($Vall_1 + 21$), 23, 28 ($Vall_2 + 29$), 32 ($V_a V_b V_e V - 32$), 57, 58 ($V V_a V_b + 32$; $V_e + 31$), 101 ($V_a = 104$). Порядокъ Трул. въ V_b : 23, 57, 28...; въ $Vall_1$: ... 32, 57, 101, 58. Въ $M Трул. in m.$
7. Лаод. 19, 44; Трул. 69, 70 ($Vall_2 = 70$). Въ $M Трул. in m.$
10. Лаод. 21, 22, 23 ($Vall_1 + 24$), 25 ($V = 23$; $L V_a - 25$), 43; Трул. 27 ($L = 7$, 23; $V = 23$; $V_a Vall_1 Vall_2 = 7$); Ник. II 14 ($V V_a V_b V_e L - 14$), 16 ($Pa - \text{Ник. II } 14, 16$)²). Въ $M Трул. и Ник. II in m.$
11. Сард. 11; Трул. 80 ($Vall_2 = 79$? $Pa Vall_1 M V_c - \text{Трул. } 80$). Порядокъ въ $Vall_2$: Трул. передъ (?) Сард.
14. Апост. 31 ($V_a V_e L = 34$); Гангрск. 6; Антиох. 2, 5; Лаод. 58; Трул. 31, 59. Въ $M Трул. in m.$
17. Карө. 18 ($V_c = 16$); Трул. 83. Въ $M Трул. in m.$

IV тит.

3. Апост. 49, 50; Трул. 59 ($M V_c Vall_1 Vall_2 Pa - \text{Трул. } 59$, но $Vall_1 + \text{друг. рук.}$

¹) Въ L ошибочно поставл.: Трул. 12, 13, 14, 15, т. е. пропущ., вѣроятно, одна строка оригинала, гдѣ были слова: λα'. συνόδου α' καὶ β' συγροτηθεισης; ἐν τῷ ναῷ τῶν ἀγ. ἀποστόλων κανὼν.

²) Въ V_c стоять: τῆς ἐπὶ Ἰουστ. τοῦ εὐσ. βασ. 14, 16.

4. Лаод. 46, 47; Трул. 78. ВЪ *М Трул. in m.*
 5. Карө. 72; Трул. 84. ВЪ *М Трул. in m.*
 14. Ник. 19 ($V_c = 9$); Лаод. 7 ($V_a = 6$), 8 ($Vall_2 Vall_1 + 21$); КП. 7;
 Трул. 95; Ник. II 8 ($P_a - \text{Ник. II 8}$); Васил. 47 ($V_e L = 7$). ВЪ
М Vall_1 Vall_2 V_c Трул. и Ник. II, а въ P_a Трул. ставятся по- 5
слѣ Васил. 47.

V тит.

1. Гангрск. 5, 20 ($P V_b = 19$)¹; Трул. 76 ($M=78$), 88, 97. ВЪ *М Трул. in m.*
 2. Лаод. 28; Карө. 42 ($V_e = 48$); Трул. 74, 76, 97 ($M V_c Vall_1$ 10
 $Vall_2 P_a - 76, 97, \text{ но } Vall_1 + \text{ друг. рук.}$). ВЪ *М Трул. in m.*

VI тит.

1. Апост. 3, 4, 71; Трул. 28, 57, 79, 99; Кириллa къ Домну 2.
 ВЪ *М Трул. in m.* ВЪ $V_c Vall_1 Vall_2 P_a$ Трул. послѣ Кириллa 15
 къ Д.

VII тит.

1. Апост. 64, 69; Гангрск. 18, 19; Лаод. 49, 50, 51, 52; Трул. 29,
 52 ($L=42$), 55, 56 ($V V_c = 86$), 89; Петра 15. ВЪ *М Трул. in*
m. ВЪ $V_c Vall_1 Vall_2 P_a$ Петра 15 передъ Трул.
 2. Тимоѳея 8. 10 ($V_c + \text{Никифора } \delta, 4, 5; \text{ Исидора}$). 20
 3. Апост. 7; Антиох. 1; Карө. 73 ($Vall_1 Vall_2 = 61, \text{ но въ } Vall_1 \text{ пере-$
правл. друг. рук. въ 73); Трул. 89 ($Vall_2 = \text{ Трул. 19, 66, 90;}$
 $Vall_1 = 19 \text{ и др. рук.} + 89; P_a = 66, 79; M V_c = 66, 89$); Діонисія
 I ($V_e + 4; Vall_2 = \text{ Петра } \delta$); Теофила προσφώνησις . ВЪ *М Трул. in*
m. ВЪ $V_c Vall_1 Vall_2 P_a$ Трул. послѣ Теофила. 25
 4. Ник. 20; Лаод. 29 ($V_e = 9$); Карө. 61; Трул. 19 ($V_b = 9$) 66, 90 (V_a
 $= 99$)²; Петра 15; Теофила προσφώνησις . ВЪ *М Трул. in m.* ВЪ
 $V_c P_a$ Трул. послѣ Теофила προσφώνησις ³.

VIII тит.

1. Халк. 17 ($V_a = 7$); Карө. 53, 56, 71; Трул. 25, 36, 37, 38, 39 30
 ($M Vall_1 Vall_2 P_a - 36, 37, 39, \text{ но } Vall_1 + \text{ друг. рук.}; V_c = \text{ Трул.}$
 25, 30). ВЪ *М Трул. in m.*

¹) ВЪ L отсутств. Гангрск. 5, 20 потому, что здѣсь не хватаетъ и всего
 текста гл. 1: ссылка на Трул. 76, 88, 97 присоединена прямо къ заглавію
 тит V

²) ВЪ V_e нѣтъ самыхъ чиселъ для Трул.

³) ВЪ V_c стоитъ на концѣ: Петра 15, 66, 90, т. е. пропущ. Трул. 19
 вмѣстѣ съ обозначеніемъ этого собора.

2. Апост. 14, 15; Анк. 18 ($V_a=8$); Антиох. 3, 13, 22; Лаод. 41, 42;
 КП. 2; Халк. 13, 23; Сард. 3, 11 ($V_c - II$), 12, 16, 17; Карө.
 23, 71; Трул. 17, 18, 20 ($V_c Vall_2 P_a M - 20$); Ник. II 10 (M
 $V_c Vall_1 Vall_2 P_a - \text{Ник. II, 10, но } Vall_1 + \text{ друг. рук.}$); КП. I—II 5
 16 ($V_a V_c Vall_1 Vall_2 P_a - \text{КП. I—II 16}$). ВЪ *М Трул. и КП. I—II*
in m.
 5. Апост. 12, 33 ($L V_e = 13$); Антиох. 7, 8, 11; Лаод. 41, 42; Халк.
 13; Сард. 9 ($V_a - \text{Сард. 9}$); Карө. 23 ($V_a - \text{Карө. 23}$); Трул. 17
 ($M V_c Vall_1 Vall_2 P_a - \text{Трул. 17, но } Vall_1 + \text{ друг. рук.}$). ВЪ V_c Халкид.
поставл. передъ Лаод. 10
 8. Апост. 37; Ник. 5; Антиох. 20; Лаод. 40; Халк. 19 ($Vall_1 Vall_2 + 21$);
 Карө. 18, 73, 76 ($L=73$), 95; Трул. 8; Ник. II 6 ($Vall_1 Vall_2$
 $P_a - \text{Ник. II 6}$). ВЪ V_a Трул. послѣ Ник. II. ВЪ *М Трул. и*
Ник. II in m.
 12. Апост. 36, 39, 58; Карө. 123 ($P_a=133$). 124 ($P_a=134; P-124$); 15
 Трул. 19 ($Vall_2 P_a M=64$; въ $Vall_1$ въ скобл., можетъ быть,
 вмѣсто $\xi\delta$). ВЪ *М Трул. in m.*
 13. Апост. 6, 81 ($Vall_2 - 81$); Халкид. 3 ($Vall_2 - \text{Халкид. 3}$); Карө.
 16 ($Vall_2 - \text{Карө. 16}$); Ник. II 10 ($P_a - \text{Ник. II 10}$); КП. I—II
 11 ($M V_a V_c Vall_1 Vall_2 P_a - \text{КП I—II 11}$). ВЪ $Vall_1$ Халкид. и 20
 Карө. послѣ Ник. II. ВЪ *М Ник. II in m.*
 14. Ник. 3; Трул. 5; Ник. II 18 ($V_c Vall_2 Vall_1 M P_a - \text{Ник. II 18,$
*но } Vall_1 + \text{ друг. рук.}); Василія къ Григ. пресв. ВЪ $V_c Vall_1$
 $Vall_2 P_a$ Трул. послѣ Васил. ВЪ V_a Трул. послѣ Ник. II. ВЪ
М Трул. in m. 25
 15. Карө. 38; Ник. II 22 ($V_c Vall_1 Vall_2 P_a - \text{Ник. II 22, но } Vall_1 +$
*друг. рук.}).
 19. Ник. 18; Лаод. 20, 56 ($V_c=56$); Карө. 86 ($V=86; V_a=88$), 89
 ($V=89$); Трул. 7.**

IX тит.

10. Апост. 12, 13, 32, 51; Ник. 5 ($P=5$), 12, 13 ($Vall_1 Vall_2 = \text{Ник.}$
 2, 10, 17); Антиох. 6; Лаод. 36; Халкид. 4, 16 ($V_e=6$); Карө.
 65; Трул. 21.
 14. Апост. 3, 5, 6, 7, 11, 20 ($P V V_a V_b V_e - 20$), 25 ($P=25$), 27, 29,
 30, 31, 35, 42, 44, 45, 46 ($V_b - 46$), 47 ($V_a + 48$), 49 — 53, 35
 ($V_a + 54$), 55 ($Vall_2 - 55$), 59, 60, 62 ($Vall_2 Vall_1 - 62$), 63

- ($Vall_1 Vall_2 - 63$), 64, 65 ($V_b Vall_2 - 65$), 66, 68,—70, 81 ($V_a + 82$), 83, 84; Ник. 2, 10, 17; Анк. 10, 14, 18; Неокес. 1; Антиох. 1, 3—5, 13; Еф. 2; Халкид. 2, 18 ($Vall_1 = 13$); Сард. 21; Трул. 3—5 ($V_a + 6$), 9 ($P Va Vb Ve L + 10$), 11, 86, 97 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa$ *всѣ Трул.*, но $Vall_1 + \text{друг. рук.}$); ($Vc Pa Vall_1 Vall_2 + \text{Васил.}$ 5 32, 70).
18. Апост. 28, 51, 62; Антиох. 4; Лаод. 36; Трул. 21 ($V_b = 24$; $Vc Vall_1 Vall_2 Pa - \text{Трул. 21}$).
19. Анк. 1, 2; Неокес. 9; Трул. 3 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa - 3$), 26; Васил. 27, 70. *Въ $Vc Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послѣ Васил.* 10
21. Апост. 63 ($V_c = 3$); Анк. 3; Трул. 67 ($V = 63$; $Vc Vall_1 Vall_2 Pa - \text{Трул. 67}$).
22. Карө. 3, 4, 25, 70; Трул. 12, 13.
24. Апост. 23 ($V_c = 13$); Ник. 1; КП. I—II 8 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa - \text{КП. I—II 8}$; $V_a = 9$, $V_b = \text{Трул. 8}$). 15
26. Апост. 27, 66; КП. I—II 9 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa - \text{КП. I—II 9}$; $V_e = \text{Трул. 9}$); Васил. 55.
27. Апост. 25, 42, 43 ($L - 43$; $V_c = 53$); Ник. 17 ($L Va - \text{цифра}$); Лаод. 4 ($V_e = 9$; $V_a - \text{цифра}$), 54 ($Va V - 54$); Карө. 5, 16 ($V Va - \text{цифры}$); Трул. 10, 23 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa - 23$, но $Vall_1 + \text{друг.}$ 20 *рук.*), 24, 50 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa 50$); Ник. II 4 ($Vall_1 Vall_2 Pa Vc - \text{Ник. II 4}$); Васил. 10, 14, 17. *Въ $Vc Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послѣ Васил. Въ Va Ник. II передъ Трул.*
28. Апост. 51, 53; Анк. 14; Трул. 13, 30.
29. Апост. 17, 18 ($V_a - 18$), 19, 25, 26; Анк. 10; Неокес. 1, 9, 10; 25 Халкид. 14 ($Vall_1 = 4$); 15; Карө. 16; Трул. 3 ($V_c - 3$), 4 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa - 4$, но $Vall_1 + \text{друг. рук.}$), 6, 12, 13, 48, 58 ($V Va L = 59$; $Vc Vall_1 Vall_2 Pa - 12, 13, 48, 58$, но $Vall_1 + 12, 13, 48, 59$ *друг. рук.*); Васил. 3, 6, 69 ($Vall_1 = 7, 9$, т. е. ζ' θ' *вмѣсто ξθ'*), 70 ($V Va L - \text{всѣ правв. Васил.}$); Теофила ὁπομνηστ. 30 4, 5. *Въ $Vc Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послѣ Теоф.*
30. Апост. 67; Анк. ($Vall_2 + 2$), 11 ($Vc = 14$), 25; Халкид. 27 ($V_b = 7$); Трул. 92; Теоф. ὁπομνηστ. 2. *Въ $Vall_2$ порядокъ: Апост., Теоф., Анк., Халк., Трул. Въ $Vc Vall_1 Pa$ Трул. послѣ Теоф.*
31. Лаод. 30; Трул. 77. *Въ $Vc - \text{всѣ эти правв.}$* 35
35. Апост. 54 ($V_e + 50$); Лаод. 24; Карө. 40 ($V_a = 34$); Трул. 9.

37. Халкид. 18; Карө. 53 ($V = 23$); Трул. 34.
39. Апост. ($Vc Vc + 51$), 52; Ник. 11, 12 ($Vc = 2$); Анк. 1—9; Неокес. 2 ($V_a + \text{Лаод. 7}$; $Vall_1 V V_b Ve P Pa + \text{Лаод. 2}$, но $Vall_1$ *друг. рук.*); Карө. 6, 7, 27, 43, 45; Трул. 102; Васил. 5, 34 ($V_a = 31$; $L = \lambda', \delta$), 74 ($L = 70$), 75, 76 ($Vc - 76$), 82, 84; Григор. Нисск 5 3 ($Va L - 3$; $V = 4$), 4, 7, 8. *Въ Ve Лаод. послѣ Карө. Въ P Лаод. передъ Неокес. Въ $Vc Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послѣ Григорія Нисск.*

X тит.

1. Халкид. 26, Ник. II 11 ($Pa - \text{Ник. II 11}$; $V_a = \text{συνόδου Νικαίας κα-}$ 10 *νών α'*; V_b *только* συνόδου); Теоф. ὁπομνηστ. 9. *Въ $Vc Vall_1 Vall_2$ Ник. II послѣ Теоф.*
2. Vc : Апост. 38, 40, 41; Ант. 24, 25; Теоф. ὁπομνηστ. 9; Ник. II 11; Кирилла къ Д. 2.
3. Анк. 15 ($L = 14$); Халкид. 25; Трул. 35.
4. Апост. 38 ($V_e = 33$; $V_a - 38$), 72; Анк. 15; ($Vc Pa Vall_1 + \text{Карө. 26,}$ 15 33 ; $Vall_2 + \text{Карө. 22, 23}$); Ник. II 12 ($Pa - \text{Ник. II 12}$); Кирилла къ Домну 2 ($Pa - \text{Кир. къ Д. 2}$). *Въ $Vall_1 Vall_2 Vc$ Ник. II послѣ Кир. къ Д.*
5. Карө. 32; КП. I—II 7 ($Va Vc Vall_1 Vall_2 Pa - \text{КП. I—II 7}$).
7. КП. 2; Халкид. 28; Трул. 30 ($P V Va Vb Ve - 30$; $Vall_1 = 37$ 20 *друг. рук.*), 37, 39 ($Vc Vall_1 Vall_2 Pa - 37, 39$).

XI тит.

1. Халкид. 4, 24; Трул. 49; Ник. II 13 ($Pa - \text{Ник. II 13}$); КП. I—II 1, 6 ($Va Vc Vall_1 Vall_2 Pa - \text{КП. I—II 1, 6}$ но $Vall_1 + \text{друг. рук.}$). 25 *Въ $L V Va$ Ник. II передъ Трул.*
2. Карө. 80 ($V_c = 8$); Ник. II 21 ($Pa - \text{Ник. II 21}$).
3. Гангрск. 3; Халкид. 4 ($Vc - \text{Халкид. 4}$); ($Pa Vall_1 Vall_2 Vc + \text{Трул.}$ 85. *Въ $L V - \text{всѣ правв.}$*
4. Халкид. 3, 4, 8, 23; Трул. 41, 42, 46; КП. I—II. 2, 4 ($Va Vc Vall_1 Vall_2 Pa - \text{КП. I—II 2, 4}$). 30
5. Анк. 19; Халкид. 16 ($V_b Vall_1 = 6$); Трул. ($Vall_1 + 40$), 44 ($Vall_2 = 41$), 47 (Vc , *вмѣсто всѣхъ, только одно: Трул. 4*); Васил. 19, 20, 60 (вм. 20, 60, $V_c = \xi\kappa'$, $LV_a = \chi\zeta'$). *Въ $Vc Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послѣ Васил.*

6. Халкид. 18 ($Vall_2 = 16$); Трул. 34 ($L=31$). V_c пропуск всю главу 6.
 7. Лаод. 30; Трул. 77.
 8. Карө. 44 ($L=47$; V_b -Карө. 44); Трул. 46, 47, 48; Ник. II 18; 20, 22 (Pa -Ник II 18, 20, 22). В $L V_e$ порядок Трул.: 47, 46, 48.
 9. Трул. 4; Васил. 18, 20, 60. В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Васил. 5
 10. Карө. 126 ($V_e=122$; V_b -цифра); Трул. 40 ($Vall_1 Vall_2 V_c+41$, 43, 45); Васил. 18. В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Васил.

XII тит.

3. Апост. 60 ($V_e=7$); ($Vall_1 Vall_2 Pa V_c+Трул.$ 68); Ник. II 9 ($Vall_1 =2$; Pa -Ник. II 9). 10
 9. Апост. 65 ($L=60$ $V_e=67$; $V_b=65$), 70 ($V_a=7$); Лаод. 9, 29 ($V_b=29$), 32, 35, 37, 38 ($Vall_2 = 38$), 39 ($P+42$); Трул. 11 ($V_c=9$).
 13. Лаод. 10, 31; Халкид. 14 ($V=11$); Карө. 21 ($Vall_2 = 24$); Трул. 72.
 14. Ник. 8 ($V_b=8$), 19 ($V_a=19$; $Vall_2 = 9$); Лаод. 7, 8; КП. 7; Карө. 47 ($V_c=57$), 57 ($V_a V_c=48$), 66; ($V_a+συνόδοι Νικαίας τὸ β'$); Трул. 15
 95 ($Pa Vall_2 Vall_1 V_c-Трул.$ 95, но $Vall_1 + друг. рук.$; $L=91$); Васил. 1 ($V_a=1$), 47; Теоф. къ Афинг.; соборъ при Киприанѣ ($Vall_1 Vall_2 Pa V_c$ -соборъ при Кипр.).

XIII тит.

1. Сард. 11; Трул. 80. 20
 2. Апост. 19, 48 ($V V_b V_e Vall_1 L=48$); Анк. 16, 17; Неокес. 2, 3, 4, 7 ($L V_e=7$)¹⁾; Лаод. 1, 10, 31; Халкид. 16; Трул. 53 ($V_a=51$), 54, 72 ($V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ 72), 98²⁾; Васил. 4, 18, 23, 24, 41, 50, 53, 67, 68, 75, 76 ($V_e L=76$), 78, 79, 80; Васил. къ Дюд.; Теоф. къ Агаө. В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Теоф. 25
 3. Трул. 93; Васил. 31, 36, 46 (V пропуск. всъ цифры). В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Васил.
 4. Апост. 5; Гангр. 14; Карө. 102 (V_b -цифра); Трул. 87 ($V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ -Трул. 87, но $Vall_1 + друг. рук.$); Васил. 9, 35, 48, 77.
 5. Апост. 61; Анк. 20; Неокес. 8; Трул. 87, 87, 98; Васил. 7, 18, 30
 21 ($L=21$), 22 ($L V V_a=22$), 25, 26, 30, 34, 37, 39, 49, 58, 59

¹⁾ V_c пропуск. цифры Неокес. и обознач. $συνόδοι Λαδοκείας$, поэтому выходить, что здѣсь ссылка на Неокес. 1, 10, 31.

²⁾ V_c , благодаря такимъ же пропуск., ссылка на Трул. 4, 18....

- ($Vall_2 = 59$), 62 ($V V_a L=61$), 77; Григорія Нисск. 3. В V_a Неокес. передъ Анк. В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Григ. Нисск.
 8. Апост. 67; Анк. 11 25; Халкид. 27; Трул. 92 ($Vall_1 Vall_2 Pa V_c$ -Трул. 92); Васил. 22, 30, 53 ($V_a=56$).
 10. Анк. 21; Трул. 91; Васил. 2, 8, (V_a+50), 52. В $V_c Vall_1 Vall_2$ 5
 Pa Трул. послъ Васил.
 13. Апост. 63; Анк. 3; Гангрек. 2 ($V_c=3$); Трул. 67; Григорія Чудотв. 1; Васил. 81. В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Васил.
 19. Трул. 94 ($V_e V_a L=91$); Васил. 81. В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Васил. 10
 20. Апост. 62 (V -Апост. 62); Ник. 11, 12 ($V=19$); Анк. 3-6, ($V_e L+7$), 8, 9, 12, 24; Лаод. 36; Карө. 45; Трул. 61 ($V_a=51$), 65 ($V_a=65$); Петра 1-5, 6 ($Vall_2 Pa=6$), 7-14 (V_a -всѣ Петра); Васил. 7, 8, 44 ($V_e=44$), ($Vall_1 V V_c L Vall_2 Pa+45$), 65 ($Vall_2 Pa=66$), 72, 73, 81, 83 (V_a -всѣ Васил.); Григорія Нисск. 1, 2 15
 (V_a -всѣ Григорія Нисск.). В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Григ. Нисск.
 21. Карө. 45, 63; Трул. 51 ($V_b=52$; $Vall_1 Vall_2 Pa V_c=Трул.$ 51, но $Vall_1 + друг. рук.$). V_a пропуск. всю главу 21.
 22. Карө. 15, 60, 61; Трул. 51 ($V_e V_b V=51$), 52 ($Vall_1 Vall_2 P V_a$ 20
 $V_c=52$), 62, 65 ($V_c Vall_1 Vall_2 Pa=65$, но $Vall_1 + 67$ друг. рук. 71, 96, 100.
 25. Лаод. 30; Трул. 77 ($V_e=7$).
 27. Лаод. 19 ($Vall_1 = 19$), 44 ($Vall_2 V_a=41$); Трул. 69 ($V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ -Трул. 69, но $Vall_1 + друг. рук.$). 25
 29. Апост. 43 ($Vall_2 = 53$); Трул. ($Vall_2 + 6$, 28), 50.
 30. Апост. 79; Трул. 60 ($V_c Vall_1 Vall_2 M Pa=66$, но въ $Vall_1$ выскобл. $ς$ въ цифрѣ $ξς$); Тимоѳея 2 ($L=12$), 3, 14, 15. В $V_c Vall_1 Vall_2 Pa$ Трул. послъ Тимоѳ. В M Трул. in m.
 32. Апост. 64 ($Vall_1 Vall_2 Pa=61$; $V_a=12, 13, 61$); Гангрек. 18; Трул. 30
 55 ($V_c Vall_1 Vall_2 M Pa=56$). В M Трул. in m.
 36. Гангр. 6 ($V_a=26$; V_c -Гангрск. 6); Трул. 31, 59. ($V V_a V_e=39$)
 В M Трул. in m.